ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राहुल गांधी को मूर्खों की तरह अपनी लिखी बातें पढ़कर मजाक नहीं उड़ाना @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 09 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-219

ट्रंप के रवैये से आरआईसी के अस्तित्व में आने की संभावना बढ़ी

भारत की दृढ़ता से प्रभावित रूस और चीन

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

दुनियाभर में अपनी दादागीरी दिखाने की कोशिश कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे भारत ने झुकने से इंकार कर दिया है। 60 से अधिक देशों पर टैरिफ के जरिए हमला कर रहे ट्रंप की हरकतों के आगे भारत की दृढ़ता ने तीन महाशक्तियों भारत रूस और चीन को और अधिक करीब लाने का काम किया है। वैश्विक राजनीति में मची हलचल के बीच ही एससीओ समिट में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन जाने वाले हैं और जल्द ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी भारत आने की तैयारी में हैं। यह सब ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत से नाराज हैं और रूस से तेल न खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ-आतंक का दबाव बना रहे हैं। ट्रंप के इस रवैये ने रूस, भारत और चीन (आरआईसी) के एक साथ आने का मौका दे दिया है।

मोदी के चीन जाने और पुतिन के भारत आने से बौखलाए ट्रंप

पीएम मोदी इस महीने के अंत में शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) की बैठक में हिस्सा लेने चीन जाएंगे। यह उनकी सात साल बाद पहली चीन यात्रा होगी। 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच तनाव के बाद दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई थी। लेकिन हाल ही में ब्रिक्स समिट में मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद रिश्तों में कुछ गर्मजोशी दिखी। इस दौरे में मोदी और शी के बीच द्विपक्षीय बातचीत की भी संभावना है। एससीओ समिट 31 अगस्त से 1 सितंबर तक तियानजिन में होगा, जहां पुतिन भी मौजूद होंगे। मोदी इससे पहले जापान भी जा सकते हैं।

दूसरी तरफ, रूस के राष्ट्रपति पुतिन इस साल के अंत तक भारत आने वाले हैं। यह जानकारी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मॉस्को में दी। डोभाल अभी रूस दौरे पर हैं और वहां रूस से तेल खरीद और एस-400 मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी जैसे मुद्दों पर बात हो रही है। भारत और रूस के बीच लंबे समय से गहरी दोस्ती है, और पुतिन का यह दौरा इसे और मजबूत करने वाला है।

रूस से तेल खरीदने से बौखलाए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। वे चाहते हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, ताकि यूक्रेन युद्ध में रूस पर दबाव बढ़े। लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी नीतियों पर अडिग रहेगा। समय और ट्रंप के कारण पैदा हुई परिस्थिति का तकाजा है कि भारत, रूस और चीन मिलकर आरआईसी ▶10पर

ट्रंप को ठेंगा: मोदी-लूला के बीच हुई अहम बातचीत

भारत-ब्राजील 20 अरब डॉलर तक बढ़ाएंगे व्यापार

ब्रासीलिया/नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के टैरिफ आतंक को ठेंगा दिखाते हुए भारत और ब्राजील ने दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर से अधिक करने के साझा लक्ष्य के प्रति दृढ़ता दिखाई है। दोनों नेताओं ने मर्कोसुर-भारत व्यापार समझौते का विस्तार करने पर भी सहमति जताई है। मर्कोसुर दक्षिण अमेरिकी देशों का एक प्रमुख आर्थिक संगठन है, जिसमें ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे शामिल हैं। भारत पहले से ही इस समूह के साथ एक व्यापारिक समझौता रखता है, जिसे अब और व्यापक बनाने की योजना है।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को टेलीफोन पर हुई बातचीत में अमेरिका द्वारा लगाए गए एकतरफा टैरिफ के प्रभाव और कुप्रभाव को लेकर विस्तार से चर्चा की और इसके एहतियाती प्रबंधन पर बात की।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने इस दौरान यह भी पुष्टि की कि वे 2026 की शुरुआत में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। ब्राजील के उप-राष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन अक्टूबर 2025 में भारत की यात्रा पर होंगे।

यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए नए टैरिफ प्रभाव में आए हैं। ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि रूसी तेल से जुड़ी भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा, जिससे कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। इसी प्रकार ब्राजील की कुछ वस्तुओं पर भी पिछले सप्ताह इसी दर से टैरिफ लागू किया गया, जो बुधवार से प्रभावी हो गया। हालांकि हवाई जहाज के कलपुर्जे, एल्युमिनियम, टिन और लकड़ी की लुगदी जैसे कुछ उत्पादों को छूट दी गई है।

चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल-टाइम्स ने दुनिया का ध्यान खींचा

भारत-चीन के रिश्ते सुधरे तो दुनिया देखेगी

बीजिंग, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

Global Times
@globaltimesnews · Follow
#Editorial: The recent "warming" of China-India ties clearly shows that Washington's attempt to draw New Delhi into its so-called "Indo-Pacific strategy" to contain China does not align with India's independent foreign policy.
globaltimes.cn/page/202508/13...

As a Hindu proverb goes, "Help your brother's boat across, and your own will reach the shore." A healthy China-India relationship brings positive spillover effects to the region and the world. We welcome Prime Minister Modi to visit China with genuine intentions to improve bilateral ties and pragmatic cooperation plans, and to jointly usher in a new chapter of "the dragon and the elephant dancing together."

GLOBAL TIMES

टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिकी मनमानी के खिलाफ भारत को चीन का साथ मिला है। चीन ने कहा है कि अमेरिकी सरकार द्वारा टैरिफ का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है और हमारा इसके प्रति विरोध साफ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। जिसके बाद अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। इसे लेकर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि टैरिफ के दुरुपयोग के प्रति चीन का विरोध सही और स्पष्ट है।

मुखपत्र ने लिखा, पीएम मोदी का चीन में स्वागत है

अमेरिका के टैरिफ लगाने के फैसले पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई। भारत ने आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिका का यह कदम अनुचित, अन्यायपूर्ण और गैरवाजिब है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर ऐसे कदमों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का निर्णय लिया है जब कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में ऐसे कदम उठा रहे हैं। हम दोहराते हैं कि ये कदम अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। गौरतलब है कि अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के चलते भारत पर टैरिफ लगाने का एलान किया है, लेकिन चीन भी बड़े पैमाने पर रूस से कच्चा तेल खरीदता है, लेकिन चीन के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने चुप्पी साध रखी है।

इसी बीच चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स में प्रकाशित लेख और सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट से दुनियाभर में भारत और चीन में बढ़ते सामंजस्य पर चर्चा तेजी से शुरू हो गई है। ग्लोबल टाइम्स के लेख में भारत और चीन की प्राचीन सभ्यता, बढ़ती जनसंख्या और उभरती अर्थव्यवस्था को खास तौर पर रेखांकित किया गया है। साथ ही इसमें ये भी कहा गया है कि दोनों ही देश इस समय उस पड़ाव पर हैं कि वे पूरे विश्व का ध्यान अपनी ओर खींच सकते हैं। ▶10पर

नई पीढ़ी को महापुरुषों से अवगत कराने की नायाब पहल

एनसीईआरटी सिलेबस में होंगे फील्ड मार्शल मानेकशॉ

ब्रिगेडियर उस्मान और मेजर सोमनाथ शर्मा भी शामिल

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

कक्षा सात और आठ के छात्रों को फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ, ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान और मेजर सोमनाथ शर्मा की जीवनी पढ़ाई जाएगी। सरकार ने इसी शैक्षणिक वर्ष से एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में तीनों सैन्य अधिकारियों के बलिदान की कहानी शामिल करने का फैसला लिया है। कक्षा आठ (उर्दू और अंग्रेजी), कक्षा सात (उर्दू) में यह अध्याय जोड़े गए हैं।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में नए अध्यायों को शामिल करने का उद्देश्य छात्रों को साहस और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणादायक कहानियों से परिचित कराना है। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ भारत के पहले फील्ड मार्शल अधिकारी थे, जिन्हें असाधारण नेतृत्व और रणनीतिक कौशल के लिए याद किया जाता है। उनकी भूमिका 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत की जीत के लिए महत्वपूर्ण थी, जो 13 दिनों तक चला। पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण और स्वतंत्र बांग्लादेश का निर्माण होने के साथ यह युद्ध समाप्त हुआ था। मानेकशॉ को भारत के दो सर्वोच्च नागरिक सम्मानों 1968 में पद्म भूषण और 1972 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। ▶10पर

पुनौरा धाम मंदिर के भूमि पूजन में आए अमित शाह ने पूछा

घुसपैठियों को मतदाता सूची से हटना चाहिए या नहीं?

सीतामढ़ी (बिहार), 08 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार के सीतामढ़ी में पुनौरा धाम मंदिर के भूमि पूजन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को निशाने पर रखा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और एसआईआर को लेकर कांग्रेस के साथ राजद को खरी-खोटी सुनाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार के सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। शिलान्यास और भूमि पूजन में सीएम नीतीश कुमार उनके साथ थे। अमित शाह ने सीतामढ़ी से अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लालू प्रसाद पर जमकर बरसे।

अमित शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी और लालू लालू एंड कंपनी पार्लियामेंट में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रही है। मैं पूछने आया हूं मिथिलांचल वालों से कि

लालू-तेजस्वी-राहुल बताएं वे किसे बचाना चाहते हैं?

मोदी जी को आतंकवादी को जवाब देना चाहिए या नहीं चाहिए? ऑपरेशन सिंदूर करना चाहिए या नहीं चाहिए? लालू एंड कंपनी को मालूम नहीं है कि नरेंद्र मोदी की सरकार है, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सरकार है। यहां पर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं है। इतना ही नहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर भी जमकर बोला। उन्होंने कहा कि राहुल जी, बंद कीजिए वोट बैंकों की राजनीति। मतदाता पुनरीक्षण पहली बार नहीं हो रहा। आपके परनाना नेहरु जी ने पहली बार किया था। 2003 अंतिम बार हुआ था। पहले से ही बिहार चुनाव हारने का बहाना तैयार कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालू प्रसाद यादव के बाद तेजस्वी यादव पर भी जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा, मैं आज यहां तेजस्वी यादव से पूछने आया हूं कि आपके पिताजी और माताजी का कई साल शासन रहा। गुंडई करने और अपहरण-फिरौती के अलावा मिथिलांचल के विकास के लिए दोनों ने क्या किया? ▶10पर

रक्षाबंधन पर केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला

उज्ज्वला योजना के लिए 12000 करोड़ मंजूर

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत 2025-26 के लिए 12,000 करोड़ रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दे दी। इससे 10.33 करोड़ परिवारों को लाभ मिलेगा। रक्षाबंधन से ठीक पहले लिए गए इस फैसले से बड़े पैमाने पर देश की महिलाओं को लाभ पहुंचेगा। इसके साथ ही केंद्रीय कैबिनेट ने तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 30,000 करोड़ रुपए की एलपीजी सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कैबिनेट में लिए इन फैसलों की जानकारी दी।

देश भर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को मुफ़्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए मई 2016 में पीएमयूवाई योजना शुरू की गई थी। 1 जुलाई तक, भारत में लगभग 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं। सरकार की ओर से एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को प्रति वर्ष 9 रिफिल (और 5 किलोग्राम सिलेंडर के लिए आनुपातिक रूप से आनुपातिक) के लिए 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर 300 रुपए की लक्षित ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,04,410/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,18,300/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 21^0

किसानों के हित के लिए भारत सरकार ने रोकी अमेरिका से ट्रेड डील

लाखों करोड़ खर्च कर भारत का कृषि सेक्टर बचा रही मोदी सरकार

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के किसानों का हित देखते हुए भारत सरकार ने अमेरिका से ट्रेड डील नहीं की। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि किसानों के हित की रक्षा के लिए वे अमेरिका के टैरिफ आतंक के आगे नहीं झुकेंगे। चाहे इसके लिए उन्हें व्यक्तिगत तौर पर जो भी कुर्बानी देनी पड़े। लाखों करोड़ खर्च कर भारत का कृषि सेक्टर बचाने में मोदी सरकार लगी हुई है। देश के लोगों को इसे समझना चाहिए। अमेरिका से ट्रेड डील की सारी बातें तय हो चुकी थीं लेकिन पूरा मामला डेयरी और कृषि सेक्टर पर अंटका हुआ था। मोदी सरकार ने अमेरिका से साफ कर दिया कि वह डेयरी और कृषि क्षेत्र में कोई भी रियायतें नहीं देगी। अमेरिका लगातार यह चाहता था कि उसके यहां उत्पादित दूध और कृषि उत्पाद भारत में बेचे जाए।

अमेरिका के लोलुप इरादों से बचाया गया भारत का डेयरी और कृषि क्षेत्र

1960 के दशक में देश अनाज की भयानक कमी से जूझ रहा था। बड़ी आबादी विदेशों से आने वाली मदद पर निर्भर थी। सूखे और उत्पादन में कमी ने समस्या को विकराल बना दिया था। तब प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान-जय किसान का नारा दिया था। इसके बाद देश का खाद्य उत्पादन सेक्टर बदल गया। हमारे किसान आत्मनिर्भर हो गए। पीएम शास्त्री के 6 दशकों के बाद भारत को ऐसा प्रधानमंत्री मिला है, जिसने किसानों के हितों के लिए अमेरिका से लड़ाई मोल ले ली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसानों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं करने वाले हैं। नई दिल्ली में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने बिना ट्रंप या टैरिफ का जिक्र किए हुए कहा, किसानों का हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। और मुझे पता है कि इसके लिए मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं तैयार हूं। पीएम मोदी ने कहा कि देश के किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हित में भारत तैयार है। उनके इस बयान ने स्पष्ट कर दिया कि भारत का किसानों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर क्या रवैया रहने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान ऐसे समय में ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

अदभुत, अनुपम एवं अलौकिक छवि के धनी थे गुरु मिश्री एवं गुरु रूप : साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में चार महापुरुषों का जन्मोत्सव एवं पुण्योत्सव एकासन दिवस और गुणगान से मनाया गया। श्रमण सूर्य मरुधर केसरी मिश्रीमल महाराज का 135 वाँ जन्मोत्सव मनाया गया। साध्वी ने कहा कि वे एक अदभुत, अनुपम एवं अलौकिक छवि के धनी थे। जिनकी छवि स्मृति पटल उभर आती है। जिनकी यशोगाथा आकाश की भाँति असीम है। जिनकी कथनी एवं करनी एक थी। जिनके नैनों में स्नेह और ममता का अंजन था, जिनके रोम रोम में संयम की साधना का स्पंदन था और जिनके जीवन में प्रेम और परोपकार का गुंजन था। वे मिश्री की भाँति बाहर से कठोर और भीतर से मीठे कोमल थे। मानव मात्र के लिये ही नहीं मूक प्राणियों के लिये भी जिनके हृदय में करुणा भाव थे। वे वात्सल्य के

महासागर थे। लोकमान्य संत श्री रूपचंद महाराज का 98 वाँ जन्मोत्सव मनाया गया। साध्वी ने कहा गुरु रूप जैन ही नहीं बल्कि 36 कौम के गुरु थे जो आत्म ज्ञान से अंतर्मन का दिया जलाते थे। जो भी उनके चरणों में पहुंचे उनको जागृत किया। वे जिनशासन के ज्योतिर्मय नक्षत्र थे। जिनकी वाणी में ओजस्विता, वचन सिद्धि, प्रज्ञा पुरुष थे। मेवाड़ आचार्य मोतीलाल महाराज के 68वें पुण्योत्सव पर उनके गुणगान करते हुए कहा आचार्य मोतीलाल मेवाड परंपरा के अंतिम आचार्य रहे, जिनका जीवन मोती की तरह पारदर्शी था। जिन्होंने 20 वर्षो तक मेवाड परंपरा का कुशल संचालन और नेतृत्व किया। जिन्होंने कठोर साधना के माध्यम से अपने जीवन को तपमय बनाया और आचार्य पद से अलंकृत हुए। महासती चंदा जी जिनकी साधना में परिपक्वता थी और जिनकी वाणी में मधुरता थी ऐसी साध्वी के 73वें पुण्योत्सव पर उनके गुणगान किए। साध्वी ऋषिता ने गुरु गुणगान में स्तवन की प्रस्तुति दी। साध्वी निर्मला ने आशीर्वाद एवं मांगलिक प्रदान किया। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों एवं संघ संस्थाओं के पदाधिकारी सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही। जिनमें प्रमुख जैन कॉन्फ्रेंस वैय्यावच्च योजना के राष्ट्रीय महामंत्री रतनचंद सिंघी और प्रांतीय महामंत्री प्रकाश बोहरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष हस्तीमल बाफना, किशोर दलाल, सुरेश निवेदिया, अनिल बाफना, गुरु अम्बेश सेवा समिति से सम्पतलाल ढीलीवाल, जयन्तीलाल ओस्तवाल, कोप्पल से जीतेन्द्र झांगड़ा व अन्य की उपस्थिति रही। नेमीचंद दलाल ने कहा कि श्रमण संघ के निर्माण और संगठन को बनाए रखने में मरूधर केसरी एवं लोकमान्य संत ने अपना विशिष्ट योगदान दिया। दोनों महापुरुषों ने अपनी साधना, ओजस्वी वाणी, आशीर्वाद तथा वात्सल्य भाव से देशभर में लाखों लोगों की आस्था को जागृत किया। गुरु गुणगान की कड़ी में अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, शकुंतला मेहता, महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरना, चमेली खीवेंसरा व अन्य ने अपने विचार रखे। एकासन, प्रभावना एवं गौतम प्रसादी का लाभ शांतिदेवी-जवरीलाल, प्रकाशचंद उत्तमचंद, पदमराज, मनीष, नितेश, राहुल, चिराग, युग रातड़िया परिवार सुमन इलेक्ट्रिक उद्योग ने लिया।

शनि अनुशासन, धैर्य और दृढ़ता का प्रतीक: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने नवग्रह शांति अनुष्ठान के अंतर्गत शनिग्रह के विषय पर समझाते हुए कहा कि शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए जप, तप और दान करना हमेशा शुभ होता है। इसमें भी शनि पीड़ा को कम करने के लिए और गलतियों के प्रायश्चित करने के लिए दान करना सर्वोत्तम होता है। शनि ग्रह को ज्योतिष में कर्म फलदाता और न्याय का देवता माना जाता है। यह धीमी गति से चलने वाला ग्रह है और इसके प्रभाव को व्यक्ति के जीवन में कर्मों के अनुसार देखा जाता है। शनि को कर्मों के अनुसार फल देने वाला ग्रह माना जाता है। यह व्यक्ति के अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब रखता है और उसी के अनुसार फल देता है। शनि को न्याय का देवता माना जाता है। यह सभी के साथ समान रूप से न्याय करता है और किसी के साथ भी भेदभाव नहीं करता है।

शनि अनुशासन, धैर्य और दृढ़ता का प्रतीक है। यह व्यक्ति को जीवन में अनुशासित रहने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। साध्वी शीतलगुणा ने रक्षाबंधन के इस अवसर पर कहा कि रक्षाबंधन त्यौहार समाज में नारी के महत्व को भी प्रकट करता है। बहनें अपने भाइयों की रक्षा के लिए राखी बांधकर उन्हें सुरक्षित महसूस कराती हैं, यह दिन समाज में नारी की महत्व-पूर्ण भूमिका को उजागर करता है और उन्हें समाज में उच्च स्थान पर रहने का मौका देता है। समृद्धि और सफलता की कामना के साथ ही, रक्षाबंधन भाई बहन के प्यार और संबंध की महत्वपूर्णता को याद दिलाता है। यह एक विशेष तरीका है जिससे भाई-बहन के साथ समय बिता सकते हैं और उन्हें अपनी आशीर्वादों से नवाज सकते हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में नवग्रह शांति अनुष्ठान जाप पूजन बड़े हर्षोल्लास से चल रहा है। शुक्र ग्रह अनुष्ठान और एकासणा के लाभार्थी सुआबाई शेषमल जयंतीलाल बंदामुथा किशोरमल जैन, जयंतीलाल,नेमीचंद, लक्ष्य, राजेंद्र कुमार, संदीप कुमार, जीतू जैन, कुणाल जैन, मोक्षीथ जैन बंधा मुथा परिवार (धानसा) का सम्मान महावीर कुमार संघवी, मोहनलाल जैन, भावेश संघवी ने किया।

माता पिता के उपकारों को कभी ना भूले: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि यहां की संस्कृति के हिसाब से विशिष्ट पर्व है वरमहालक्ष्मी। जैसे हम दीवाली पर मां लक्ष्मी की पूजा करते है। वैसे ही यहां के लोग वरमहालक्ष्मी की पूजा करते हैं। लक्ष्मी सभी को चाहिए। सभी अपने हिसाब से लक्ष्मी को मनाने की कोशिश करते हैं। लोग तरह तरह की पूजा करते हैं ताकि लक्ष्मी उनके पास रहें। लक्ष्मी के बिना संसार में रहना बहुत मुश्किल हैं। जिसके पास लक्ष्मी नहीं है वह लक्ष्मी कमाने के चक्कर में पड़ा है। जिसके पास लक्ष्मी विराजमान है वह और लक्ष्मी कमाने के चक्कर में लगा है।

वर्तमान में मनुष्य जरूरत से ज्यादा कमाने और खाने के चक्कर में है। मनुष्य खाता तो बहुत है लेकिन मेहनत उतना नहीं करता है। खाने में मनुष्य को संयम रखना चाहिए। खाना कम और पानी ज्यादा पीना चाहिए। कम खाने वाला हमेशा स्वस्थ रहता है। मनुष्य खुद को जैसा बनाना चाहेगा वैसा बन जाएगा। लेकिन उसके लिए आदत बहुत जरूरी है। जैसी आदत होगी वैसा ही मनुष्य अपना भविष्य बना सकेगा। गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य को कभी किसी का अहसान नहीं भूलना चाहिए। बुरे वक्त में जो भी आपके साथ खड़ा हो उसके इस अहसान को कभी नहीं भूलना।

अपने माता पिता के उपकारों को भी कभी नहीं भूलना चाहिए जो उन्होंने किया है वो कोई नहीं कर सकता है। वो घर की आन और शान होते हैं। माता पिता के उपकारों को भूलने वाला कभी सुखी जीवन नहीं जी सकता है। माता पिता ही नहीं किसी के उपकार को नहीं भूलना चाहिए। सुखी जीवन के ये अनमोल मंत्र हैं। इसको जीवन में हमेशा अपना कर चलना चाहिए। मनुष्य पता नहीं किस बात को लेकर गर्व करता है। जबकि ये मिट्टी का शरीर एक दिन मिट्टी में ही मिल जाएगा। थोड़ी सी सफलता मिलते ही मनुष्य घमंड में आ जाता है। अकड़ दिखाने लगता है। लेकिन ये घमंड एक दिन नर्क में पहुंचा देगा। मनुष्य अगर आज भूल करेगा तो बहुत पछताएगा। काया दो दिन की माया है उसके बाद खत्म हो जाएगा। जो आया है वो जाएगा। इसलिए यहां रहते हुए प्रभु का स्मरण कर सुख प्राप्त कर लेना चाहिए। तेरा मेरा सिर्फ एक झूठ है। प्रभु का नाम ही सच है। प्रभु के चरणों में जाने के बाद जीवन तर जाएगा। अंत में मनुष्य का अहम, घमंड नहीं प्रभु का स्मरण ही काम आने वाला है। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को पूज्य गुरुदेव मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी की 135वीं जन्म जयंती और गुरुदेव श्री रूपचंद रजत की 97वीं जन्म जयंती और 7वीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी।

सावन सुदी तेरस के तहत भजन संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री भिक्षु स्वामी की मासिक तेरस सावन सुदी तेरस के उपलक्ष में भजन संध्या का आयोजन तेयुप एचबीएसटी हनुमंतनगर द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम द्वारा तेरापंथ सभा भवन हनुमंतनगर में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामन्त्र के मंत्रोचार से हुई। भिक्षु स्वामी के भजनों द्वारा महाश्रमण सुर संगम संयोजक सन्नी रांका, सह संयोजक सुरेश कोठारी, राहुल मेहता, विक्रम पुगलिया, पूर्व अध्यक्ष अकुंश बेद, तेयुप उपाध्यक्ष प्रथम महावीर कटारिया, सभा अध्यक्ष गौतम दक, महिला मंडल पूर्व

अध्यक्षा मंजू दक, भावना बाफना ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतितों से पूरे माहौल को भिक्षुमय बना दिया। तेयुप अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने स्वागत व्यक्तव में कहा पूरे साल इस तरह के कार्यकर्मो का आयोजन समय समय पर होता रहेगा। इसी संदर्भ में उपाध्यक्ष द्वितीय राजीव हीरावत ने कहा तेयुप टीम गुरुदेव इंगित इस भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष पर भिक्षु यशोगाथा व आध्यतमिक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। श्रावक समाज इसमें सहभागी बने। इस अवसर पर मार्गदर्शक प्रकाश देरासरिया, पूर्व अध्यक्ष पवन बोथरा, धर्मेश कोठारी, संगठन मंत्री प्रणव धारीवाल, संदीप चौधरी, सुमीत चिंडालिया, आशीष धारीवाल, आकाश मेहता, ललित बाफना, दिक्षित सोलंकी, तेजमल गन्ना, किशोर मंडल से जिनेश धोका, महिला मंडल, कन्या मंडल एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंत्री देवेन्द्र आंचलिया ने आभार ज्ञापित किया।

जयंती गोलेछा का तप अभिनंदन

हुब्बली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में, मधुर व्याखानी मुनि श्री नवीनप्रज्ञ महाराज के सानिध्य में आयोजित चातुर्मास के दौरान जयंती गोलेछा ने श्रद्धा एवं साधना के साथ अट्ठाई (8 उपवास) की तपस्या पूर्ण की। इस पावन अवसर पर उनका भावपूर्ण अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर स्थानकवासी समाज के गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, पूर्व अध्यक्ष छगनलाल भुरट, सह कोषाध्यक्ष विनोद चोपड़ा, गौतम गोलेच्छा, शांतिलाल बोहरा, प्रकाश चोरडिया, सुभाष चंद्र डंक, कांतिलाल संचेती, महेंद्र चोपड़ा, विनीत गोलेछा सहित समाज के अनेक गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समाज के वरिष्ठ जनों एवं उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने जयंतीभाई की तपस्या को आत्मबल, संयम और आत्मशुद्धि का प्रतीक बताते हुए उनकी आध्यात्मिक साधना की सराहना की तथा उन्हें मंगलमय आशीर्वाद प्रदान करते हुए उत्साहवर्धन किया।

दीक्षार्थी मुमुक्षु प्रीत कोठारी का अभिनंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में मुमुक्षु भाई प्रीत कोठारी का अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। साध्वी जी ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया वीर व्यक्ति ही संयम पथ का अनुसरण करता है। जब व्यक्ति के भीतर संयम की चेतना जागृत होती है तभी वह त्याग, वैराग्य के पथ पर अग्रसर होता है। वैराग्य के कारण ही मै कौन हूं का प्रश्न उपस्थित होता है। जब समाधान प्राप्त होता है तब त्याग, वैराग्य की भावना जागृत होती है। मुमुक्षु प्रीत प्राण, वचन, बल से गुरु सन्निध्य में समर्पित रहे। मुमुक्षु प्रीत ने अपने मनोभाव व्यक्त किये। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने दीक्षार्थी प्रीत कोठारी के संयमी जीवन की मंगलकामना करते हुए अभिनंदन किया। साध्वी बोधिप्रभाजी ने एक गीत के माध्यम से प्रीत के भावी जीवन की मंगल कामना की। कार्यक्रम का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

निःशुल्क कृत्रिम अंग शिविर का आयोजन 10 सितंबर को

पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 अगस्त

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हुब्बली की प्रतिष्ठित संस्थान श्री मरुदेवा सेवा समिति एवं ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन, महावीर लिम्ब सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क कृत्रिम पैर फिटिंग शिविर का आयोजन 10 सितंबर को किया जाएगा। इस शिविर का आयोजन महिला मंडल, श्री मरुदेवा सेवा समिति द्वारा जैन चातुर्मास के अंतर्गत किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर जीवन जीने हेतु सहयोग प्रदान करना है। यह शिविर परम पूज्य आनंदसागर सूरीश्वर की सुशिष्याएँ पूज्य कल्पदर्शनश्रीजी, पूज्य परमयशाश्रीजी एवं पूज्य विराग यशाश्रीजी के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। समिति की अध्यक्ष मंजू मांडोत ने बताया कि शिविर में लाभ प्राप्त करने हेतु दिव्यांगों को 15 अगस्त 2025 तक पंजीकरण कराना आवश्यक है। कृत्रिम पैर का माप पंजीकरण के समय लिया जाएगा, ताकि शिविर के दिन उन्हें कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया जा सके। महावीर लिंब सेंटर, किम्स परिसर, हुब्बली में पंजीकरण कराया जाएगा। यह सेवा सभी दिव्यांगजनों के लिए पूर्णतया निशुल्क है। मांडोत ने अधिक से अधिक जरूरतमंदों से इस सेवा का लाभ उठाने की अपील की। शिविर के आयोजन में जया मुणोत, पिंकी भंडारी, संचल मेहता, ममता कानूनगा, अरुणा दुमावत सहित अनेक महिला सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग कर रही हैं।

॥ ॐ अर्हम् नमः ॥ ॥ श्री संकट मोचन पार्श्वनाथाय नमः ॥ ॥ श्री धर्म-तीर्थ-शांतिसूरि गुरुभ्यो नमः ॥

दक्षिण भारत की धन्य धरा स्थित नारियलों की नगरी के नाम से विश्व विख्यात
अरसीकेरे समीपवर्ती जाजूर मध्ये विश्व की सबसे बड़ी 108 ईंची गुरु प्रतिमा

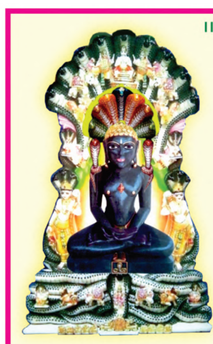

योगीराज श्री विजयशांतिसूरि गुरु भगवंत की
प्रतिष्ठा सम्बंधी चढ़ावों की जाजम प्रसंगे
हार्दिक भावभरा आमंत्रण
सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधारकर जिनशासन की शोभा बढ़ावें।

भादरवा वदी 1, रविवार, दि. 10 अगस्त 2025
श्री संभवनाथ जैन भवन, डायगनल रोड़, वी.वी. पुरम, बेंगलूरु

विश्व विख्यात दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के पूर्ण सहयोग से निर्माणाधीन दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ अरसीकेरे में नवनिर्मित योगीराज श्री शांतिसूरि गुरु भगवंत मंदिर का भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा महोत्सव दि. 19.2.2026 से 23.2.2026 तक मनाया जाएगा। इस निमित्त प्रतिष्ठा संबंधी प्रथम जाजम के कार्यक्रम में चढ़ावें बोलें जायेंगे। आप श्री समस्त श्री संघ सहित अवश्य पधारकर पुण्य से प्राप्त लक्ष्मी का सदुपयोग करें।

अवसर आया है महान, अरसीकेरे योगीराज श्री विजयशांतिसूरि गुरु भगवंत मंदिरजी में दे अपना योगदान .....

जाजम के शुभ कार्यक्रम : रविवार, दि. 10 अगस्त 2025
प्रातः 7:15 बजे : श्री सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर, वी.वी. पुरम में श्री संघ का आगमन
प्रातः 7:45 बजे : गाजते बाजते राठौड़ परिवार संग श्री संभवनाथ जैन भवन प्रस्थान
प्रात : शुभ वेला में जाजम का विधि - विधान प्रारंभ
सकल संघ हेतु प्रातः 7:30 बजे से * सुबह का नाश्ता, * सुबह का स्वामीवात्सल्य * हाई टी * सायं: चौविहार तक संपूर्ण व्यवस्था रहेगी।

दिव्य कृपावर्षा : प.पू. योगीराज आचार्य सम्राट
श्रीमद् विजयशांतिसूरीश्वरजी गुरुभगवंत

* पावन निश्रा *
शासन सौभाग्य तिलक
प.पू. आचार्य श्रीमद् विजय
देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा.

भव्य प्रतिष्ठा : विक्रम संवत 2082, फागण सुदी 5
रविवार, दि. 22.02.2026

* प्रेरक एवं मार्गदर्शन *
सिरोही निवासी शासनरत्न
श्री मनोजकुमारजी
बाबुमलजी हरण

जाजम संबंधी चढ़ावे
* सभी लाभार्थियों का तिलक द्वारा बहुमान * सभी लाभार्थियों का साफा - चुनड़ी द्वारा बहुमान
* सभी लाभार्थियों का पंचरंगी दुपट्टे से बहुमान * सभी लाभार्थियों का माला द्वारा बहुमान
* सभी लाभार्थियों का श्रीफल द्वारा बहुमान * सभी लाभार्थियों का स्मृति चिन्ह द्वारा बहुमान

प्रतिमा भराना
* योगीराज श्री शांतिसूरि गुरुदेव
* सरस्वती देवी प्रतिमा * पद्मावती देवी प्रतिमा
* गुरुदेव की मंगलमूर्ति (3)

प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावे
* पूजा-पूजन एवं महापूजन * फले चुंदड़ी * नगरी उद्घाटन
* नाश्ता * साधर्मिक वात्सल्य * जय जिनेन्द्र
आंगी, रोशनी, प्रभावना एवं प्रतिष्ठा सम्बंधी अन्य चढ़ावे बोले जायेंगे।

मूहूर्त स्वीकृति के लाभार्थी परिवार

स्व. श्रीमान लूनकरणजी एवं श्रीमती शांतिदेवी चौरड़िया की स्मृति में
ललितजी - संगीता चौरड़िया, चन्द्रेशजी - जिज्ञासा चौरड़िया
लोकेशजी - प्रणिता चौरड़िया, वाणी, अवीर, रिद्धि चौरड़िया
एवं समस्त चौरड़िया परिवार, रायपुर - महासमंद, बागबहारा

जाजम बिछाने के लाभार्थी परिवार

स्व. श्रीमती शांतिबाई - स्व. शा. प्रतापचन्दजी राठौड़ के पुण्य स्मृति में
श्रीमती सुशीलाबाई - ताराचन्दजी, मीना - दर्शनजी, जियाना, ताश्वी
एवं समस्त राठौड़ परिवार, बेंगलूरु - मुद्देबिहाल - रामसीन (राज.)
Rathod Reality Holding, V.V. Puram, Bengaluru

मुनीमजी के लाभार्थी परिवार

पूज्य पिताजी संघवी देवीचन्दजी मातृश्री हुलासीदेवी के दिव्य आशीष से
संघवी सोहनराजजी - शान्तादेवी, वसंतराजजी - लीलादेवी
सुरेशकुमारजी - गुणवंतीदेवी, संदीपजी - अनिता, हितेशजी - विनिता
विक्रमजी - प्रीति, विमलजी - श्रद्धा, खुश, हीरव, जश, कणव, जिनय, जिनल, रेना, पार्शवी, खिया एवं समस्त वेद मुथा परिवार, बीरुर - बेंगलूरु (मरुधर में आऊवा)
Mehta Gold Private Limited, Bangalore

* गायक कलाकार : दिलखुश बाफणा (डी.के.) * संगीतकार आर्यन एण्ड पार्टी

निवेदक: योगीराज श्री विजयशांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट, अरसीकेरे, कर्नाटक

प्रतिष्ठा महोत्सव चेयरमेन : धीरज बच्छावत, दुबई - कुन्नूर
प्रधान संयोजक : गौतमचन्द गुगलिया, हैदराबाद
परामर्शक : अशोककुमार सुराना, बेंगलूरु

चेयरमेन: ताराचन्द राठौड़
अध्यक्ष: सुरेशकुमार वेद मुथा
महासचिव: डॉ. विजयकुमार सुराना

सम्पर्क : 88675 63284, 96206 71760, 98452 88857, 86609 18659

राहुल गांधी को मूर्खों की तरह अपनी लिखी बातें पढ़कर मजाक नहीं उड़ाना चाहिए: विजयेन्द्र

चुनाव आयोग पहले ही स्पष्टीकरण दे चुका है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए दस्तावेजों को एक दस्तावेज माना है। लेकिन इसमें कोई दम नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ऐसे बात कर रहे हैं जैसे उन्होंने कोई चीज काटकर ढेर लगा दी हो। चुनाव आयोग पहले ही स्पष्टीकरण दे चुका है। उन्होंने सवाल किया कि उन्होंने उनके द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब क्यों नहीं दिया। राहुल गांधी एक विपक्षी नेता हैं। उनकी अपनी जिम्मेदारी है। उन्हें मूर्खों की तरह अपनी लिखी बातें पढ़कर मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। अगर मतदान में कोई गड़बड़ी हुई है, तो आयोग या अदालत में अब तक यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया? राहुल गांधी ने दिल्ली में कहा था कि कर्नाटक में भी कई चुनावों में मतदाता सूची में अनियमितताएँ हुई हैं। फर्जी मतदाताओं को शामिल किया गया है। राहुल गांधी के बयान के बाद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री से इस्तीफा माँगा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाद-ेवपुर विधानसभा क्षेत्र में अनियमितताएँ हुई हैं। अरविंद लिंबावली इस बारे में बोलते हैं। चुनाव आयोग फर्जी मतदाताओं के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए एक एसआईआर कर रहा है। उन्होंने

बिहार में मतदाता सूची को सही करने के लिए कहा है। फिर आपने चुनाव आयोग से अपील क्यों की? जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब ममता बनर्जी कहती थीं कि अवैध मतदाता हैं और एक सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए। उस समय सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष थे। उन्होंने उल्लेख किया है कि ममता बनर्जी ने उनके चेहरे पर कागज फेंका था, और यह कांग्रेस को नहीं भूलना चाहिए। किसी भी सर्वेक्षण में यह नहीं कहा गया था कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में 16 सीटें जीतेगी।

उन्होंने कहा कि शाम 5 बजे के बाद मतदान संख्या बढ़ गई। यह एक मूर्खतापूर्ण बयान है। हर जगह लोग शाम को ज्यादा मतदान करने आते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि राहुल गांधी हार की हताशा में ऐसा बोल रहे हैं। यह हार की हताशा में मतदाताओं का अपमान है। वह मतदान समाप्त होने और नतीजे आने के बाद आरोप लगा सकते थे। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वह ऐसे बात कर रहे हैं जैसे उन्हें कुछ मिल गया हो।

जिस निर्वाचन क्षेत्र में अल्पसंख्यकों की बहुलता है, वहाँ कितने फर्जी मतदाता हैं? इसकी भी जाँच होनी चाहिए। उनमें लोकसभा में इसका सामना करने की ताकत नहीं है। उन्होंने यह कहते हुए आवाज उठाई है कि उनमें लोकसभा में बहस करने का साहस नहीं है। चिक्कबल्लापुर के सांसद डॉ. के. सुधाकर के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि ऐसी जानकारी है कि चिक्कबल्लापुर में महिला ने सुधाकर का नाम नहीं लिया। सुधाकर में इसका सामना करने की ताकत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश रची गई है। धर्मस्थल दंगों और एसडीपीआई के दौरे के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हिंदू धार्मिक केंद्रों को इस तरह बदनाम किया जाएगा, तो हम चुपचाप बैठकर नहीं देख पाएँगे। मीडिया पर हमले ठीक नहीं हैं। आइए 13 नहीं, 20 बिंदु खोजें। राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निष्पक्ष जाँच हो। लेकिन अगर हिंदुत्व और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

मेंगलूरु में वरमहालक्ष्मी पूजा के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं ने उत्सव मनाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु के मंदिरों और घरों में शुक्रवार को वरमहालक्ष्मी पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें देवी लक्ष्मी से समृद्धि, स्वास्थ्य और पारिवारिक कल्याण का आशीर्वाद मांगा गया। इस अनुष्ठान में महिलाओं ने चावल, आम के पत्ते, नारियल, फूल, आभूषण और यहाँ तक कि नोटों की माला से कलश सजाए। सबसे पहले भगवान गणपति की पूजा की गई, उसके बाद सजे हुए घड़े या मूर्ति के रूप में देवी की पूजा की गई। उरवा मारिगुडी मंदिर में सामुदायिक उत्सव मनाया गया, जहाँ महिलाएँ प्रसाद और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए एकत्रित हुईं। ओब्बट्टू, हुलियान्ना और पायसम जैसे पारंपरिक व्यंजनों ने इस अवसर को और भी खास बना दिया, जबकि भक्तों ने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के घर जाकर मिठाइयाँ, फूल और प्रसाद बाँटा।

गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र में भी फर्जी मतदाता पंजीकरण: गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गंभीर आरोप लगाया कि शहर के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि जिस गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र का वे प्रतिनिधित्व करते हैं, वहाँ भी बड़ी संख्या में फर्जी मतदाता पंजीकरण हैं। इसके समर्थन में दस्तावेज मौजूद हैं। बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित एक विशाल विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि चिकपेट में 100 वर्ग फुट की 10/10 फुट की दुकान के पते पर 70 से 100 मतदाता पंजीकृत हैं। जब हमने इसकी जाँच की, तो पता चला कि वहाँ कोई भी नहीं था। मैंने इस संबंध में चुनाव आयोग को व्यक्तिगत रूप से एक पत्र लिखा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को आरोप लगाए जाने के बाद, चुनाव आयोग निर्धारित प्रारूप में प्रमाण पत्र माँग रहा है। मैंने गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में कमियों के बारे में आयोग

को पत्र लिखा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राहुल गांधी द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कहना कितना सही है? जब गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो चुनाव आयोग को कमियों को दूर करने के लिए दृढ़ रहना चाहिए। लेकिन अपनी जिम्मेदारी न निभाने वाला आयोग विपक्षी दलों के नेताओं की आलोचना कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह निष्पक्ष चुनाव कराने की अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है। चाहे कितनी भी आलोचना और विरोध का सामना करना पड़े, राहुल गांधी डरपोक नेता नहीं हैं। वह निडरता से सच बोलते हैं। पिछले दिनों कोविड काल में उन्होंने चीनी अतिक्रमण, नोटबंदी और अवैज्ञानिक जीएसटी समेत कई मुद्दों पर सच बोला था। भाजपा ने उनका मजाक उड़ाया था। हालाँकि, राहुल गांधी ने सच बोलना बंद नहीं किया है और न ही रुकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी समेत कोई भी राहुल गांधी का मुँह बंद नहीं करेगा। नेहरू और इंदिरा गांधी के समय में भारत की विदेश नीति मजबूत थी। अब यह क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि देश की अर्थव्यवस्था खतरे में है।

चुनाव आयोग का भी इस्तेमाल

मोदी 2024 के चुनावों में वोटों की हेराफेरी करके इस देश के प्रधानमंत्री बने: खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नरेंद्र मोदी 2024 के चुनावों में वोटों की हेराफेरी करके इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं। राहुल गांधी लगातार छह महीने से बेंगलूरु मध्य लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के 6.60 लाख मतदाताओं की जानकारी की जाँच कर रहे हैं और मतदान में अनियमितताओं को उजागर कर रहे हैं। पिछला चुनाव जनता के साथ विश्वासघात करने वाला चुनाव था। हमारा प्रयास देश में संविधान की रक्षा, वयस्कों के मताधिकार की रक्षा और लोकतंत्र की रक्षा करना है। लेकिन मोदी और अमित शाह हेराफेरी करके चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि लोगों ने वोट ही नहीं दिया है। इस हेराफेरी के लिए चुनाव आयोग का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। यह चोरी की सरकार है। इसमें

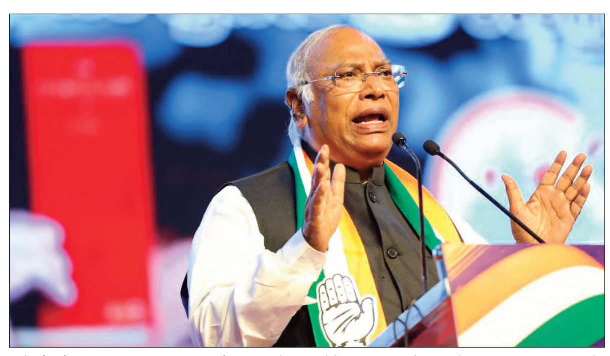

कोई नैतिक बल नहीं है। उन्हें सरकार में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मोदी कहते हैं कि वह देश के विकास के लिए सब कुछ कर रहे हैं। यह सरासर झूठ है। हमें देश के सभी राज्यों में ऐसी चुनावी अनियमितताएँ देखने को मिल रही हैं। मोदी महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश समेत हर जगह वोटों की हेराफेरी और वोटों के अधिकार का दुरुपयोग करके देश पर राज कर रहे हैं। मैंने यह बात छह साल पहले 2019 में कही थी, जब मैं पहली बार हारा था। मेरे जीवन में जीते गए 12 चुनावों में से यही एकमात्र चुनाव था जिसमें मैं हारा था। उन्होंने तब भी यही गैरकानूनी काम किया था। लेकिन हमें तब इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने हर विधानसभा क्षेत्र में वोटों की हेराफेरी करके हमें निशाना बनाया। अब सब कुछ खुलकर सामने आ गया है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने इन सभी गैरकानूनी कामों को बहुत संवेदनशीलता से उजागर किया है। इसलिए पार्टी नेताओं को मतदान पर ध्यान देना चाहिए। यह आपकी जिम्मेदारी है। मोदी ने ईडी, सीबीआई, आईटी के जरिए दूसरे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को धमकाकर सरकार बनाई है। कई राज्यों में बहुमत न होने के बावजूद, वे पार्टियों को तोड़ रहे हैं और सरकार बनाने के लिए विधायकों को खरीद रहे हैं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा, मणिपुर और हर जगह पहले भी यही हुआ है। वे इन राज्यों में कभी चुनाव जीतकर सत्ता में नहीं आए। वे अब भी यही चलन जारी रखे हुए हैं। हमें उन्हें बुद्ध का पाठ पढ़ाना होगा। मोदी एंड कंपनी 2024 का चुनाव नहीं जीत पाई। उन्होंने चोरी से चुनाव जीता है, यह सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी। हम उनकी अवैधता का पर्दाफाश करेंगे और जनता से उन्हें फटकार लगवाएँगे। एक ऐसा प्रधानमंत्री आज हमारे देश में है जिसे जनता का समर्थन नहीं है। हमें न सिर्फ उन्हें हटाना चाहिए, बल्कि उन्हें सबक भी सिखाना चाहिए। वह देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रहे हैं और लोग चैन खो रहे हैं। उन्होंने नोटबंदी समेत कई गलतियाँ कीं और देश को बर्बाद कर दिया। अब वह एक और गलती कर रहे हैं और देश को बर्बाद कर रहे हैं। सभी को इस चुनावी चोरी का पता लगाना चाहिए और उसका विरोध करना चाहिए। सोमवार को सभी सांसद केंद्रीय चुनाव आयोग के समक्ष एक प्रस्ताव पेश करेंगे। इसके जरिए हम यह संदेश देंगे कि आपकी मौजूदगी में ऐसी अवैधता हुई है, आप इसका समर्थन कर रहे हैं और आप सत्ता में बने रहने के लायक नहीं हैं। हमने इंडिया अलायंस के नेताओं को बुलाया है और एकता का संदेश दिया है। एकजुट होकर ही हम मोदी की चोरी रोक सकते हैं। उन्हें सत्ता से हटाना बहुत जरूरी है। भाजपा शिक्षा क्षेत्र में दखलंदाजी इसलिए कर रही है क्योंकि उसके पास सत्ता है।

कुमारस्वामी ने आधार नंबर को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र को आधार संख्या से जोड़ना इस बात की गारंटी है कि मतदाता धोखाधड़ी का खेल नाकाम हो जाएगा।

अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मतदाता धोखाधड़ी का यही एकमात्र इलाज है। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग से काँटे से ही काँटा निकालने की माँग की है और कांग्रेस पर लोकतंत्र को लटकाने की जानबूझकर की गई कोशिश के तहत झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए इसे संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप लगाकर संदेह का लाभ उठाने की एक दुर्भावनापूर्ण साजिश बताया है। उन्होंने इसे चुनावों में किए गए पाप को काँटे से ढकने की राजनीति करार दिया है।

चुनावी धोखाधड़ी का पर्दाफाश करने में कर्नाटक सबसे आगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को संविधान और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए राहुल गांधी की लड़ाई में उनका पूरा समर्थन व्यक्त किया। फ्रीडम पार्क में चुनावी धोखाधड़ी के खिलाफ 'हमारा वोट हमारा अधिकार' विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, उन्होंने कहा यह एक ऐतिहासिक लड़ाई है। राहुल गांधी ने संविधान और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के बारे में एक कड़ा संदेश दिया है। कर्नाटक देश में चुनावी धोखाधड़ी के पर्दाफाश की प्रस्तावना लिख रहा है। उन्होंने

कहा राहुल गांधी ने हाल ही में संविधान पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हर बूथ पर कानूनी बैंक स्थापित करने का आह्वान किया था। हम ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदर्शन से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा राहुल गांधी ने यह सुनिश्चित किया है कि संविधान और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए एक विस्तृत जाँच की जाए। कांग्रेस पार्टी की आंतरिक अनुसंधान इकाई इसकी जाँच जारी रखे हुए है। भाजपा ने चिलुमे संगठन के माध्यम से 8000 पार्टी कार्यकर्ताओं को बीए-लओ नियुक्त किया है। हमने संघर्ष किया और नुकसान को रोका। हमें उसी समय चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करानी चाहिए थी, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया क्योंकि इस देश में चुनावी विवादों पर कभी कोई चर्चा ही नहीं होती। अब हमने इस चुनावी धोखाधड़ी का पर्दाफाश करने का फैसला किया है।

राहुल ने अपनी चिंता व्यक्त की है। इस मुद्दे के लिए लड़ना हमारी जिम्मेदारी है।

शराब की लत छुड़ाने के लिए हर्बल दवा लेने से चार लोगों की मौत

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के सेदम तालुक के इमदापुर गाँव में 6-7 अगस्त को शराब की लत छुड़ाने के लिए एक स्वयंभू लोक चिकित्सक द्वारा दी गई हर्बल दवा खाने से माँ-बेटे सहित चार लोगों की मौत हो गई।

पीड़ितों में बुरागापल्ली गाँव निवासी और होटल कर्मचारी लक्ष्मी नरसिम्हालु (45), उनके बेटे निंगप्पा नरसिम्हालु (21), मदकल गाँव निवासी नागेश गडुगु (27) और कलबुर्गी जिले के शाहाबाद तालुक के डक्का टांडा निवासी गणेश राठौड़ (30) शामिल हैं। तीन पीड़ितों की मौत 6 अगस्त की शाम को हुई और एक की मौत कथित तौर पर 7 अगस्त को हुई। नविता भगप्पा कचवर ने 6 अगस्त को सेदम पुलिस स्टेशन में एक शिकायत

दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी माँ लक्ष्मी नरसिम्हालु और उनके भाई निंगप्पा ने 5 अगस्त को उन्हें इमदापुर गाँव के फकीरप्पा नामक एक पारंपरिक चिकित्सक से नशा मुक्ति की दवा लेने के लिए टोकन नंबर लेने के लिए बुलाया था।

नविता अपने पति के साथ 6 अगस्त की सुबह परामर्श के लिए टोकन लेने इमदापुर गईं, जबकि उनकी माँ लक्ष्मी और भाई निंगप्पा दोपहर में इमदापुर पहुँचे। दोपहर 2 बजे तक, पारंपरिक चिकित्सक फकीरप्पा ने लक्ष्मी, निंगप्पा, नागेश और गणेश को हर्बल दवा का एक मिश्रण दिया। दवा खाने के बाद चारों बेहोश हो गए। पीड़ितों को पहले सेदम तालुका अस्पताल ले जाया गया और फिर कलबुर्गी के गुलबर्गा आयुर्विज्ञान संस्थान (जीआईएमएस) में स्थानांतरित कर दिया गया। लक्ष्मी, नागेश और गणेश ने 6 अगस्त को अंतिम सांस ली, जबकि निंगप्पा का 7 अगस्त को निधन हो गया। पुलिस अधीक्षक अडुरु श्रीनिव-ासुलु ने बताया कि फकीरप्पा को 7 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पूर्व विधायक राजकुमार पाटिल तेलकुर ने कर्नाटक सरकार से पीड़ितों के परिवारों के लिए 25-25 लाख रुपये के मुआवजे की मांग की।

ब्यूटीशियन ने ब्यूटी पार्लर मालिक पर यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेल का आरोप लगाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक महिला ने आरोप लगाया है कि ज्योति-हंपनकट्टा रोड पर स्थित एक ब्यूटी पार्लर पुरुष ग्राहकों को मसाज देता है। शुक्रवार को प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, महिला ने कहा कि वह पिछले डेढ़ महीने से पार्लर में ब्यूटीशियन के तौर पर काम कर रही थी। उसने आरोप लगाया कि पार्लर की मालकिन ने उसे पुरुष ग्राहकों की मसाज करने और 'हैप्पी एंडिंग' देने का निर्देश दिया था, जिसके लिए वह 500 से 1,000 रुपये तक लेती थी। उसके अनुसार, 6 अगस्त को मालिक का एक परिचित ग्राहक दुकान पर आया। उसने कहा मालिक ने मुझसे मसाज करने को कहा। कोई विकल्प न होने पर, मैंने उसकी मसाज की। फिर पुरुष ग्राहक ने शारीरिक संपर्क बनाने की मांग की, जिसे मैंने मना कर दिया। मैंने कमरे से बाहर निकलने की कोशिश की।

उसने आगे आरोप लगाया कि मालकिन ने उसे पीटा और अपने फोन से उसकी अर्ध-नग्न तस्वीरें भी खींचीं। पीड़िता ने दावा किया कि मालिक ने उसके पति को उसकी अर्ध-नग्न तस्वीरें दिखाने की धमकी दी थी और उसे किसी दूसरी जगह बुलाकर तस्वीरें दिखाई भी थीं। उसने यह भी आरोप लगाया कि मालिक ने कई अन्य लड़कियों को भी पुरुष ग्राहकों की मालिश करने के लिए मजबूर करके मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया था। मालिक ने कथित तौर पर उससे 30,000 रुपये की भी मांग की थी।

पीड़िता ने बताया कि उसने पुलिस कमिश्नर और बंदर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पूर्व पार्षद प्रतिभा कुलई ने कहा एक महिला मदद मांगने मेरे पास आई थी क्योंकि उसे एक पुरुष ग्राहक की मालिश करने के लिए मजबूर किया गया था।

मालिक अर्ध-नग्न तस्वीरें लेकर उसे परेशान कर रहा था और उसे ब्लैकमेल कर रहा था। 6 अगस्त को शिकायत दर्ज होने के दो दिन बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है।

मतदान में धांधली के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन

महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 'मतदान धोखाधड़ी' की जांच करे कर्नाटक सरकार: राहुल गांधी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर देश में सीटें और चुनाव चुराने के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाते हुए कर्नाटक सरकार से बेंगलूरु मध्य लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत महादेवपुरा विधानसभा सीट पर मतदान धोखाधड़ी की जाँच करने और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। शहर के फ्रीडम पार्क में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक रैली में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए महादेवपुरा में 1,00,250 ''फर्जी वोट'' बनाए गए थे।

चुनाव आयोग से पिछले दस वर्षों में चुनावों के दौरान मतदान केंद्रों पर की गई इलेक्ट्रॉनिक मतदाता जानकारी और वीडियोग्राफी को तुरंत साझा करने की माँग करते हुए, गांधी ने कहा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो इससे केवल यही साबित होता है कि वे एक 'आपराधिक कृत्य' के सबूत छिपा रहे हैं और भाजपा को वोट चुराने में मदद कर रहे हैं। कथित वोट धोखाधड़ी के पाँच अलग-अलग तरीकों का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने डुप्लिकेट मतदाता बनाकर भाजपा के लिए मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए हेराफेरी की है। उन्होंने बताया पिछले छह महीनों में हमारे द्वारा किए गए शोध में, जिसमें हर मतदाता की पहचान की तस्वीर का लाखों तस्वीरों से मिलान किया गया, पता चला है कि फर्जी और अमान्य पते बनाए गए हैं। हालाँकि एक ही पते पर बड़ी संख्या में मतदाता पाए गए हैं, लेकिन अमान्य तस्वीरें और पहली बार मतदाताओं के नामांकन के लिए बनाए गए फॉर्म 6 का दुरुपयोग भी किया गया है। महादेवपुरा सीट पर ''मतदान में धोखाधड़ी'' को सिर्फ एक उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी जरूरत की 25 सीटें चुराकर सत्ता में बने रहने में कामयाब रहे हैं और ये सभी सीटें उन्हें लगभग 34,000 वोटों के अंतर से मिली हैं। हमारे पास मतदाताओं का भौतिक डेटा कागज पर उपलब्ध है।

अगर आप इलेक्ट्रॉनिक डेटा साझा नहीं करते हैं, तो हम अपनी जाँच और अभियान जारी रखेंगे ताकि यह साबित हो सके कि इस तरह के 'आपराधिक कृत्य' सिर्फ कर्नाटक के लोगों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि पूरे देश में किए गए हैं। आप सबूत नहीं छिपा सकते। आपको विपक्ष का सामना करना पड़ेगा। कर्नाटक सरकार को कर्नाटक के लोगों के खिलाफ इस आपराधिक कृत्य की जाँच करनी चाहिए और उन चुनाव आयोग अधिकारियों पर कार्रवाई करनी चाहिए जिन्होंने हजारों फर्जी मतदाताओं को जोड़ा है। महादेवपुरा में 'सच्चाई सामने आनी चाहिए। हर कांग्रेस कार्यकर्ता से संविधान और उसके सिद्धांतों की रक्षा करने का आह्वान करते हुए, गांधी ने कहा कि पूरे देश को यह सवाल उठाना चाहिए कि चुनाव आयोग इलेक्ट्रॉनिक डेटा क्यों साझा नहीं कर रहा है। इसके बजाय, वे नियमों में संशोधन कर रहे हैं और कई राज्यों में अपनी वेबसाइटें बंद कर रहे हैं जहाँ लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं।

कई राज्यों में मतदान में धांधली

विरोध प्रदर्शन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, राज्य सरकार के मंत्री और प्रमुख कांग्रेस नेता शामिल हुए। इससे पहले गुरुवार को राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और गंभीर आरोप लगाए कि बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 5 तरीकों से एक लाख से ज्यादा वोट चुराए गए। इसके अलावा, मीडिया कॉन्फ्रेंस में दस्तावेज जारी किए गए और एक विस्तृत स्पष्टीकरण दिया गया। चुनाव आयोग ने तुरंत इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी से कुछ सवाल पूछे और उन्हें स्पष्टीकरण देने को कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में मतदान में धांधली हो रही है। संबंधित राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्तों ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर प्रमाणित प्रपत्र में लगाए गए आरोपों को प्रस्तुत करने को कहा है। मुख्य चुनाव आयुक्तों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रमाणित प्रपत्र में लगाए गए आरोप सिद्ध नहीं होते हैं, तो उन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत दंडित किया जाएगा।

जैन समाज ने हाथी को मठ में वापस लाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन समाज के कुछ सदस्यों और अन्य निवासियों ने कर्नाटक के बेलगावी जिले के शेडबल कस्बे में एक मौन विरोध रैली निकाली और महाराष्ट्र के नंदनी स्थित जैन मठ की हथिनी माधुरी की वापसी की मांग की। हथिनी को गुजरात के वनतारा वन्यजीव केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। वे श्री शांति सागर जैन आश्रम से श्री बसवन्ना मंदिर तक पैदल गए और हथिनी की तस्वीरों वाले पोस्टर और बैनर, और 'हमारा हाथी, हमारा अधिकार' तथा 'माधुरी घर वापस आओ' जैसे नारे लिखी तख्तियाँ लेकर पहुँचे। कुछ हिंदू और मुस्लिम संगठनों के सदस्य भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने मंदिर के सामने एक सभा की और सरकार को एक ज्ञापन सौंपा। उप तहसीलदार अन्नासाहेब कोरे और उप-निरीक्षक राघवेंद्र खोत ने केंद्र सरकार को संबोधित ज्ञापन प्राप्त किया। प्रदर्शनकारियों ने तितर-बितर होने से पहले कुछ नेताओं के भाषण सुने। राजू नंदरे ने कहा कि श्रद्धालु हथिनी को प्रताड़ित करने और उसके साथ दुर्व्यवहार करने के आरोपों से नाराज थे। उन्होंने कहा अगर सरकार दुर्व्यवहार को लेकर चिंतित थी, तो उसे हाथी को किसी सार्वजनिक पुनर्वास केंद्र या चिड़ियाघर में स्थानांतरित कर देना चाहिए था, न कि किसी कॉर्पोरेट संस्था द्वारा स्थापित निजी सुविधा में। उन्होंने यह भी कहा कि मठ, हाथी को रखने के लिए महाराष्ट्र के कोल्हापुर में वंतारा द्वारा पुनर्वास केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। माधुरी को मठ में वापस कर दिया जाना चाहिए। हम इससे कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे।

जैन संस्कार विधि से रक्षाबंधन कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित रक्षाबंधन कार्यशाला का आयोजन 2 चरणों में साध्वी श्री पुण्ययशा जी के सान्निध्य में तेयुप राजराजेश्वरी नगर द्वारा तेरापंथ भवन में किया गया। प्रथम चरण संस्कारक राहुल मेहता के निर्देशन में जैन संस्कार विधि से सामूहिक नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। अध्यक्ष विक्रम महेर ने सभी का स्वागत किया। संस्कारक राहुल मेहता ने विधि विधान से मंत्रोचारण कर कार्यशाला में पधारे भाई बहनों को जैन संस्कार विधि से रक्षा बंधन मनाने की जानकारी दी। इस रक्षाबंधन पर्व में 21 भाई बहन के जोड़ों ने जैन संस्कार विधि से रक्षाबंधन पर्व मनाया। पहले बहनों ने भाइयों को तिलक किया। फिर लोगस्स का ध्यान किया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और फिर संस्कारक ने नौ मंगल भावनाओं का उच्चारण किया। जिसका सभी ने सामुहिक उच्चारण किया। साध्वी श्री पुण्ययशा ने मंगलपाठ का स्वर्ण कर कार्यशाला को संपन्न कराया। द्वितीय चरण के कार्यक्रम में तेयुप तुलसी संगीत सुधा सदस्यों द्वारा मंगलाचरण की गई। इस अवसर पर सीमा सहलोत, तनीशा, निमांशु सहलोत, पदमा महेर, विपुल, अरिंहत पितलिया ने भाई बहन पर गीत प्रस्तुत किया। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन से भाई-बहनों के इस पवित्र रिश्ते को अक्षुषण रखने की प्रेरणा दी। 123 व्यक्तियों को कन्या भ्रूण हत्या न करने का संकल्प ग्रहण कराया गया। कार्यशाला का सफल संचालन मंत्री संदीप बैद ने किया। आभार ज्ञापन जैन संस्कार विधि संयोजक गौतम नाहटा ने व्यक्त किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विपुल जैन ने दी।

भाजपा के वोट शेयर में वृद्धि से राहुल क्यों नाखुश हैं: अरविंद लिंबावली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली ने कहा कि महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के वोट शेयर में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि राहुल गांधी इससे नाखुश क्यों हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमने महादेवपुरा में कानूनी तरीके से चुनाव कराए हैं।

हमारी पार्टी का वहाँ स्वाभाविक विकास हुआ है। राहुल गांधी को यह समझना चाहिए। वह इतने लंबे समय से ईवीएम की आलोचना कर रहे थे। अब वे मतदाता सूची पर आ गए हैं। राहुल गांधी ने भाजपा पर चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत और गोलमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वे अनियमितताएँ कर रहे हैं। इसमें उन्होंने महादेवपुरा के बारे में एक पीपीटी प्रेजेंटेशन दिया। 2008 में महादेवपुर एक नया निर्वाचन क्षेत्र था। पुराने वरथुर निर्वाचन क्षेत्र को तीन निर्वाचन क्षेत्रों – महादेवपुर, के.आर.पुरा और सी.वी. रमन नगर – में बदल दिया गया था। तब से अब तक चार विधानसभा और लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि चारों बार भाजपा जीती है। 2008 में 2,75,328 मतदाता थे। उन्होंने कहा कि 1,46,404 वोट डाले गए थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में 3,14,000 मतदाता थे, जिनमें से 1,50,080 लोगों ने मतदान किया था। 2013 के विधानसभा चुनाव में 3,68,210 लोग मतदाता थे। उन्होंने बताया कि 2,26,749 लोगों ने मतदान किया और 2014 के लोकसभा, 2018 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनावों में हुए मतदान की जानकारी साझा की। 2023 के विधानसभा चुनाव में 6,07,135 मतदाता थे और 3,29,841 लोगों ने मतदान किया। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में 6,59,733 मतदाता थे। 3,51,535 लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा कि अब महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र में 6,80,514 मतदाता हैं। प्रवासियों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस प्रकार, मतदाताओं की संख्या में काफी वृद्धि होगी। छोड़ने वालों की संख्या भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि भाजपा को 3 लोकसभा और 3 विधानसभा चुनावों में 1 लाख से अधिक वोट मिले हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा का वोट शेयर बढ़ रहा है। 2019 के चुनावों में, पीसी मोहन ने 69,974 मतों के अंतर से लोकसभा जीती थी। उन्होंने कहा कि महादेवपुरा में हमने 72,559 की बढ़त दी थी। इस बार महादेवपुरा ने 1,14,046 वोटों की बढ़त दी है। उन्होंने बताया कि पी.सी. मोहन 32,707 वोटों के अंतर से जीते हैं। राहुल गांधी ने मीडिया को गलत जानकारी दी कि कांग्रेस 7 विधानसभा क्षेत्रों में आगे थी। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल महादेवपुरा में अधिक बढ़त के साथ जीती है। यह गलत है। पिछले लोकसभा चुनाव में, हम 4 विधानसभा क्षेत्रों में आगे थे। अरविंद लिंबावली ने कहा कि भाजपा ने राजाजीनगर, गांधीनगर, सी.वी. रमन नगर और महादेवपुरा में बढ़त हासिल की थी। उन्होंने कहा कि हम 4 निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त बनाकर 32,707 वोटों के अंतर से जीते हैं। महादेवपुरा तेजी से विकसित हो रहा है। 2016-17 में, इस विधानसभा क्षेत्र में 1,48,743 संपत्तियां थीं, और बीबीएमपी को 361 करोड़ रुपये का कर मिला। 2024-25 में, अब 3,59,468 संपत्तियाँ हैं। 885 करोड़ रुपये का टैक्स बीबीएमपी को मिला। उन्होंने कहा कि एक दिन मैं सिद्धरामैया से पूछूँगा कि मेरा टैक्स कहां हैं। आपने मेरे निर्वाचन क्षेत्र को क्या दिया।

कुख्यात चोर को पुलिस वर्दी में पोज देने की इजाजत देने पर बेंगलूरु का कांस्टेबल निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गोविंदपुरा पुलिस स्टेशन के एक कांस्टेबल को ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। ऐसा मुंबई के एक कुख्यात चोर शेख सलीम की पुलिस वर्दी पहने तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद हुआ है। पेशेवर अपराधी सलीम को 23 जून को इंदिरानगर पुलिस स्टेशन की सीमा में दर्ज एक चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। जाँच के दौरान, उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया और जाँच करने पर, पुलिस की वर्दी पहने हुए उसकी तस्वीरें और वीडियो मिले, जिस पर 'कॉन्स्टेबल एच.आर. सोनार' लिखा हुआ था। यह भी पता चला कि आरोपी ने वर्दी पहने हुए अपनी पत्नी को वीडियो कॉल भी किया था।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, डीसीपी (पूर्व) डी. देवराज ने आंतरिक जाँच की। जाँच से पता चला कि लगभग एक साल पहले, जब सलीम एक अन्य गिरफ्तारी के सिलसिले में हिरासत में था, तो उसे एक होटल में रखा गया था जहाँ उसने कांस्टेबल सोनार की पुलिस वर्दी पहनी थी और तस्वीरें खिंचवाई थीं। यह भी पाया गया कि होटल में हिरासत के दौरान, सलीम ने वर्दी पहनी थी और अपनी पत्नी को वीडियो कॉल भी किया था। इन निष्कर्षों के बाद, कांस्टेबल सोनार को अब कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

सलीम का बेंगलूरु, मुंबई और पुणे में चोरी का इतिहास रहा है। 2021 में, बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में केंद्रीय अपराध शाखा द्वारा की गई छापेमारी के दौरान, उसे जेल के अंदर से अपनी गतिविधियाँ संचालित करते हुए पाया गया, और वह अपने गिरोह को मोबाइल फोन पर निर्देश दे रहा था। बताया जाता है कि उसने जेल के अंदर ही एक टीम बनाई थी, और जमानत पर रिहा होने के बाद, उसने उन्हें रात में चोरी करने का प्रशिक्षण दिया।

सरकार पिछले तीन सालों में 3 लाख करोड़ रुपये की कर्जदार: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है कि राज्य की कांग्रेस सरकार पिछले तीन सालों में 3 लाख करोड़ रुपये का कर्जदार हो गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के राज्य आगमन का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आइए प्रार्थना करें कि माँ महालक्ष्मी वित्तीय संकट से जूझ रही राज्य सरकार को संपत्ति प्रदान करें। इस संबंध में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया कि राज्य के जीएसडीपी में कर्ज का अनुपात 24.91 प्रतिशत है। आपकी गारंटी योजना के लिए हर साल 55 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार पर पिछले तीन सालों से एक लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष कर्ज होने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक खुद कह रहे हैं कि विकास के लिए पैसा नहीं है, जो राज्य सरकार की वित्तीय तंगी की पुष्टि करता है।

पुलिस ने एमडीएमए तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया, ड्रग्स और वाहन जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु शहर की केंद्रीय अपराध पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ एमडीएमए की तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और इस अपराध के संबंध में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उडुपी तालुका और जिले के उदयवारा गाँव के संपीगे नगर निवासी देवराज पुजारी उर्फ देवू (38), कौप तालुका के पादु पालीपर गाँव निवासी जीवन अमीन (32), मेंगलूरु के मूडुशेडे पोस्ट के थिरुवैल गाँव निवासी इमरान (40) और शहर के अशोकनगर पोस्ट के डंबेल निवासी बी मोहम्मद हनीफ (56) के रूप में हुई है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, सीईएन स्टेशन पुलिस ने गुरुवार को पदुकोडी गाँव में बांगरे कुलूर के पास पदूपू हाउस पर छापा मारा, जहाँ आरोपी कथित तौर पर एमडीएमए बेचने की तैयारी कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने 51 ग्राम एमडीएमए, अपराध में प्रयुक्त सात मोबाइल फोन, एक मारुति बलेनो, एक महिंद्रा स्कॉर्पियो, 11,990 रुपये नकद और अन्य सामान जब्त किया। जब्त किए गए मादक पदार्थ का अनुमानित मूल्य लगभग 2,500 रुपये प्रति ग्राम है। देवराज पुजारी उडुपी, शिवमोग्गा और मेंगलूरु में एमडीएमए की तस्करी में शामिल बताया जा रहा है, जबकि अन्य कथित तौर पर मेंगलूरु शहर में सक्रिय हैं। पुलिस ने कहा कि एमडीएमए को कम मात्रा में पैक करके जनता को बेचा जा रहा था। आगे की जाँच जारी है। यह अभियान मेंगलूरु शहर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाया गया, जिसमें केंद्रीय अपराध स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस मामले का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को दी खुली चुनौती

हलफनामा दाखिल करें या फिर देश से माफी मांगें

समय पर प्रमाणित करें, चुनाव के बाद बोलने की आदत छोड़ें

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पलटवार किया है। राहुल ने बीते दिन चुनाव आयोग पर वोट चोरी और भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया था। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि अगर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं और मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर राहुल ऐसा नहीं करते हैं, तो इसका मतलब होगा कि उन्हें अपने विश्लेषण, निष्कर्षों और बेतुके आरोपों पर विश्वास नहीं है। ऐसी स्थिति में उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। इसलिए उनके पास दो विकल्प हैं, या तो घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें।

इससे पहले कर्नाटक विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी के राहुल के आरोपों का संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें शपथ-पत्र देकर सबूत पेश करने को कहा था। इसके अलावा 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धोखाधड़ी के राहुल के आरोपों के संबंध में वहां के राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विपक्ष के नेता से एक शपथ पत्र प्रस्तुत करने और मतदाता सूची में कथित रूप से मतदाताओं के नाम शामिल करने या हटाने के प्रमाण देने को भी कहा था। बीते दिन दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया था कि भारत के चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना तीसरा कार्यकाल मिला। राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी सिर्फ 25 सीटों के अंतर से प्रधानमंत्री बने। चुनाव आयोग भाजपा को भारत में चुनावी व्यवस्था को नष्ट करने में मदद कर रहा है। चुनाव आयोग हमें महादेवपुर (कर्नाटक विधानसभा क्षेत्र) में आंकड़े नहीं दे रहा है। अगर हम अन्य लोकसभा सीटों पर भी ऐसा करें, तो हमारे लोकतंत्र की सच्चाई सामने आ जाएगी।

चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर यह कटाक्ष कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में वोट चोरी का आरोप लगाने के एक दिन बाद किया है। तीनों राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने उनसे चुनाव संचालन नियमों के प्रा-वधानों के अनुसार शपथ-पत्र देकर ऐसे मतदाताओं के नाम पेश करने को कहा है। चुनाव आयोग ने सवाल उठाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अभी कोई आपत्ति क्यों नहीं जताई। यह सवाल बिहार की मतदाता सूची के मसौदे में नाम जोड़ने या हटाने के लिए किसी भी राजनीतिक दल की ओर से चुनाव आयोग से संपर्क न करने के बाद किया गया। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेता अपने दावे और आपत्तियां अभी देने के बजाय चुनाव के बाद ही देंगे।

चुनावी आयोग के नवीनतम बुलेटिन के मुताबिक, 1 अगस्त को बिहार मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन के बाद से किसी भी राजनीतिक दल ने नाम जोड़ने या हटाने के अनुरोध के साथ आयोग से संपर्क नहीं किया है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा, ऐसा लगता है कि हमेशा की तरह राहुल गांधी बिहार की एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) में अपने दावे और आपत्तियां चुनाव के बाद ही देंगे। चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर यह कटाक्ष कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में वोट चोरी का आरोप लगाने के एक दिन बाद किया है। तीनों राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने उनसे चुनाव संचालन नियमों के प्रावधानों के अनुसार शपथ-पत्र देकर ऐसे मतदाताओं के नाम पेश करने को कहा है।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने शुक्रवार को भी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर भारी हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

दो बार के स्थगन के बाद पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने तीन बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की विपक्षी सदस्य नारे लगाते हुए और हाथों पर तख्तियां लेकर सदन के बीचों बीच आ गये।

पीठासीन अधिकारी ने सदन चलाने का प्रयास किया लेकिन सदस्यों का हंगामा चलता रहा।

उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि वह उनकी बात सुनना चाहते हैं लेकिन पहले उन्हें अपनी सीटों पर बैठना होगा। उनका कहना था कि अपनी सीटों पर सदस्य बैठेंगे तो उनकी बात सुनी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार नियम के तहत विपक्ष की हर मांग पर विचार करने को तैयार है।

संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि आज शुक्रवार है और विपक्षी दलों के सदस्य सदस्यों के निजी विधेयक को बाधित कर रहे हैं। सरकार हंगामा कर रहे लोगों की बात सुनना चाहती है लेकिन सारी बातें नियम और संसदीय आचारण के साथ सुनी जाएगी। सदस्यों ने उनकी बात को अनसुना कर दिया। पीठासनी अधिकारी ने उनसे सीटों पर बैठने का बार बार आग्रह किया लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी तो श्री तेन्नेटी ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

इसके पहले 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरु हुई तो सदस्यों ने हंगामा किया जिसके कारण अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित दी थी। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही सदस्य हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच ही पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने विधायी दस्तावेज पटल पर रखवाये और शून्य काल शुरु कराने की कोशिश की लेकिन हंगामा नहीं रुका तो उन्होंने सदन की कार्यवाही तीन बजे तक स्थगित कर दी थी।

बादल का फटना है उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ का कारण: इसरो

चेन्नई, 08 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी में मंगलवार को अचानक आयी बाढ़ का कारण कोई हिमनद विस्फोट नहीं बल्कि बादल फटना है।

इसरो ने बताया कि पृथ्वी अवलोकन और अंतरिक्ष डेटा विश्लेषण कंपनी सुहोरा टेक्न-लॉजीज ने अचानक आयी बाढ़ के लिए किसी भी हिमनद विस्फोट को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। सुहोरा टेक्नोलॉजीज ने उपग्रह से ली गई तस्वीरों और डेटा विश्लेषण के बाद अपने निष्कर्ष में कहा कि यह बाढ़ बादल फटने के कारण आयी है।

उपग्रह चित्रों के माध्यम से प्राप्त तस्वीरों में बाढ़ के कारण धराली गांव में तलछट और पंखे की आकृति वाले मलबे का जमाव, इमारतों का पूरी तरह से गायब होना/पूर्ण/आंशिक विनाश और अन्य क्षति देखी गयी है।

इसरो ने कहा कि इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। एजेंसी ने बताया कि देश के कार्टोसैट-2एस उपग्रह के अति उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले उपग्रह चित्रों का उपयोग करके राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनअ-रएससी) के साथ मिलकर बाढ़ से हुए नुकसान का त्वरित आकलन किया गया। घटना के पहले और बाद के उपग्रह चित्रों के तुलनात्मक विश्लेषण से विनाश की सीमा और गंभीरता का पता चला गया है।

इसरो ने बताया कि खीर गाड़ और भागीरथी नदी के संगम पर, धराली गांव में लगभग 20 हेक्टेयर क्षेत्र में तलछट और विशाल मलबे का जमाव देखा गया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में कई इमारतों का आंशिक/पूर्ण विनाश और गायब होना भी तस्वीर में देखा गया, जो संभवतः तीव्र कीचड़ के प्रवाह और मलबे में डूब गई हैं या बह गयी हैं। धराली गांव में अभी भी कईं इमारतें कीचड़/मलबे से डूबी हुई दिखाई दे रही हैं।

कार्टोसैट की तस्वीर में भी अचानक बाढ़ के संकेत दिखाई दे रहे हैं, जिसमें चौड़ी जलध-राएं, नदी की आकृति में बदलाव और मानव जीवन व बुनियादी ढाँचे को नुकसान शामिल है। इसरो के मुताबिक उपग्रह से ली गयी तस्वीरें चल रहे तलाश और बचाव अभियानों में फंसे हुए लोगों तक पहुँचने और अलग-थलग पड़े क्षेत्र से संपर्क बहाल करने में मदद करेंगी।

यह घटना हिमालयी बस्तियों की आपदाओं के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता को उजागर करती है। इसरो ने कहा कि इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है।

दिल्ली, आंध्र प्रदेश समेत पांच उच्च न्यायालयों के लिए न्यायाधीश नियुक्त किए गए

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक न्यायिक अधिकारी को पदोन्नत कर दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्ति करने के अलावा आंध्र प्रदेश, कलकत्ता, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक उच्च न्यायालयों के अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया है। इन नियुक्तियों के अलावा सात अतिरिक्त न्यायाधीशों के कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को आपराधिक मामले से अलग रखने वाला अपना आदेश लिया वापस

नई दिल्ली, 08 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को उनकी सेवानिवृत्ति तक आपराधिक मामले की सुनवाई से अलग रखने और उन्हें एक अनुभवी वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ खंडपीठ में बैठाने के अपने अभूतपूर्व आदेश को शुक्रवार को वापस ले लिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई से प्राप्त एक पत्र पर गौर करते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि उसका (शीर्ष अदालत का) इरादा संबंधित न्यायाधीश को शर्मिंदा करने या उन पर आक्षेप लगाने का नहीं था। उच्च न्यायालय के आदेश को हालांकि अवैध और विकृत बताते हुए शीर्ष अदालत ने इस मामले पर विचार करने का काम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर छोड़ दिया।

पीठ ने कहा, हम पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रोस्टर के मास्टर हैं यानी वह तय कर सकते हैं कि किस मामले को कौन से न्यायाधीश को सौपा जाए। ये निर्देश (शीर्ष अदालत का) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की प्रशासनिक शक्ति में बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं करते हैं।

पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब मामले कानून के शासन को प्रभावित करते हैं, तो यह न्यायालय सुधारात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगा।

पीठ ने कहा, हालांकि, जब मामला एक हद पार कर जाता है। जब संस्था की गरिमा खतरे में पड़ जाती है तो अपीलीय क्षेत्राधिकार में भी हस्तक्षेप करना अदालत का संवैधानिक कर्तव्य बन जाता है।

न्यायमूर्ति कुमार को शीर्ष अदालत के गुस्से का सामना करना पड़ा जब उन्होंने सामान की आपूर्ति के लिए शेष राशि का भुगतान न करने से संबंधित

एक मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देते हुए कहा कि दीवानी मुकदमे में पैसा वसूलने में वर्षों लग जाएँगे।

पीठ ने अपने चार अगस्त के आदेश में उच्च न्यायालय के एकल पीठ के न्यायाधीश के आदेश पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा था कि संबंधित न्यायाधीश ने न केवल खुद को बदनाम किया है, बल्कि न्याय का भी मजाक उड़ाया है।

पीठ ने कहा, हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय स्तर पर भारतीय न्यायपालिका में क्या गड़बड़ है। कई बार हम यह सोचकर हैरान रह जाते हैं कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी विचार से पारित किए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और गलत आदेश पारित करना अक्षम्य है।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने 05 मई, 2025 के एक आदेश द्वारा कानपुर नगर के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-एक की अदालत में अभियुक्त मेसर्स शिखर केमिकल्स को आपूर्ति किए गए सामान के बकाया भुगतान के लिए लंबित आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी। न्यायाधीश ने इसे उचित ठहराते हुए कहा था कि शिकायतकर्ता को दीवानी मुकदमा दायर करके शेष राशि वसूलने में काफी समय लग सकता है।

उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज करते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा था, यह आदेश इस न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में हमारे कार्यकाल में अब तक देखे गए सबसे खराब और सबसे गलत आदेशों में से एक है।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से संबंधित न्यायाधीश से वर्तमान आपराधिक निर्णय तुरंत वापस लेने का अनुरोध किया था।अदालत ने आगे निर्देश दिया था कि संबंधित न्यायाधीश को उनके पद छोड़ने तक कोई आपराधिक निर्णय नहीं सौंपा जाएगा।

पीठ ने कहा, यदि किसी समय उन्हें एकल न्यायाधीश के रूप में जिम्मेवारी दी भी जाती है, तो उन्हें कोई आपराधिक निर्णय नहीं सौंपा जाएगा।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि वह यह निर्देश जारी करने के लिए बाध्य है, क्योंकि उसे ध्यान में है कि वर्तमान आदेश संबंधित न्यायाधीश का एकमात्र गलत आदेश नहीं है जिस पर उसने पहली बार गौर किया है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता का मामला स्पष्ट और सीधा था। उसने दावा किया कि वह एक बकाया विक्रेता है। उसने याचिकाकर्ता को धागे के रूप में 52,34,385 रुपये का माल दिया, जिसमें से 47,75,000 रुपये की राशि थी। हालाँकि, शेष राशि का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। उसने प्राथमिकी दर्ज करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने विवाद की दीवानी प्रकृति के कारण इसे अस्वीकार कर दिया था।

शीर्ष अदालत की पीठ ने न्यायमूर्ति कुमार के फैसले के संबंध में कहा था, हमने पिछले कुछ समय में ऐसे कई गलत आदेशों पर गौर किया है।

रेलवे बोर्ड ने दिया रोजगार और सामाजिक सुरक्षा की जांच का आदेश

राष्ट्रीय कुली मोर्चा करेगा कुलियों का सर्वे

मोर्चा पूरे देश में करेगा रोजगार सम्मेलन

लखनऊ, 08 अगस्त (ब्यूरो)। राष्ट्रीय कुली मोर्चा द्वारा पिछले 6 महीनों से कुलियों की रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के लिए चलाए गए अभियान के परिणाम स्वरूप रेलवे बोर्ड ने सभी डीआरएम को कुलियों की स्थितियों की जांच का आदेश दिया है। इस जांच की अवधि में राष्ट्रीय कुली मोर्चा भी कुलियों के बीच सर्वे करेगा और इसकी रिपोर्ट केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड को सौंपी जाएगी। इस दौरान सभी डिवीजन और जोनल मुख्यालय पर कुलियों के रोजगार सम्मेलन भी किए जाएगे। यह निर्णय आज राष्ट्रीय कुली मोर्चा की बैठक में लिया गया।

बैठक के बारे में जानकारी देते हुए मोर्चा के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर राम सुरेश यादव ने बताया कि विगत 6 महीनों

में राष्ट्रीय कुली मोर्चा के प्रतिनिधियों ने विभिन्न दलों के प्रमुखों, विभिन्न सांसदों को पत्र दिए और स्टेशनों पर कार्यक्रम करके रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी मांग पत्र भेजा। संसद में भी कुलियों के आजीविका का सवाल प्रमुखता से उठा। इससे आधुनिकीकरण और निजीकरण के कारण कुलियों के सामने पैदा हुए आजीविका का संकट राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया। इस प्रक्रिया में रेल मंत्रालय, भारत सरकार और रेलवे बोर्ड ने देश के सभी डीआरएम को रेलवे कुलियों की दशा पर जांच कर अपनी आख्या देने के लिए कहा है।

इस जांच के दौरान राष्ट्रीय कुली मोर्चा भी कुलियों की दशा को लेकर देश भर के सभी कुलियों के बीच में सर्वे करेगा। इस सर्वे में 2008 की तरह एक बार फिर रेलवे की नौकरी में कुलियों को समायोजित करने, माई कुली एप, ट्रॉली प्रथा और बैटरी रिक्शा जैसे निजीकरण के प्रयासों से उनकी आजीविका पर आए संकट, उनके बच्चों को रेलवे द्वारा प्रदान मुफ्त शिक्षा की स्थिति, उनके परिवार जनों के स्वास्थ्य सुविधा की हालात, उनके विश्राम गृहों और सामाजिक सुरक्षा की अन्य योजनाओं के लागू होने की स्थिति का व्यापक अध्ययन किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड भारत सरकार को भेजी जाएगी।

देश के प्रख्यात अर्थशास्त्रियों का मत है कि देश के शीर्ष 200 कारपोरेट घरानों की सम्पत्ति पर समुचित टैक्स लगा दिया जाए और काली पूंजी के अर्थव्यवस्था को नियोजित किया जाए तो देश में संसाधनों की कोई कमी नहीं रहेगी। इससे कुलियों समेत सभी नौजवानों को सम्मानजनक रोजगार की गारंटी की जा सकती है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य समेत पेंशन तक के अधिकार को सुनिश्चित किया जा सकता है। भारत का संविधान देश के हर नागरिक के गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी सुनिश्चित करता है। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि देश के नागरिक होने के नाते कुलियों की आजीविका के संकट को हल करें और उनकी सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करें।

बैठक का संचालन राष्ट्रीय कुली मोर्चा के नेता चंदेश्वर मुखिया ने किया। बैठक में रामबाबू बिलाला, जफर खान, राम महावर, उमेश शर्मा, रुस्तम मकरानी, दिनेश कुमार मुखिया, धर्मवीर सिंह, अनिल सावले, कलीम मकरानी, राजकुमार यादव, अरुण कुमार यादव, नामदार अली, गुफरान अहमद, संजय पासवान, चंद्रू वाई चालवाडी, नदीम, राहुल कुमार, अनिल मंडल, छोटी टूरीवो, अभय कुमार, अरुण कुमार महतो, कन्हैया ग्वाला, राम भवन, मोहम्मद हाशिम, शेखर रहमतुल्लाह, रफीक भाई, शिवराम आदि लोगों ने अपनी बात रखी। बैठक में रेलवे के हर डिविजन और प्रमुख स्टेशनों से प्रतिनिधि मौजूद थे।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में बोले सीएम योगी

हम जीएंगे स्वदेशी के लिए, मरेंगे देश के लिए

विदेशी को त्यागने और देसी को स्वीकारने की जरूरत

लखनऊ, 08 अगस्त (एजेंसियां)।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बलिदानी क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, हम जीएंगे स्वदेशी के लिए और मरेंगे देश के लिए। स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने। जीवन का मंत्र बने। विदेशी को त्यागने की जरूरत है। राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर काकोरी में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने बलिदानी क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने यह भी बताया कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। सीएम ने काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया।

सीएम योगी ने बालिकाओं से राखी भी बंधवाई तथा उन्हें उपहार में मिठाई और चॉकलेट दिया। कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। इसके बाद उन्होंने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया। मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिजनों को मंच पर सम्मानित कर बलिदानियों को नमन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराए गए। इसमें काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना को भी पेश किया गया।

सीएम ने कहा, 9 अगस्त 1925 को काकोरी में जिन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खजाने पर कब्जा कर उसे आजादी की लड़ाई में लगाया था, उस देशभक्ति के परिणामस्वरूप ही 1947 में देश आजाद हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि ट्रेन एक्शन में सिर्फ 4600 रुपए लूटे गए थे, लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें पकड़ने में उस समय 10 लाख रुपए से अधिक खर्च किए। मुख्यमंत्री ने काकोरी आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करते हुए कहा, देश की सुरक्षा में लगे हर सैनिक और कर्मवीर का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। सीएम ने यह भी कहा कि मलिहाबाद के आम को काकोरी ब्रांड बनाकर पूरी दुनिया में भेजा जाएगा, जो क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि और क्षेत्र के विकास का माध्यम बनेगा।

संस्कृति विभाग ने काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी समारोह कार्यक्रम काकोरी के बाजनगर में शुक्रवार सुबह दस बजे आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं। संगीत नाटक अकादमी के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। संस्कृति विभाग की ओर से नाट्य एवं संगीत की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर राजकीय अभिलेखागार ने अभिलेख प्रदर्शनी भी निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री के संयोजन में लगाई गई।

यूपी सरकार के अध्यादेश से गठित समिति निलंबित

सुप्रीम कोर्ट बनाएगी नई कमेटी

नई दिल्ली/लखनऊ, 08 अगस्त (ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बांके बिहार मंदिर मामले पर सुनवाई के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश के जरिए नियुक्ति समिति को निलंबित करने के लिए वे जल्द ही आदेश पारित करेंगे। यह समिति बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन के लिए बनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने के लिए वे याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालय जाने को कहेंगे। जब तक उच्च न्यायालय इस मामले का फैसला नहीं सुना देता, तब तक अध्यादेश से गठित समिति निलंबित रहेगी। इस बीच, मंदिर के प्रशासन को सुनिश्चित करने के लिए, न्यायालय ने कहा कि वह एक और समिति गठित करेगा, जिसकी अध्यक्षता उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश करेंगे। समिति में सरकारी अधिकारी और मंदिर के पारंपरिक संरक्षक गोस्वामियों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि इसे लेकर कल आदेश अपलोड किया जाएगा। पीठ ने अध्यादेश को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सुनवाई पर भी रोक लगाने का आदेश पारित किया। पीठ ने मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि इस मामले को एक खंडपीठ को सौंप दिया जाए, क्योंकि कानूनों की संवैधानिकता से संबंधित मामलों की सुनवाई खंडपीठों द्वारा की जाती है। बांके बिहारी मंदिर से जुड़ा विवाद मंदिर के सेवायतों के दो संप्रदायों के बीच लंबे समय से चले आ रहा है। लगभग 360 सेवायतों वाले इस मंदिर का प्रबंधन ऐतिहासिक रूप से स्वामी हरिदास जी के गोस्वामी वंशजों और अनुयायियों द्वारा निजी तौर पर किया जाता है। 15 मई को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2023 के आदेश में संशोधन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को मंदिर के धन का उपयोग कॉरिडोर विकास के लिए मंदिर के आसपास की 5 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने की अनुमति दी, इस शर्त पर कि अधिग्रहित भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी।

बेसिक शिक्षा मंत्री का सपा प्रमुख पर तीखा प्रहार

सपा राज में 3.45 करोड़ बच्चे थे स्कूल से दूर

जब से भाजपा आई, तभी से पढ़ाई में जान आई

लखनऊ, 08 अगस्त (ब्यूरो)।

उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था तुष्टिकरण, भाई-भतीजावाद, नकल माफिया और लापरवाहियों की शिकार थी, जबकि भाजपा सरकार ने पारदर्शिता, निवेश और सोच के साथ इसे बदलने का कार्य किया है। उन्होंने 2015 के अखबार की कटिंग दिखाते हुए सपा मुखिया को आईना दिखाया और कहा कि सपा के राज में 3.45 करोड़ बच्चे स्कूल से दूर थे। संदीप सिंह ने कहा, जब से भाजपा आई तभी पढ़ाई में जान आई!

संदीप सिंह ने सपा मुखिया को घेरते हुए कहा कि 2012 से 2017 के बीच अखिलेश सरकार में एक भी ऐसा मॉडल स्कूल नहीं बना, जिसे राज्य गौरव से दिखा सके। उन्होंने कहा कि सपा ने सिर्फ शिक्षा ही नहीं, संस्कृति का भी अपमान किया। वहीं, भाजपा सरकार ने 2017 के बाद शिक्षा सुधार प्रयासों पर निरंतर काम किया। 11,500 करोड़ से अधिक की लागत से ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत 19 बुनियादी सुविधाएं परिषदीय विद्यालयों में पहुंचाई गईं, जिनमें पेयजल, टॉयलेट, ब्लैकबोर्ड, फर्नीचर, बिजली, और क्लासरूम का सुदृढ़ीकरण शामिल है। संदीप सिंह ने कहा कि सपा सरकार के समय जहां बच्चों की संख्या घट रही थी, वहीं भाजपा सरकार ने इस प्रवृत्ति को रोका और इस वर्ष के स्कूल चलो अभियान में 27 लाख से अधिक बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में हुआ।

संदीप सिंह ने बताया कि हर जिले में दो मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक विद्यालय की लागत 30 करोड़ है। इनमें नई एजुकेशन पॉलिसी 2020 के अनुरूप केजी से 12वीं तक की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था होगी। इसी प्रकार, सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं, जिनमें 18,000 से अधिक श्रमिक एवं अनाथ बच्चों को मुफ्त आवासीय शिक्षा, भोजन, खेलकूद व कौशल विकास की सुविधा दी जा रही है। यही नहीं, यूपी के 1,722 स्कूलों (1565 परिषदीय, 157 माध्यमिक) को पीएमश्री स्कूल्स के अंतर्गत स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, खेल सामग्री और प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग से लैस किया जा रहा है। वहीं 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, टॉयलेट ब्लॉक और डॉरमेट्री की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार के प्रयासों से शिक्षा के स्तर में जो सुधार आया है, उसका गुणगान हम ही नहीं कर रहे, बल्कि असर 2024 और परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 दोनों ने यूपी के शिक्षा क्षेत्र में सुधार को मान्यता दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा 3 के छात्रों का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति और संसाधनों की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। संदीप सिंह ने कहा कि 2017 से पहले जो शिक्षा की स्थिति थी और 2017 के बाद जो स्थिति है उसमें जमीन-आसमान का अंतर है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सपा राज में तुष्टीकरण, तानाशाही, नकल माफिया, शिक्षा की बर्बादी थी। वहीं, भाजपा राज में संतुष्टिकरण, निवेश, पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। आज प्रदेश के बच्चे गर्व से स्कूल जा रहे हैं, स्मार्ट क्लास में पढ़ रहे हैं, बिना नकल परीक्षा दे रहे हैं और भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं। यही भाजपा सरकार का पराक्रम है।

अयोध्या में बृहस्पति कुंड का हो रहा जीर्णोद्धार

दक्षिण भारत के तीन महान संगीतकारों की प्रतिमाएं लगेंगी

अयोध्या, 08 अगस्त (ब्यूरो)।

योगी सरकार अयोध्या के ऐतिहासिक कुंडों का जीर्णोद्धार करा रही है। बदहाल रहे अब तक कई कुंडों का स्वरूप बदल चुका है। इसी क्रम में टेढ़ीबाजार स्थित बृहस्पति कुंड का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। यह कुंड दक्षिण भारत के पर्यटकों को खूब भाएगा। यहां पर भक्ति गीतों के दक्षिण भारत के तीन महान संगीतकारों की मूर्तियां सुशोभित की जाएंगी। इस कुंड को जल्दी ही पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

अयोध्या के टेढ़ी बाजार के समीप स्थित बृहस्पति कुंड का जीर्णोद्धार कार्य तेजी से चल रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा अंजाम दिया जा रहा है, जिसकी कुल लागत 4.49 करोड़ रुपए है। अयोध्या संरक्षण विकास समिति इस परियोजना की मॉनिटरिंग कर रही है, ताकि कुंड को न केवल आध्यात्मिक, बल्कि भव्य और पर्यटन के लिए आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जा सके।

बृहस्पति कुंड अयोध्या के 108 प्राचीन कुंडों में से एक है, जिनका उल्लेख वेदों, पुराणों और उपनिषदों में मिलता है। यह कुंड धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि मान्यता है कि त्रेतायुग में भगवान राम और उनके भाइयों ने इन कुंडों में स्नान और अन्य धार्मिक कार्य किए थे। लंबे समय तक उपेक्षा का शिकार रहे इन कुंडों को योगी सरकार ने अपने सौंदर्यीकरण और संरक्षण के एजेंडे में शामिल किया है। बृहस्पति कुंड का जीर्णोद्धार न केवल इसकी प्राचीन गरिमा को बहाल करेगा, बल्कि इसे पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण के रूप में भी स्थापित करेगा।

इस परियोजना के तहत कुंड के आसपास के क्षेत्र को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इसमें पक्के घाटों का निर्माण, स्वच्छ जल की व्यवस्था, और पर्यटकों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था शामिल है। कुंड के आसपास हरियाली और लैंडस्केपिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे यह स्थल पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षक बने। टॉयलेट ब्लॉक, सिक्योरिटी केबिन, सेप्टिक टैंक, आर्क, सीसी रोड चारदीवारी व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य अंतिम चरण में है, जबकि रेन वाटर हार्वेस्टिंग व आरसीसी रिटेनिंग वाल का कार्य पूरा हो चुका है।

अयोध्या का संगीतकारों से नाता जुड़ता ही जा रहा है। हाल ही में सरकार ने सुप्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर की भारी भरकम वीणा नया घाट चौराहे पर लगवाकर उन्हें नमन किया है। ठीक इसी तरीके अब तीन सांगितज्ञ की मूर्तियां लगने जा रहीं हैं। इनमें दक्षिण भारत के भक्ति गीतों के महान संगीतकारों त्यागराज स्वामीगल (1767-1847), पुरंदर दास (1484-1564) व अरुणाचल कवि (1711-1779) की मूर्तियां आनी प्रस्तावित है, जिनकी स्थापना के लिए तीन आधारस्तंभों का कार्य पूर्ण हो चुका है। मूर्तियों का 10 दिन में आना प्रस्तावित है। राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर रवींद्र यादव ने बताया की परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है। दो वर्ष पहले कार्य शुरू हुआ था। बृहस्पति कुंड के जीर्णोद्धार से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। अयोध्या में पहले ही सूर्य कुंड और भरत कुंड जैसे स्थलों का जीर्णोद्धार हो चुका है, जो अब पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं।

सपा की पीडीए पाठशाला पर मंत्री राजभर का कटाक्ष

सपा राज में ए से अराजकता, बी से भ्रष्टाचार, सी से चोरी और जी से दलाली थी

लखनऊ, 08 अगस्त (ब्यूरो)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इस समय एबीसीडी की जंग सुर्खियों में है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा हाल ही में दिए गए बयान के बाद सियासत और भी गर्मा गई है। अखिलेश ने जब सत्ताधारी भाजपा सरकार को एबीसीडी के जरिए घेरा, तो प्रदेश सरकार के कद्दावर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने उसी एबीसीडी से पलटवार करते हुए सपा के शासनकाल को कठघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी को वाकई एबीसीडी आती होती, तो आज उनकी पार्टी सत्ता से बाहर न होती।

राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सत्ता में रहते हुए जिस एबीसीडी को अपनाया, उसी ने प्रदेश की हालत बिगाड़ दी। उन्होंने पूरे अंग्रेजी वर्णमाला को लेकर सपा शासन पर तीखे आरोप लगाए। उनके मुताबिक ए से अराजकता, बी से भ्रष्टाचार, सी से चोर और डी से दलाली यही सपा शासन की असल पहचान थी। उन्होंने कहा कि इस पार्टी ने शासन में स्थायित्व नहीं दिया, भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया, अपराधियों को संरक्षण दिया और हर निर्णय में सिफारिश व दलाली को प्राथमिकता दी। उन्होंने वाई से यादववाद और जेड से जीरो बदलाव तक पूरा वर्णन करते हुए सपा की नीतियों को जातिवादी, भाई-भतीजावादी और अव्यवस्थित करार दिया।

ओम प्रकाश राजभर ने खासतौर से सपा शासन में शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव सत्ता में थे, तब सरकारी

स्कूल बच्चों की पढ़ाई के लिए नहीं, बल्कि नकल माफिया और भर्ती घोटालों के लिए कुख्यात थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के पांच साल के शासन में एक भी ऐसा स्कूल नहीं बना, जिसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए आदर्श कहा जा सके। टूटी हुई दीवारें, गिरती हुई छतें, गंदे टॉयलेट और घटती बच्चों की संख्या, यही उस समय की शिक्षा व्यवस्था का असली चेहरा था। इसके उलट भाजपा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाए गए हैं। राजभर के अनुसार, ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 11,500 करोड़ का निवेश किया गया है और 96 प्रतिशत से अधिक सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्कूल चलो अभियान के तहत इस साल 27 लाख से अधिक बच्चों का नया नामांकन हुआ है, जो शिक्षा के प्रति जनता के भरोसे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय योजना के अंतर्गत हर जिले में दो अत्याधुनिक विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें 30 करोड़ रुपए प्रति विद्यालय की लागत से केजी से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार कराई जाएगी।

राजभर ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय योजना के तहत सभी 18 मंडलों में स्कूल चालू हो चुके हैं, जहां 18,000 से अधिक श्रमिक और अनाथ बच्चों को मुफ्त आवासीय शिक्षा, खेल, स्किल ट्रेनिंग और आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में 1,722 पीएम-श्री स्कूलों में स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, आसीटी लैब और प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग की सुविधाएं शुरू की गई हैं। बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से अपग्रेड किया गया है। राजभर ने कहा कि योगी शासन में शिक्षा व्यवस्था पारदर्शी और गुणवत्ता आधारित हुई है। एएसईआर 2024 और परख सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के कक्षा 3 के छात्र राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षक और छात्र उपस्थिति से लेकर संसाधनों की निगरानी तक सब कुछ प्रेरणा पोर्टल के जरिए डिजिटल और पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है।

राजभर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि सपा के शासनकाल में शिक्षा व्यवस्था जातिवाद, तुष्टिकरण और नकल माफिया के चंगुल में फंसी हुई थी। वहीं भाजपा सरकार में ईमानदारी, पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा, सपा राज में शिक्षा के मंदिर ढहे, भाजपा राज में ज्ञान के दीप जले। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने स्कूल बंद कराए, हमने बच्चों के लिए नए स्कूल बनाए। उन्होंने 3.45 करोड़ बच्चों को स्कूल से दूर किया, हमने उन्हें किताब और क्लास से जोड़ा।

संपादकीय

उत्तरकाशी में 'प्रलय'

'प्रलय' का नाम हमने सुना है। कभी कल्पना तक नहीं की। छायावाद के प्रणेता कवि जयशंकर प्रसाद का महाकाव्य 'कामायनी' जरूर पढ़ा है। उसमें प्रलय की विभीषिका के कई बिंब और एक अकेले मनुष्य का संघर्ष हमारे मानस पर अब भी अंकित है, लेकिन प्रलय के विनाश के मर्म तक हम पहुंच नहीं पाए। अलबत्ता एक कल्पना जरूर साकार होती गई। हमारे कालखंड में उत्तरकाशी के महाभूकंप और 2013 के केदारनाथ मंदिर क्षेत्र के प्रलय का साक्षी बनने का मौका जरूर मिला है और वह भी टीवी चैनलों के जरिए। उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-प्रलय की आपदा आई है, ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है? लगातार भू-स्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं 'कुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं 'मानव-निर्मित' हैं। यह हमारा नहीं, मौसम और भूगर्भ वैज्ञानिकों का विश्लेषण है। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाई जा रही है। नदी-नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50,000 वर्ग हेक्टेयर में जंगलात थे, अब वहां पक्की इमारतें चिन दी गई हैं। मौजूदा उत्तरकाशी के प्रलय में धराली गांव ही बह कर मिट्टी-मलबा हो गया। राज्य के मुख्य सचिव आनंदवर्धन के मुताबिक, धराली गंगोत्री के रास्ते में मुख्य ठहराव स्थल है। आबादी मात्र 700 के करीब है। इनमें से 100 लोग लापता हैं। 150 घरों से ज्यादा वाले गांव में 50 से ज्यादा घर, 30 से ज्यादा होटल-रिजॉर्ट, करीब 25 होम स्टे तबाह हो चुके हैं। जो मंजर सामने आया है, वह प्रलय नहीं तो क्या है? 2013 का केदारनाथ मंदिर वाला प्रलय इतना विनाशकारी था कि 6000 से अधिक लोग मारे गए थे। अब प्रलय को इतना विध्वंसक नहीं माना जा रहा है, लेकिन मौत के अधिकृत आंकड़े अभी सामने आने हैं। गौरतलब यह भी है कि मौजूदा प्रलय से पहले भूस्खलन का औसत 250 था, जो 2023 तक 1600 से अधिक हो गया। इतना गुना भूस्खलन क्यों और कैसे बढ़े? पहाड़ इतनी मात्रा में क्यों टूटने लगे हैं? इस सवाल का जवाब न तो केंद्र और न ही राज्य सरकार ने दिया है। कुछ उच्चाधिकार प्राप्त समितियां जरूर बनाई जाती रही हैं, लेकिन वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के सुझावों को नकारती रही हैं। मसलन-वैज्ञानिकों के सवाल हैं कि पहाड़ों में 'फोरलेन सडक़' बनाना क्यों जरूरी है? दो लेन की सडक़ें पर्याप्त और सहज हैं। ऐसे निर्माण दिखावटी विकास तो हैं, लेकिन विनाश और मौत के अंधे कुएं भी तैयार कर रहे हैं। केदारनाथ प्रलय के बाद रडार लगाने की बात सामने आई थी, ताकि बादल फटने और जल-प्रलय के पूर्व संकेत मिल सकें। उनका क्या हुआ? उत्तरकाशी प्रलय के कुछ भी संकेत क्यों नहीं मिल सके। मात्र 34 सेकंड में बहुत कुछ मलबा हो गया। हिमालयी क्षेत्र के लिए 'ग्लोबल वार्मिंग' और 'जलवायु परिवर्तन' भी खतरनाक स्थितियां हैं। उनसे एक अलग स्तर पर लडऩे की जरूरत है। आपदा के लिहाज से धराली 'टाइम बम' पर बैठा माना जाता रहा है, लेकिन इसे कहीं और शिफ्ट नहीं किया गया। वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती का कहना है कि धराली ट्रांस हिमालय (4000 मीटर से ऊपर) में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट है। यह एक दरार होती है, जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है। यह भूकंप का अति संवेदनशील क्षेत्र भी है। इस खतरे को समझना होगा।

हमारे कालखंड में उत्तरकाशी के महाभूकंप और 2013 के केदारनाथ मंदिर क्षेत्र के प्रलय का साक्षी बनने का मौका जरूर मिला है और वह भी टीवी चैनलों के जरिए। उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-प्रलय की आपदा आई है, ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है? लगातार भू-स्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं 'कुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं 'मानव-निर्मित' हैं। यह हमारा नहीं, मौसम और भूगर्भ वैज्ञानिकों का विश्लेषण है। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाई जा रही है।

कुछ अलग

अच्छे दिन बीते रे बंधु

दुनिया युद्धों के बीच लिपटी हुई है। इसके बावजूद हमने अच्छे दिन आने की उम्मीद रखी थी कि आंकड़ा शास्त्रियों ने घोषणा कर दी, लो तुम्हारे अच्छे दिन तो आकर चले भी गए। देखते नहीं हो, शेयर बाजार सूचकांकों ने कैसी उछाल भरी थी। उधर शहर के चुनिंदा रईस अब रईस कहलाना पसंद नहीं करते। रईस कहो तो हुक्का गुडग़ुड़ाते हुए तिल्ला किनारी वाले सोनरंगे अंगरखे पहने हुए हवेलियों वाले याद आ जाते हैं कि जिनकी हवेलियों के कद हर बरस ऊंचे हो जाते हैं। दादा जान कहा करते थे, 'जिन्होंने हाथी पालने हो ऐसे रईसों को अपनी ड्योढियों के दरवाजे ऊंचे रखने चाहिएं।' लेकिन जमाना बदल गया। उन्हें कितनी उम्मीद थी कि कभी इन ड्योढियों में हमारा घुसना भी हो सकेगा। क्या फुटपाथों पर आलीशान दरवाजे लग जाएंगे? सारा कालाधन बाहर आ जाएगा, और उनकी दुनिया इतनी साफ सफेद हो जाएगी, कि आम आदमी के खाते में पन्द्रह-पन्द्रह लाख रुपए जमा हो जाएंगे। जमा हुए हुजूर, जनता खातों में जमा हुए, इतना अधिक काला धन जमा हुआ कि हवेलियों वालों को सफेदपोश बना गया। लेकिन जो फुटपाथ पर बैठे थे, उनके लिए मुख्यद्वार कहां लगे? वे लोग तो धंसते हुए फुटपाथों के जानशीं बनते चले गए, और उधर सरकारी खातों में लिखा गया, लो सब फुटपाथों का नवीनीकरण हो गया।

संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक ?

ललित गर्ग

संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार

नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, "संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।" चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे।

देश दुनिया से

मोबाइल खेल की हार, जीवन की हार क्यों बनी?

मोबाइल खेलों की बढ़ती लत बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रही है। इंदौर में एक तेरह वर्षीय बालक ने "फ्री फायर" खेल में 3000 रुपये हारने के बाद आत्महत्या कर ली, जो बताता है कि आज की पीढ़ी में हार सहने की क्षमता घटती जा रही है। यह केवल एक खेल की हार नहीं, बल्कि संवादहीनता, अभिभावकों की अनदेखी और भावनात्मक असुरक्षा की परतें खोलती है। बच्चों को तकनीकी उपकरणों से पहले भावनात्मक समर्थन, शिक्षा तंत्र में मानसिक स्वास्थ्य और परिवार में संवाद की ज़रूरत है। हार को जीवन की समाप्ति नहीं, सीख बनने देना होगा। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें, आँखों में सपने और जीवन में उमंग होनी चाहिए, उस उम्र में इंदौर के एक तेरह वर्षीय बालक ने आत्महत्या कर ली। कारण -एक मोबाइल खेल "फ्री फायर" में तीन हज़ार रुपये हार जाना। यह घटना केवल एक बालक की मृत्यु नहीं, बल्कि समाज की चुप्पी, माता-पिता की अनभिज्ञता और डिजिटल अंधकार की सच्चाई है। यह बालक सातवीं कक्षा का विद्यार्थी था। एक दिन पहले ही उसका जन्मदिन मनाया गया था। घर में मिठाई की खुशबू, गुब्बारों की चमक और मासूम हँसी की गूँज बाकी थी। लेकिन अगले ही दिन उसने अपने ही घर में फाँसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। क्यों? क्योंकि उसने एक मोबाइल खेल में तीन हज़ार रुपये गँवा दिए थे, जो उसने अपनी माँ के बैंक खाते से ऑनलाइन निकाल कर खर्च किए थे। इस घटना ने बहुत गहरे सवाल खड़े किए हैं- क्या मोबाइल खेल केवल मनोरंजन हैं या वे हमारे बच्चों की मानसिक शांति और आत्मसम्मान को निगलते जा रहे हैं? क्या हम बच्चों को तकनीकी ज्ञान तो दे रहे हैं, पर मानसिक सहारा, संवाद और संस्कार नहीं? बाल मन अत्यंत कोमल और संवेदनशील होता है। जब हम बच्चों को बिना दिशा-निर्देश और निगरानी के मोबाइल फोन थमा देते हैं, तो हम उन्हें एक ऐसी आभासी दुनिया में छोड़ देते हैं जहाँ हार का मतलब केवल हार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की समाप्ति बन जाता है। ₹फ्री फायर₹, ₹पबजी₹, ₹बीजीएमआईई₹ जैसे युद्धक खेलों में हर क्षण जीतने का दबाव, प्रतिस्पर्धा की भावना और नकली पहचान की दौड़ बच्चों के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालती है। इन खेलों में हर 'विजय' एक नकली आनंद देती है और हर 'पराजय' एक गहरे दुःख का कारण बनती है। बच्चों को यह अनुभव नहीं हो पाता कि यह केवल एक खेल है, असली जीवन नहीं। जब वे इन खेलों में हारते हैं, तो वे इसे अपने जीवन की हार मान लेते हैं। यही हुआ अक्लंक के साथ। माता-पिता की भूमिका इस पूरी घटना में सबसे महत्वपूर्ण है। माता-पिता बच्चों को मोबाइल देते समय यह समझने में असफल हो जाते हैं कि वह उपकरण केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि आज की पीढ़ी के लिए संपूर्ण संसार बन चुका है। बच्चा जब मोबाइल पर खेल में हारता है, और उस पर[illegible]कार पड़ती है, तो वह डबल आघात सहता है — एक हार का और दूसरा उपेक्षा का। बालक की माँ ने जब उसे डांटा, तो वह उसके लिए सामान्य माँ की झिड़की नहीं थी, वह उसके लिए स्वयं के मूल्यहीन होने की मुहर थी। हम भूल जाते हैं कि बालक केवल हमारे शब्द नहीं, हमारे भाव भी ग्रहण करते हैं। माता-पिता यदि संवाद के स्थान पर केवल डाँट और आदेश देंगे, तो बच्चे डर और अपराधबोध में जीने लगते हैं। आज हर घर में मोबाइल है, पर क्या हर घर में भावनात्मक संवाद है? क्या माता-पिता दिन में पाँच मिनट भी यह पूछते हैं कि बेटा, तुम कैसा महसूस कर रहे हो? क्या स्कूल में कोई शिक्षक बच्चों से यह पूछता है कि तुम्हें कोई बात मानसिक रूप से परेशान तो नहीं कर रही? हम परीक्षा में अंकों पर ध्यान देते हैं, पर बच्चे के मन में उठते तूफानों पर नहीं। मोबाइल खेलों के माध्यम से बच्चों में जो मानसिक विकृति उत्पन्न हो रही है, वह केवल मनोरंजन की बात नहीं रह गई है। यह अब मानसिक स्वास्थ्य का गंभीर संकट बन चुकी है। इन खेलों में लगातार खेलने से मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन का उत्सर्जन होता है, जो आनंद की अनुभूति कराता है। लेकिन यह आनंद क्षणिक होता है, और उसकी लत लग जाती है। बच्चा फिर वास्तविक जीवन में संतोष नहीं पाता, और आभासी दुनिया में ही अपनी पहचान खोजने लगता है। इन खेलों में जब पैसे भी जुड़ जाते हैं, तो स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। एक बार मोबाइल में बैंक खाता या भुगतान माध्यम जुड़ जाए, तो बच्चा जाने-अनजाने में हजारों रुपये खर्च कर देता है। माता-पिता को इसकी जानकारी तब होती है जब नुकसान हो चुका होता है। इसका समाधान केवल तकनीकी नियंत्रण नहीं है। समाधान है- संवाद, स्नेह, समझ और सतर्कता। माता-पिता को चाहिए कि मोबाइल में पालक नियंत्रण अनुप्रयोग, खेल समय सीमा, ऑनलाइन भुगतान रोकथाम, जैसे साधनों का प्रयोग करें। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वे अपने बच्चों के जीवन में भागीदार बनें- उनसे बात करें, उनके साथ समय बिताएँ और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे केवल अंकों, उपलब्धियों या जीत से नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व से प्रिय हैं। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता होना अनिवार्य किया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में भावनात्मक शिक्षा, हार-जीत की समझ, आत्मसम्मान और आत्मरक्षा जैसे विषयों को स्थान दिया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि हार कोई अभिशाप नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। सरकार को भी मोबाइल खेलों पर नियंत्रण के कठोर नियम बनाने चाहिए। बारह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भुगतान वाले खेल प्रतिबंधित किए जाएँ, भुगतान प्रणाली में माता-पिता की स्वीकृति आवश्यक हो, और हर मोबाइल सेवा में बाल संरक्षण प्रणाली लागू की जाए।

आप का नजरिया

दर्द या पश्चाताप के आंसू

प्रलय के बीच गलतियों में डूबता मंथन, सिर्फ पहाड़ को कोस कर अपने पाप नहीं छुपा सकता। दोष की एक लंबी फेहरिस्त और समय के चाबुक से पहाड़ की नंगी पीठ के घाव बता रहे हैं कि फिर से खाके सजाने पड़ेंगे या जीने की मुनादी नहीं, जीने के पांव छुपाने पड़ेंगे। कम से कम शर्तें तो यही हैं कि पहाड़ अब अपनी ही कंद्राओं में छुप जाए और यहां रहने वाले आदिमानव हो जाएं। बहरहाल हिमाचल के बाद उत्तरकाशी का दर्द और पश्चाताप के आंसू लिए पहाड़ अपने भीतर पाप के ऐसे घड़े फोड़ रहा है, जो उसके हैं ही नहीं। मात्र 34 सेकेंड में उत्तराखंड का एक खुशहाल गांव धराली का अस्तित्व मिट गया। इस चीखोपुकार में किसी का घर, किसी का मोहल्ला गया। आंसुओं के उस सैलाब में किसी का बेटा, किसी की मां और किसी के सारे रिश्ते बह गए। बची है प्रायश्चित की आंखें, चंद खंडहर, सिसकती यादें और विध्वंस की छुरी से बच गए और कुछ बाढ़ के रास्ते में नहीं आए। हम केंचुए से नहीं पूछ सकते, उसकी रीढ़ क्यों नहीं और न ही बारिश से पूछ सकते, उससे मर्यादा के सवाल। वह आएगी, पहाड़ पर होते हुए ही आएगी। उसके दामन में बादलों का डेरा, उजड़ती धूप में दिन भी अकेला। कमोबेश पहाड़ का जीवन भी बरसात में अकेला होने के खौफ में, इन दिनों नागरिक समाज से सरकार तक भयावह परिस्थिति में है। हमने यह भी देखा कि जो बादल उत्तराखंड में आए, वे रिश्तेदारी में हिमाचली ही थे, लेकिन केंद्र ने अपने रिश्ते बदल दिए। रहम की पट्टियां वहां जल्दी पहुंच गईं जहां चौबारे सियासत के मजबूत पायों पे थे। अब राहत की चपाती पर भी सियासत लिखी जाए, तो कौन अपना चेहरा दिखाकर खुद को इनसान कह पाएगा। कहर उत्तराखंड को दर्द देता है और इसलिए दोनों राज्यों के बचाव में सुलूक को एक जैसा देखा जाएगा। बहरहाल, उत्तरकाशी के गांव की विनाश लीला ने पर्वत की आर्थिकी में पर्यटन के धमाल को कोसना शुरू किया है। पहाड़ पर पर्यटन कहने को मंजिल है, लेकिन जीने की तमन्ना ने आंखें खोलीं, तो खुरदरी सतह पर सबसे पहले अपने पांव दुरुस्त किए। ऐसे में अगर हिमाचल और उत्तराखंड ने आगे बढऩे के लिए पर्यटन की किश्तियां खोजीं, तो क्या गुनाह किया। पर्यटन सिर्फ खाका नहीं, अनुभव की शैली में सुकून और रोमांच की एक अदा है। ये अदा प्राकृतिक और स्वाभाविक रूप से जितनी उत्तराखंड को मिली, उससे कहीं अधिक हिमाचल को मिली। यह दीगर है कि उत्तराखंड के फलक पर पर्यटन के पांव ज्यादा चले और कनेक्टिविटी ने यात्रा को गति से जोडक़र समागम बना दिया। हमारे बद्रीनाथ भी ऊंचे पहाड़ पर हैं, लेकिन मणिमहेश और श्रीखंड जैसी यात्राओं को हमने हाई-वे नहीं बनाया। पर्यटन में भी पड़ोसी राज्य हमसे आगे हैं। इसी बीच हिमाचल ने भी पर्यटन की मात्रात्मक गिनती शुरू करके पांच करोड़ सैलानी बुलाने का मंतव्य चुना, तो हमने सर्वप्रथम इन्हीं कालमों में इस आइडिया को घातक बताया था। अब पुनः बहस उत्तराखंड के मार्फत हमारे करीब आई है कि पहाड़ पर सैलानी आने के मानदंड सुनिश्चित करने पड़ेंगे। सारा उत्तराखंड पर्वत नहीं और न ही हिमाचल सिर्फ पहाड़ की चोटियां पर बसता है। अब तय यह करना है कि पर्यटन की सुविधा, संख्या और साधन किस हद तक जुटाए जाएं। परिवहन सेवाओं के दबाव में जरूरतों का हिसाब रखें, तो पर्यटन को हांकते वाहनों पर नजर होनी चाहिए। कम से कम दरकते और बहकते पर्वतीय परिवेश को बचाने के लिए केंद्र को अपने तौर पर यह सुनिश्चित करना होगा कि पहाड़ की आपदा, केवल इसी क्षेत्र की वजह से नहीं है और भविष्य के अनुसंधान, अध्ययन, तकनीक व टीसीपी जैसे कानूनों के तहत विकास योजनाओं की संरचना में वित्तीय संसाधनों की प्राथमिकताएं पहले से तय करनी होंगी। हिमाचल व अन्य पर्वतीय राज्यों के पर्यटन मॉडल को सुदृढ़ करते हुए, भूमि इस्तेमाल की स्पष्टता और अनिवार्यता को तयशुद्धा पैमानों से जोडऩे के लिए वन एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की सहजता में नए आलेख जोडऩे होंगे। कत्ल तो जंगल भी कर रहा है, तो उसे क्यों न समझा व नए सिरे से परखा जाए।

दोष की एक लंबी फेहरिस्त और समय के चाबुक से पहाड़ की नंगी पीठ के घाव बता रहे हैं कि फिर से खाके सजाने पड़ेंगे या जीने की मुनादी नहीं, जीने के पांव छुपाने पड़ेंगे। कम से कम शर्तें तो यही हैं कि पहाड़ अब अपनी ही कंद्राओं में छुप जाए और यहां रहने वाले आदिमानव हो जाएं। बहरहाल हिमाचल के बाद उत्तरकाशी का दर्द और पश्चाताप के आंसू लिए पहाड़ अपने भीतर पाप के ऐसे घड़े फोड़ रहा है, जो उसके हैं ही नहीं।

दृष्टि कोण

प्राकृतिक आपदाओं से जूझता हिमाचल

हिमाचल इस समय प्रकृति के विकराल प्रकोप से कराह रहा है। 20 जून 2025 से प्रदेश में जारी मूसलाधार बारिश ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है, बल्कि लोगों के जीवन, संपत्ति, संसाधनों और भविष्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। 30 जून की रात मंडी जिले के सराज क्षेत्र की रोहांडी की पहाडियों पर बादल फटने की घटना के बाद भराड़, शरण, रुकचूई, प्याला, लंबाथाच, देजी और थुनाग जैसे गांवों में जो तबाही मची, उसने वहां के निवासियों की वर्षों की पूंजी और स्मृतियों को मिट्टी में मिला दिया। सडक़ों का टूटना, पुलों का बह जाना, वाहन दुर्घटनाएं, बिजली और जल योजनाओं का ध्वस्त हो जाना, यह सब मानो हिमाचल के विकास को एक झटके में दशकों पीछे ले गया। अभी यह आपदा पूरी तरह थमी भी नहीं थी कि 28 जुलाई को मंडी शहर के सैण मोहल्ले में आई बाढ़ ने चार लोगों की जान ले ली। लगभग 22 परिवारों को अपने घर छोडऩे पड़े, 50 मकान क्षतिग्रस्त हो गए और दो सौ से अधिक वाहन पानी में बह गए। उधर ऊना शहर में शनिवार 2 अगस्त को मूसलाधार बारिश ने 38 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया। छह घंटे में कुल 222.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इससे पहले वर्ष 1988 में 198 मिलीमीटर बारिश हुई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 20 जून से 31 जुलाई तक की अवधि में हुई घटनाओं पर यदि एक नजर डालें, तो 173 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई, जिनमें 95 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 78 सडक़ दुर्घटनाओं में हुईं। हिमाचल जैसे संवेदनशील पहाड़ी राज्य में निर्माण कार्यों को लेकर अब तक कोई समग्र, वैज्ञानिक और स्थानीय भूगोल के अनुकूल नीति नहीं बन

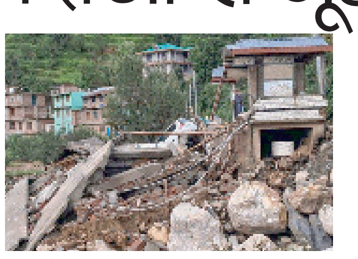

सकी है। अतिक्रमण, अनियंत्रित शहरीकरण, अवैध निर्माण और प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों व नदियों पर अतिक्रमण हमारी त्रासदी को निमंत्रण देने वाली भूलें हैं। यह देखना बेहद पीड़ादायक है कि सडक़ किनारे, नदियों के तटों और नालों पर खुलेआम निर्माण हो रहे हैं और संबंधित विभाग आंखें मूंदे हुए हैं। उदाहरण के लिए कांगड़ा जिले में अवेरी से पालमपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दशकों पुराने प्राकृतिक नालों पर किए गए अतिक्रमण किसी से छिपे नहीं हैं। क्या इन निर्माणों को देखना और रोकना लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, एनएचएआई और पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी नहीं है? हमें यह स्वीकार करना होगा कि हिमाचल में आपदाएं अब केवल प्रकृति की नहीं, बल्कि हमारी नीतिगत विफलताओं की भी देन हैं। विकास की अंधी दौड़ में हमने प्रकृति की सीमाएं लांघ दी हैं। पहाड़ों की काटछांट, नदियों के किनारों का अतिक्रमण, जंगलों की बेरहम कटाई और पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन किए बिना निर्माण कार्यों ने इस भूगोल को अस्थिर बना दिया है। ऐसे में जब भी मौसम कुछ अधिक उग्र होता है, तबाही निश्चित हो जाती है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि आपदा जोखिम को कम करने के लिए बनाए गए नियमों को सख्ती से लागू करे। अधिकारी केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी स्तर पर जाकर कार्य करें। राहत और पुनर्वास की कार्यवाही पारदर्शी हो और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र मजबूत किया जाए। जनजागरूकता अभियान गांव-गांव तक पहुंचे और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण स्कूली शिक्षा से ही प्रारंभ किया जाए। राष्ट्रीय स्तर पर भी कुछ सकारात्मक प्रयास सामने आए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिमाचल में आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता को देखते हुए एक बहुक्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है। वहीं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 'सचेत' नामक मोबाइल ऐप शुरू किया गया है, जो आपदा से जुड़ी चेतावनियों और सूचनाओं का सटीक माध्यम बन सकता है। नागरिकों को राज्य और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वेबसाइटों से भी निरंतर जानकारी लेनी चाहिए।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बम विस्फोट, 4 नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद,08 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिले के एक व्यस्त बाजार में गुरुवार को एक पुलिस वाहन पर बम विस्फोट किया गया।

खबर के अनुसार पुलिस ने बताया कि बम विस्फोट में पुलिस वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है। मृतकों में राहगीर और दुकानदार हैं। यह विस्फोट वाना बाजार में मुख्य टैक्सी स्टैंड के पास भीड़भाड़ वाले समय में हुआ। विस्फोट होते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस वाहन के टैक्सी स्टैंड के पास रुकने के कुछ ही देर बाद बम विस्फोट हुआ। इससे कई दुकानों के शीशे टूट गए और भगदड़ मच गई। घायलों को जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल के चिकित्सकों ने पुष्टि की कि चार नागरिकों की मौत हो गई, जबकि दो घायलों की हालत भी गंभीर है। जिसमें कम से कम चार नागरिकों की मौत हो गई और दो पुलिसकर्मियों सहित 14 अन्य घायल हो गए। अभी तक किसी ने भी बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

घायलों में दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। वाना के डीएसपी शकीरुल्लाह ने बताया कि यह विस्फोट इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किया गया। दक्षिण वजीरिस्तान लोअर के उपायुक्त ने घटना की गहन जांच के आदेश दिए हैं।

हालांकि, पूर्व में ऐसे हमले प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने किए हैं, लेकिन अधिकारियों का दावा है कि टीटीपी सीमा पार अफगानिस्तान में अपने सुरक्षित ठिकानों से पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। अधिकारियों का कहना है कि हाल के महीनों में इस अशांत जिले के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा बलों, पुलिस और नागरिकों को निशाना बनाकर किए जाने वाले हमलों में तेजी से वृद्धि हुई है। वाना, बिरमल, शाकाई और लाधा जैसे इलाकों में अब ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं।

न्यूज ब्रीफ

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति उरीबे 12 साल तक रहेंगे नजरबंद, धोखाधड़ी और गवाहों को रिश्वत देने के केस में अदालत ने सुनाई सजा

बोगोटा (कोलंबिया)। देश के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को शुक्रवार को धोखाधड़ी और गवाहों को रिश्वत के

केस में 12 साल तक नजरबंद रखने की सजा सुनाई गई। उरीबे ने खुद को निर्दोष बताया है। बचाव पक्ष के वकील ने बोगोटा के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की घोषणा की है। खबर के अनुसार, 73 वर्षीय उरीबे को न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया ने चार दिन पहले इस केस में दोषी ठहराते हुए एक अभियोजक को कथित तौर पर रिश्वत देने के एक अन्य आरोप से बरी कर दिया था। उरीबे 2002 से 2010 तक कोलंबिया के राष्ट्रपति रहे हैं। वह देश के पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है। यह मामला 2012 का है। विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको पार्टी के उरीबे ने सत्तारूढ़ हिस्टोरिक पैक्ट के सीनेटर इवान सेपेडा पर एक अर्धसैनिक समूह के गठन से जोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। सेपेडा ने इन आरोपों से इनकार किया था। 2018 में नया मोड़ तब आया जब कोलंबियाई उच्चतम न्यायालय ने कथित गवाहों से छेड़छाड़ के लिए उरीबे के खिलाफ जांच शुरू करने का फैसला किया। मई 2024 में अभियोजक कार्यालय ने औपचारिक रूप से उन पर तीन अपराधों का आरोप लगाया। इसके बाद 67 दिनों तक मुकदमा चला। उरीबे ने अदालत की पूरी कार्यवाही के दौरान अपनी बेगुनाही का दावा किया।

पुतिन-ट्रंप के बीच जल्द होगी बैठक यूक्रेन युद्ध का निकल सकता है समाधान

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही

आमने-सामने की बैठक के लिए दोनों देश सहमत हो गए हैं। पुतिन ने संयुक्त अरब अमीरात में इस शिखर सम्मेलन के आयोजन का संकेत दिया है। 2021 के बाद राष्ट्रपति पुतिन के साथ किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की आमने-सामने यह पहली बैठक होगी जब पुतिन ने यूक्रेन सीमा के पास सैन्य जमावड़े को लेकर जिनेवा में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी। क्रेमलिन के अधिकारियों ने गुरुवार को घोषणा करते हुए कहा है कि व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आने वाले दिनों में एक बैठक पर सहमति बन गई है। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने रूसी सरकारी मीडिया को बताया कि अमेरिकी पक्ष के सुझाव पर आने वाले दिनों में एक द्विपक्षीय उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित करने के लिए प्रारंभिक सहमति बनी है। राष्ट्रपति पुतिन ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए संकेत दिया कि ट्रंप के साथ यह शिखर सम्मेलन संयुक्त अरब अमीरात में हो सकता है। हालांकि पुतिन ने उनके यूक्रेनी समकक्ष के साथ बैठक की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल को दूर की बात कहते हुए टाल दिया। गौरतलब है कि पुतिन और ट्रंप के बीच बैठक को लेकर सहमति की खबर तब सामने आई है जब अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने हाल ही में मास्को में पुतिन से मुलाकात की है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी पर अमेरिका ने 50 मिलियन डॉलर का इनाम घोषित किया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की राशि

को दोगुना करते हुए इसे 50 मिलियन डॉलर कर दिया है। मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम की यह राशि, अमेरिका की तरफ से आतंकी संगठन अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को पकड़ने के लिए घोषित की गई इनाम की राशि से दोगुनी है। अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स वीडियो जारी कर इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 50 मिलियन डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। वीडिया संदेश में पैम बॉन्डी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की अगुवाई में मादुरो बच नहीं पाएंगे और उन्हें उनके घृणित अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। अमेरिका ने मादुरो पर दुनिया के सबसे बड़े ड्रग तस्करों में शामिल सिनालोआ कार्टेल जैसे अपराधी समूह के साथ काम करने का आरोप लगाते हुए अमेरिका में फेंटेनाइल युक्त कोकीन की बाढ़ लाने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान साल 2020 में मैनहट्टन संघीय अदालत में मादुरो पर उनके कई करीबी सहयोगियों के साथ कोकीन आयात करने की साजिश के संघीय आरोपों में अभियोग लगाया गया था।

नेतन्याहू की गाजा में पूर्ण कब्जे की योजना के विरोध में इजराइल में हो रहा प्रदर्शन

तेल अवीव,08 अगस्त (एजेंसियां)।

इजराइल में सुरक्षा मंत्रिमंडल की कई घंटे तक चली बैठक के दौरान देशभर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। सुरक्षा मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा पर पूर्ण कब्जे के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दी है। यह बैठक देररात खत्म हुई। शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि बैठक में गाजा पर पूर्ण कब्जे को मंजूरी दी गई।

गाजा में हमास की कैद में रह रहे 50 बंधकों में से कुछ के परिवारों ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन कर सरकार से इस योजना को वापस लेने की गुहार लगाई। बंधक और लापता परिवार मंच ने जारी विज्ञप्ति में कहा, गाजा पर पूर्ण कब्जे का फैसला बंधकों को बलिदान करने जैसा है। फैसला लेते समय हमारी आंखों में झांकते। यह समय सभी 50 बंधकों को वापस लाने के लिए समझौता करने का था।

इस बीच गाजा में बचे बंधकों के परिवारों ने युद्ध को बढ़ाने की सरकार की योजना की कड़ी आलोचना की है। येहुदा कोहेन के बेटे निम्रोद अभी भी गाजा में बंदी हैं। येहुदा ने कहा, नेतन्याहू बंधकों के खिलाफ काम कर रहे हैं। जिस इलाके में बंधकों को रखा गया है, वहां की स्थिति को खराब कर रहे हैं। बंधक और लापता परिवार मंच से संबद्ध लियोर होरेव का कहना है कि युद्ध को लंबा खींचने का फैसला उन लोगों के लिए मौत की सजा होगा जो जिंदा हैं। जीवित और मृत बंधकों को हमास के पंजों से छुड़ाना मुश्किल हो जाएगा।

यरुशलम में प्रधानमंत्री कार्यालय के सामने टखनों और कलाइयों में मोटी जंजीरें पहने बंधकों के कुछ परिवारों ने मांग की कि कोई भी फैसला लेने से पहले उनकी आवाज सुनी जाए। यहां मीरान-लावी भी मौजूद थीं। उनके पति ओमरी मीरान 22 महीनों से गाजा में बंधक हैं। मीरान-लावी ने कहा, जब लड़ाई बढ़ाने की योजना का खुलासा हुआ, तो मैंने देश के नेतृत्व से मिन्नतें कीं। मैं यहां यह कहने आई हूं कि हमें अंदर आने दो, हमारी आंखों में देखो और बताओ कि तुम क्या करने वाले हो एक बार फिर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उधर, तेल अवीव में भी विरोध प्रदर्शन हुआ है। इजराइल के कई कस्बों और शहरों में लोगों ने नुक्कड़ सभाएं की हैं।

नेतन्याहू की गाजा में पूर्ण कब्जे की योजना से दक्षिणी इजराइल के किबुत्ज नीर ओज में एक पुनर्निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के लड़ाकों ने किबुत्ज नीर ओज में कब्जा कर लिया था। किबुत्ज उन समुदायों में से एक है जो आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुए थे। इस समुदाय का हर चार में से एक सदस्य या तो मारा गया या उसका अपहरण कर लिया गया। इस समुदाय के नौ लोग अभी भी गाजा में बंधक हैं। किबुत्ज के प्रतिनिधियों ने एक बयान में कहा, कैबिनेट के इस फैसले की हमेशा निंदा की जाएगी। अब समय आ गया है कि कहा जाए-बस।

हमास ने गुरुवार को इजराइली सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक से पहले कहा, नेतन्याहू की आक्रामक योजना से लगता है कि वह बंधकों को बलिदान करना चाहते हैं। इससे पहले इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने मंगलवार शाम नेतन्याहू के साथ एक बैठक में चेतावनी दी कि गाजा पर पूर्ण नियंत्रण से सेना उस परिक्षेत्र में फंस जाएगी और शेष बंधकों को खतरा बढ़ जाएगा। यही नहीं जमीर ने गुरुवार को सेना और राजनीतिक नेतृत्व के बीच मतभेदों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया।

मीर यार ने ट्रंप को पत्र लिखकर बलूचिस्तान गणराज्य को मान्यता देने का किया आग्रह

क्वेटा,08 अगस्त (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान आंदोलन के सदस्य और मानवाधिकार रक्षक मीर यार बलूच ने अमेरिका से बलूचिस्तान गणराज्य को मान्यता और समर्थन देने का आग्रह किया है। मीर यार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप को सात अगस्त को लिखे पत्र में कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य पाकिस्तान और ईरान के अवैध कब्जे वाला प्राचीन और संप्रभु राष्ट्र है। दुर्लभ खनिज, तेल, गैस, हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों से समृद्ध होने के बावजूद यहां के लोगों का दमन हो रहा है। मीर यार बलूच ने इस पत्र को अपने एक्स हैंडल पर भी साझा किया है। बलूच ने लिखा, पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर से आगामी यात्रा के दौरान पूछा जाना चाहिए कि पाकिस्तान किस कानून और नैतिक आधार पर बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा पर अपना दावा करता है मीर बलूच ने कहा कि मुनीर ऐसी संस्था का नेतृत्व करते हैं, जो पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान में घोर मानवाधिकार उल्लंघनों में व्यापक रूप से शामिल है। पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई न सिर्फ 40 हजार से ज्यादा बलूच नागरिकों के जबरन गायब होने के लिए जिम्मेदार हैं, बल्कि लंबे समय से ओसामा बिन लादेन समेत कई वैश्विक आतंकवादियों को पनाह देने से भी जुड़े रहे हैं। मीर यार बलूच ने लिखा है, अमेरिका ने 9/11 के बाद पाकिस्तान पर भरोसा करके एक गंभीर भूल की है। पिछले अमेरिकी प्रशासनों ने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान को बढ़ावा दिया है, जो आतंकवादियों को पनाह और कट्टरपंथ को बढ़ावा देता है। हाल के महीनों में आईएसआई की निगरानी में प्रशिक्षण केंद्रों में वृद्धि हुई है। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिका कट्टरपंथी पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों का नए सिरे से पुनर्मूल्यांकन करे। पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के तत्व लगातार कट्टरपंथी धार्मिक समूहों का इस्तेमाल पश्चिम-विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए करते रहे हैं। सार्वजनिक प्रदर्शनों में अमेरिका मुर्दाबाद और इजराइल मुर्दाबाद जैसे नारे खुलेआम लगाए जाते हैं। बलूच नेता मीर यार ने ट्रंप से बलूच नेतृत्व और प्रतिनिधियों से सीधी बातचीत का आह्वान किया है।

पीएम मोदी की चीन यात्रा की खबर आते ही अमेरिका के बदले सुर, कहा- खुले हैं बातचीत के दरबाजे

वॉशिंगटन। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। ये खबर आते ही अमेरिका के सुर बदल गए। व्हाइट हाउस से बयान आया कि भारत उसका रणनीतिक साझेदार है और उनके लिए बातचीत के दरवाजे खुले हुए हैं। इससे पहले बयान आया था कि भारत से अब अमेरिका किसी तरह की कोई बातचीत नहीं करेगा। पीएम मोदी के चीन दौरे को लेकर अमेरिका के व्हाइट का बयान आया है। दरअसल, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूएस डिपार्टमेंट को डिप्टी स्पोक्सपर्सन टॉमी पिगॉट से पत्रकारों ने पीएम मोदी के दौरे को लेकर सवाल किया, तो यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने बताया कि भारत हमारा एक रणनीतिक साझेदार बताते हुए पूर्ण और स्पष्ट बातचीत जारी रखने की बात कही है। उन्होंने कहा, 'भारत एक रणनीतिक साझेदार है। हम हर बार 100 प्रतिशत सहमत नहीं होते और राष्ट्रपति ट्रंप अपनी चिंताओं को लेकर स्पष्ट रहे हैं।'वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने पिगॉट से पूछा कि क्या चीन और अन्य ब्रिक्स देश अमेरिका के ट्रेड वार को लेकर विरोध का नेतृत्व करने की कोशिश कर रहे हैं इस पर उनका जवाब आया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि भारत के साथ बातचीत 'जारी रहेगी।

नेपाल पुलिस ने किया किडनी तस्कर के अंतर्देशीय गिरोह का भंडाफोड़

काठमांडू,08 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाली युवकों को भारत के नौकरी का झांसा देकर ले जाने तथा उनकी किडनी निकल कर बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया किया है। इस मामले में पुलिस ने कुछ लोगों की गिरफ्तारी भी की है।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इस संगठित और सीमा पार मानव अंग तस्करी अपराध में नेपाल के तीन व्यक्तियों की संलिप्तता थी जो कि काभ्रेपलाञ्चोक और नुवाकोट जिले के रहने वाला बताया गया है।

नेपाल पुलिस के एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग ब्यूरो के अनुसार, गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में 35 वर्षीय राजकुमार परियार (जिसे कुमार के नाम से जाना जाता है), 24 वर्षीय समीर नेपाली और 47 वर्षीय राकेश नेपाली शामिल हैं। ब्यूरो के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कृष्ण प्रसाद पंगेनी ने बताया कि संदिग्धों को काठमांडू और काभ्रे से बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी पंगेनी ने कहा कि आरोपी ने मई 2025 में एक पुरुष को काठमांडू के कोटेश्वर से भैरहवा में सुनौली सीमा के रास्ते चंडीगढ़ ले जाया था। पुलिस की जांच से पता लगा है कि किडनी तस्कर गिरोह ने इस युवक को चंडीगढ़ के एक होटल में काम दिलाने और मासिक रूप से 10,000 से 20,000 रुपये वेतन मिलने का वादा करते हुए लुभाया। पीड़ित को वहाँ एक अपार्टमेंट में रखा गया था और एक अज्ञात क्लिनिक में मेडिकल चेकअप कराया गया था।

उसे लगभग एक महीने तक वहाँ रखने के बाद, तस्करों ने उस युवक को 6 लाख रुपए का लालच देते हुए किडनी निकलवाने को कहा। हालाँकि, जब पीड़ित युवक ने शुरू में अपनी किडनी दान करने से इनकार कर दिया।

एसएसपी पंगेनी ने कहा कि पीड़ित युवक को अस्पताल का बकाया खर्च का हवाला देते हुए का बकाया होने का दावा किया। पीड़ित के बयान के आधार पर एसएसपी पंगेनी ने बताया कि तस्करों ने डर और धमकी का इस्तेमाल किया और जबरन उसकी बाईं किडनी को हटा दिया। किडनी हटाने के कुछ दिनों बाद आरोपी ने इस पीड़ित को चार अन्य लोगों के साथ नेपाल वापस भेज दिया।

दिल्ली एयरपोर्ट से 40 नेपाली महिलाओं को डिपोर्ट करके वापस भेजा गया

काठमांडू,08 अगस्त (एजेंसियां)।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 40 नेपाली महिलाओं के एक समूह को उस समय डिपोर्ट किया गया, जब वो बिना उचित अनुमति यात्रा वीजा पर विभिन्न खाड़ी देशों में रोजगार के लिए जाने वाली थी। इन महिलाओं के पास विदेश में नौकरी के लिए नेपाली दूतावास के नाम का फर्जी अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला है, इसलिए इन्हें नई दिल्ली में नेपाली दूतावास के समन्वय से हिरासत में ले लिया गया।

नेपाली दूतावास के उपनियोग प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र थापा ने बताया कि सामान्य पूछताछ के बाद इन सभी महिलाओं को सड़क मार्ग से वापस नेपाल भेजने की तैयारी की जा रही है। नेपाल के सुनौली भैरहवा सीमा पर इनको नेपाली अधिकारियों को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि नेपाल के एयरपोर्ट पर कड़ाई किए जाने के बाद अधिकांश महिला अब दिल्ली पहुंचकर वहां से खाड़ी मुल्कों में जाने के लिए विमान पकड़ती हैं। डॉ. थापा ने बताया कि गुरुवार को दिल्ली एयरपोर्ट से डिपोर्ट की गई महिलाएं दुबई, कतर, ओमान, इराक आदि देशों में जाने की तैयारी में थी। इससे पहले भी पिछले हफ्ते ही नेपाल की 47 महिलाओं को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर उन्हें नेपाल वापस भेज दिया गया था। उस घटना के बाद गृह मंत्री रमेश लेखक ने नेपाल में सक्रिय गिरोह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, जो महिलाओं को नौकरी का झांसा देकर दिल्ली के रास्ते खड़ी मुल्कों में भेजने का काम करते हैं।

प्रधानमंत्री ओली और विदेश मंत्री राणा ने उत्तराखंड में लापता नेपाली नागरिकों के बारे में चिंता जताई

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने भारत के उत्तराखंड में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ में कई नेपाली नागरिकों के लापता होने की खबर पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ओली ने भारतीय विदेश मंत्रालय और दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास को लापता नागरिकों का पता लगाने के निर्देश दिए हैं। तुर्कमेनिस्तान की यात्रा पर गए प्रधानमंत्री ओली ने उत्तराखंड की बाढ़ में दो दर्जन नेपाली नागरिकों के लापता होने पर दुख व्यक्त करते हुए उनकी स्थिति का पता लगाने के लिए भारत सरकार के साथ समन्वय किए जाने की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ओली शुक्रवार की शाम तक नेपाल लौटने वाले हैं। उन्होंने एक संदेश जारी करते हुए उत्तराखंड में आई बाढ़ से हुए जनधन के नुकसान पर दुख व्यक्त जताया। साथ ही इस घटना में लापता हुए नेपाली नागरिकों की वास्तविक स्थिति को लेकर विदेश मंत्रालय और दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास को निर्देश दिए जाने की बात कही गई है। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने कहा कि नेपाल सरकार लापता नागरिकों का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए राजनयिक उपाय शुरू कर चुकी है। उन्होंने नई दिल्ली में नेपाली दूतावास को खोज और बचाव कार्यों के लिए भारत सरकार के साथ तत्काल समन्वय करने का निर्देश दिया है।

28 अगस्त से बेंगलुरू में शुरू होगी दलीप ट्रॉफी 2025, सभी 6 टीमें घोषित हुईं, 11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा फाइनल

मुम्बई,08 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 28 अगस्त से बेंगलुरु में होगी। इस टूर्नामेंट में शामिल हो रही सभी 6 टीमें साउथ जोन, सेंट्रल जोन, वेस्ट जोन, ईस्ट जोन, नॉर्थ जोन और नॉर्थईस्ट जोन घोषित कर दी गयी हैं। टूर्नामेंट के सभी मैच सेंटर ऑफ एक्सेलेंस, बेंगलुरु में खेले जाएंगे। वहीं फाइनल मैच 11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा। 28 अगस्त से 31 अगस्त तक नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन, सेंट्रल जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मैच खेला जाएगा। इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करने वाली टीमें 4 से 8 सितंबर के बीच वेस्ट जोन और साउथ जोन से खेलेंगी। फाइनल 11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में शुभमन गिल, यशस्वी जायस्वाल और शार्दुल ठाकुर भी खेलते दिखेंगे।

नॉर्थ जोन टीम – शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर)। नॉर्थ ईस्ट जोन टीम की घोषणा फिलहाल नहीं की गई है।

वेस्ट जोन टीम – शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्य देसाई, हरविक देसाई, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, ऋतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवले, शम्स मुलानी, तनुश कोटियान, धर्मेंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, अरजान नागवासवाला।

साउथ जोन टीम – तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उप-कप्तान और विकेटकीपर), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीशन (विकेटकीपर), टी विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैशाख, एमडी निदीश, रिकी भुई, बेसिल एनपी, गुरजपनीत सिंह और स्नेहल कौठनकर।

सेंट्रल जोन टीम – ध्रुव जुरेल (कप्तान और विकेटकीपर), रजत पाटीदार (उपकप्तान), अर्यन जुरेल (विकेटकीपर), दिनेश मलवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभमन शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद।

न्यूज ब्रीफ

कनाडियन ओपन में 18 वर्षीय विक्टोरिया म्बोको ने ओसाका को हराकर जीता खिताब

मैक्सिको सिटी। कनाडा की युवा टेनिस खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को 2-6, 6-4, 6-1 से हराकर अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया। 18 वर्षीय म्बोको ने शुरुआती सेट हारने के बाद शानदार वापसी की। पहले सेट में जापान की पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 ओसाका ने 3-0 की बढ़त बना ली थी, जबकि म्बोको सर्विस एरर से जूझ रही थीं। दूसरे सेट में म्बोको ने लय हासिल की और ब्रेक लेकर 5-2 की बढ़त बनाई। ओसाका वापसी नहीं कर सकीं और खराब रिटर्न के कारण म्बोको ने मैच को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में चौथे गेम में चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर म्बोको ने 3-1 की बढ़त बनाई और फिर 2 घंटे 4 मिनट में मैच व खिताब अपने नाम कर लिया। खिताब जीतने के बाद म्बोको ने कहा, मैं नाओमी का इस शानदार मैच के लिए धन्यवाद करती हूं। बचपन से ही मैं उन्हें अपना आदर्श मानती रही हूं। ऐसे शानदार खिलाड़ी के साथ खेलना हमेशा खास होता है। उन्होंने आगे कहा, मैं इससे ज्यादा आभारी नहीं हो सकती। विश्व रैंकिंग में 85वें पायदान पर काबिज म्बोको ओपन एरा में पहली कनाडाई खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियंस सोफिया केनिन, कोको गॉफ और एलेना राइबाकिना को हराया। मातृत्व अवकाश के बाद ओसाका अपने करियर को पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं। इस हार के साथ वह खिताबी सूखे को खत्म करने में नाकाम रहीं। उनका आखिरी खिताब 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन में आया था।

प्री-सीजन फ्रेंडली: बायर्न म्यूनिख ने टॉटनहैम हॉटस्पर को 4-0 से हराया

म्यूनिख। बायर्न म्यूनिख ने गुरुवार को खेले गए प्री-सीजन फ्रेंडली मैच में टॉटनहैम हॉटस्पर को 4-0 से मात दी। इंग्लैंड के कप्तान और टॉटनहैम के ऑल-टाइम टॉप स्कोरर हैरी केन ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ पहला गोल किया। केन ने 12वें मिनट में पेनल्टी बॉक्स के अंदर से शानदार फिनिश के साथ टीम को बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद बायर्न को बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला, जब जोआओ पल्हिन्हा ने पेनल्टी दी। हालांकि, केन का शॉट बार के ऊपर चला गया। यह 2022 फीफा विश्व कप क्वार्टरफाइनल (फ्रांस के खिलाफ) के बाद पहली बार था जब केन पेनल्टी पर चूके। दूसरे हाफ के 61वें मिनट में किंग्सले कोमन ने बॉक्स के किनारे से शानदार कर्लिंग शॉट मारकर स्कोर 2-0 कर दिया। मैच के अंतिम पलों में बायर्न के युवा खिलाड़ियों लेनार्ट कार्ल और जोना कुसी-असारे ने एक-एक गोल दागा और जीत 4-0 से पक्की कर दी। केन 2023 की गर्मियों में 100 मिलियन यूरो (87 मिलियन) के ट्रांसफर पर टॉटनहैम छोड़कर बायर्न से जुड़े थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना

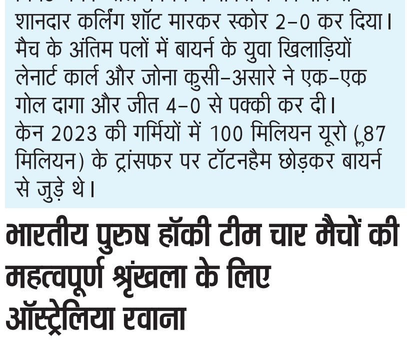

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई। टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज खेलेगी। यह दौरा इस महीने के अंत में राजगीर, बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप 2025 की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी विश्व की शीर्ष टीम के खिलाफ खेलना भारतीय खिलाड़ियों को बहुमूल्य अनुभव देगा, जिससे कोचिंग स्टाफ को संयोजन परखने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन करने का अवसर मिलेगा। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रवाना होने से पहले कहा,ऑस्ट्रेलिया की घरेलू परिस्थितियों में खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है और यही हमें इस समय चाहिए। यह सीरीज़ हमारे एशिया कप की तैयारी का अहम चरण है। हम एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत विपक्ष के खिलाफ खुद को परखने और राजगीर में गति बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा,कैम्प में माहौल सकारात्मक है। हमने अच्छा ट्रेनिंग ब्लॉक पूरा किया है और अब उसे मैदान पर उतारने का समय है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कोच टिम नीलसन संभालेंगे ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम की कमान

मेलबर्न,08 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई मुख्य कोच टिम नीलसन को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है। वे भारत अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज़ से अपनी नई भूमिका की शुरुआत करेंगे। इस सीरीज़ को आगामी अंडर-19 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ सीरीज़ के लिए 15 सदस्यीय ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम की घोषणा की है। यह सीरीज़ सितंबर से ब्रिसबेन और मैकाय में खेली जाएगी जिसमें तीन 50-ओवर के मुकाबले और दो चार दिवसीय युवा टेस्ट मैच शामिल होंगे।

वनडे मुकाबले: 21, 24 और 26 सितंबर को ब्रिसबेन के इयान हीली ओवल में खेले जाएंगे, जबकि पहला युवा टेस्ट 30 सितंबर से ब्रिसबेन में, दूसरा युवा टेस्ट 7 अक्टूबर से मैकाय में खेला जाएगा।

ऑलराउंडर ओलिवर पीक नहीं होंगे टीम का हिस्सा

टीम में ओलिवर पीक को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वे उसी समय ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ भारत दौरे पर रहेंगे। पीक ने पिछले वर्ष भारत में हुए युवा टेस्ट में शतक जमाया था और हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के लिए श्रीलंका ए के खिलाफ 92 रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। हालांकि वे अगले साल होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए अब भी पात्र हैं, लेकिन उनका व्यस्त घरेलू सीज़न और बीबीएल में मेलबर्न रेनेगेड्स से अनुबंध उनके चयन को अनिश्चित बनाता है। टिम नीलसन का कोचिंग में पुनरागमन 57 वर्षीय टिम नीलसन 2007 से 2011 तक ऑस्ट्रेलिया सीनियर टीम के कोच रह चुके हैं और इससे पहले वे जॉन बुकानन के सहायक कोच भी रहे हैं। उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भी कोचिंग की है। हाल ही में 2024 में वे पाकिस्तान की टेस्ट टीम के हाई परफॉर्मेंस कोच बने थे। नीलसन अब एक बार फिर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के डेवलपमेंट रोल में लौटे हैं, जहां वे लॉकलन स्टीवंस के इस्तीफे के बाद इस भूमिका को संभालेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की हेड ऑफ नेशनल डेवलपमेंट सोन्या थॉम्पसन ने कहा, हम इस बहु-प्रारूप दौरे के माध्यम से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव देने और उनकी स्किल को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। यह सीरीज़ आगामी अंडर -19 वर्ल्ड कप के लिए हमारी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने लगाई हैट्रिक, अल नास्र ने रियो आवे को 4-0 से हराया

नई दिल्ली। पुर्तगाल के एस्टाडियो डो अल्गार्वे में खेले गए प्री-सीजन फ्रेंडली मैच में शुक्रवार (भारतीय समयानुसार) को क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाकर अपनी टीम अल नास्र को रियो आवे के खिलाफ 4-0 की जोरदार जीत दिलाई। मैच की शुरुआत में ही 15वें मिनट में मोहम्मद सिमाकान ने गोल कर अल नास्र को बढ़त दिलाई। हाफ टाइम से ठीक पहले रोनाल्डो ने नए साथी खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियो आवे ने वापसी की कोशिश की, लेकिन डिफेंडर नेल्सन एबी की गलती से पेनल्टी मिल गई। रोनाल्डो ने यह मौका साथी खिलाड़ी सादियो माने को दिया, लेकिन माने गोल करने में नाकाम रहे। मात्र 16 सेकंड बाद रोनाल्डो ने हेडर से अपना दूसरा गोल कर दिया। एबी की परेशानी यहीं खत्म नहीं हुई और उन्होंने फेलिक्स को बॉक्स में फाउल कर एक और पेनल्टी दे दी। इस बार रोनाल्डो ने खुद जिम्मेदारी संभाली और सहजता से गोल कर हैट्रिक पूरी की। रोनाल्डो 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद अल नास्र से जुड़े थे और तब से अब तक 105 मैचों में 93 गोल कर चुके हैं। हाल ही में क्लब के फीफा क्लब वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई न करने के बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें थीं, लेकिन उन्होंने दो साल के लिए करार बढ़ाकर सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया। अल नास्र अब अपना अगला प्री-सीजन मैच 10 अगस्त को स्पेन की सेकेंड डिवीजन टीम यूडी अल्मेरिया के खिलाफ खेलेगा, जबकि 19 अगस्त को सऊदी सुपर कप सेमीफाइनल में अल इत्तिहाद के खिलाफ अपने सीजन की शुरुआत करेगा।

मनीषा कल्याण ने अस्मिता लीग को बताया युवा खिलाड़ियों के लिए दुर्लभ मंच

गुवाहाटी,08 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत की स्टार महिला फुटबॉलर और दो बार की एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर मनीषा कल्याण ने शुक्रवार को गुवाहाटी के नेहरू स्टेडियम में आयोजित अस्मिता अंडर-13 गर्ल्स लीग में शिरकत की। यूईएफए महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली एकमात्र भारतीय फुटबॉलर मनीषा ने कहा कि अस्मिता लीग युवा लड़कियों के फुटबॉल सपनों को साकार करने का एक दुर्लभ मंच है।

मनीषा ने टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 8 टीमों से कहा, मैं अब भी फीफा वर्ल्ड कप और ओलंपिक खेलने का सपना देख रही हूं। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद हमारा विश्वास और बढ़ा है। जितने ज्यादा गुणवत्तापूर्ण मैच खेलोगे, उतने बेहतर बनोगे। मनीषा ने कहा, नॉर्थ ईस्ट के लोगों के खून में फुटबॉल है। यहां से नेशनल टीम में 11 खिलाड़ी हैं। आने वाले समय में यहां से कई खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सरकार के सहयोग से खेल का माहौल बेहतर हो रहा है।

मनीषा के साथ असम की दो उभरती खिलाड़ी रेखा कतकी और दोसमी रोवतिया भी मौजूद थीं। दोनों अस्मिता लीग से निकलकर असम फुटबॉल में बड़ा नाम बना रही हैं। दोसमी नेशनल कैंप में जगह बना चुकी हैं, जबकि रेखा ने इंडियन वूमेंस लीग डिवीजन-2 में नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड एफसी की कप्तानी की है।

खेल मंत्रालय की 'स्पोर्ट्स फॉर वुमेन' योजना के तहत अस्मिता के तहत पूर्वोत्तर में फुटबॉल लीगों की संख्या 2022-23 से पांच गुना बढ़ी है। 2024-25 में 25 फुटबॉल लीग में 1615 लड़कियों ने भाग लिया, जबकि 2025-26 में 15 खेल विधाओं में 852 अस्मिता लीग आयोजित होने की योजना है, जिनमें 70,000 से अधिक महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि नॉर्थ ईस्ट-विशेष खेलो इंडिया गेम्स को कैलेंडर में जोड़ा जाएगा। मनीषा ने इसे शानदार पहल बताते हुए कहा कि इससे इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को और अधिक अवसर व एक्सपोजर मिलेगा।

सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में हारीं पूर्व नंबर-1 टेनिस स्टार वीनस विलियम्स

सिनसिनाटी। करीब एक साल से अधिक समय बाद पिछले महीने कोर्ट पर लौटी पूर्व नंबर-1 टेनिस स्टार वीनस विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में स्पेन की जेसिका बोजास मानेइरो से 6-4, 6-4 से हार गईं। यह मुकाबला गुरुवार (भारतीय समयानुसार शुक्रवार) को खेला गया। सात बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन वीनस अब अगले टूर्नामेंट यूएस ओपन की तैयारी करेंगी, जहां उन्हें रायली ओपेल्का के साथ मिक्स्ड डबल्स के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। यह मुकाबले 19 अगस्त से शुरू होंगे। वीनस 14 ग्रैंड स्लैम डबल्स खिताब अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ और दो मिक्स्ड डबल्स खिताब जीत चुकी हैं। विश्व रैंकिंग में 51वीं पायदान पर काबिज 22 वर्षीय बोजास मानेइरो ने पिछले हफ्ते मॉन्ट्रियल में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टरफाइनल खेला था। दिलचस्प बात यह है कि जब वीनस ने अपने पहले चार ग्रैंड स्लैम खिताब जीते थे, तब मानेइरो का जन्म भी नहीं हुआ था। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद वीनस को सर्विस गेम में संघर्ष करना पड़ा। वीनस ने पिछले महीने डीसी ओपन में पेटन स्टर्न्स को हराकर दो दशक से अधिक समय में मैच जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला का रिकॉर्ड बनाया था। यह उनका 16 महीने बाद पहला टूर्नामेंट और 2023 सिनसिनाटी ओपन के बाद पहली जीत थी।

ब्रेंडन टेलर ने सबसे लंबे टेस्ट केरियर के मामले में जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ा

बुलावाये,08 अगस्त (एजेंसियां)।

जिम्बाब्वे के ब्रेंडन टेलर ने साढ़े तीन साल के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए अपने पहले ही मैच में सबसे लंबे टेस्ट करियर (21 साल 93 दिन) के इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के रिकार्ड को तोड़ दिया है।

टेलर ने ये रिकार्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में बनाया। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेलर पर जनवरी 2022 में प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के तहत 2019 की एक घटना से जुड़े चार आरोपों को स्वीकार किया था।

उन्होंने कहा था कि उन्होंने भारत के व्यवसाइयों से 15,000 डॉलर स्वीकार किए थे, जिन्होंने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मैच फिक्स करने के लिए लिए थे पर कोई मैच मैच फिक्स नहीं किया। उन्हें प्रतिबंधित स्टिमुलेंट बेंजॉयलकोग्नाइन की जांच में पॉजिटिव पाये जाने के कारा डोपिंग उल्लंघन का भी दोषी पाया गया था।

ब्रेंडन टेलर करीब 3 साल 10 महीने बाद जिम्बाब्वे की प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में सफल रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार सितंबर 2021 में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। जिम्बाब्वे इस साल अपना 9वां टेस्ट खेलने उतरा है। पिछली बार उन्होंने 9 से ज्यादा टेस्ट मैच 2001 में खेले थे, जब उन्होंने एक साल में 11 टेस्ट खेले थे। अपने 35वें टेस्ट में खेलते हुए टेलर ने 21वीं सदी में पदार्पण करने वाले सभी क्रिकेटरों में सबसे लंबे टेस्ट करियर के मामले में एंडरसन को पीछे छोड़ दिया। अब उनके आगे केवल भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ही हैं। तेंदुलकर ने 24 साल तक अंतराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था।

रेप के आरोप में पाकिस्तानी क्रिकेटर हैदर अली गिरफ्तार

लंदन,08 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान का एक क्रिकेटर इंग्लैंड दौरे में गिरफ्तार हुआ है। हैदर अली नाम के इस क्रिकेटर पर बलात्कार का आरोप लगा है। जिससे पाक टीम एक बार फिर विवादों में आ गयी है। हैदर अली को मैच के दौरान ही पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह पाक ए टीम शाहीन के साथ इंग्लैंड के दौरे पर था। पाक क्रिकेटर पर एक लड़की ने बलात्कार का आरोप लगाया था। इस मामले के सामने आने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उसे निलंबित कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार हैदर को ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बेकेनहम मैदान से पकड़ा। ग्राउंड से गिरफ्तार किया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार उसपर पाक मूल की ही एक लड़की ने बलात्कार का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने हैदर का पासपोर्ट जब्त कर लिया है हलांकि उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया है। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा। पीसीबी ने हैदर को तब तक निलंबित कर दिया है जब तक इस मामले में उनपर कोई फैसला नहीं आता। बोर्ड के एक प्रवक्ता ने कहा, हमें इस मामले और जांच के बारे में बताया गया। हमने जांच पूरी होने तक हैदर को निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हैदर गिरफ्तार के बाद रोने लगा था। उसका कहना था कि वह वह निर्दोष है। पाक शाहीन टीम 17 जुलाई से 6 अगस्त तक यूके के दौरे पर थी। इस दौरान उसने दो तीन-दिवसीय मैच खेले, जो दोनों ड्रॉ रहे, और तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज जीती। पाक के अधिकतर खिलाड़ी कप्तान स्वदेश लौट गये हैं।

धवन को आई बेटे जोरावर की याद, भावुक पोस्ट भी साझा की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय रहते हैं। धवन ने अब एक पोस्ट साझा की इसमें वह अपने बेट जोरावर सिंह को याद कर भावुक हो गये। धवन ने अपनी पोस्ट में बेटे जोरावर को लेकर एक संदेश भी लिखा है। धवन का अपनी पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक हो गया था। इसके बाद से उनका बेटा जोरावर ऑस्ट्रेलिया में अपनी मां आयशा के साथ रहता है। अदालत के आदेश के अनुसार, धवन को भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों में जोरावर से मिलने की अनुमति है और वह निर्धारित वीडियो कॉल के जरिये भी उससे संपर्क कर सकते हैं। धवन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ' डब्ल्यूसीएल में जब मैंने दोस्तों को अपने बच्चों के साथ खेलते देखा तब लगा कि काश जोरावर यहां होता। यह एक अलग तरह की खुशी होती। बाद में, मुझे उसके बचपन की कुछ तस्वीरें मिलीं जिससे कई यादें ताजा हो गयीं। कुछ पल वास्तव में दिल के सबसे करीब रहते हैं।

सर्राफा बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

नई दिल्ली,08 अगस्त (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 200 रुपये से 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,560 रुपये से लेकर 1,02,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 94,010 रुपये से लेकर 94,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,17,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,02,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 94,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 94,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,02,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 94,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,02,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 94,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 94,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,02,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 94,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

स्टेट बैंक का पहली तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 12 फीसदी बढ़कर 19,160 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 जून को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 12 फीसदी बढ़कर 19,160 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 17,035 करोड़ रुपये रहा था। स्टेट बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को जानकारी दी कि अप्रैल-जून की तिमाही में उसकी कुल आय भी बढ़कर 1,35,342 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,22,688 करोड़ रुपये थी। बैंक की अर्जित ब्याज आय बढ़कर 1,17,996 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 1,11,526 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक परिचालन लाभ भी सालाना आधार पर 26,449 करोड़ रुपये से बढ़कर 30,544 करोड़ रुपये हो गया। इसके साथ ही जून तिमाही के अंत में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर 1.83 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 2.21 प्रतिशत थी। इसी प्रकार शुद्ध एनपीए यानी खराब ऋण भी सालाना आधार पर 0.57 फीसदी से घटकर 0.47 प्रतिशत रह गया है।

व्यापार कूटनीति, नीतिगत संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती: जयंत चौधरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है और व्यापार कूटनीति, नीतिगत संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती है। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने यहां फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित 16वें वैश्विक कौशल शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए अमेरिका के भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय उद्योग द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन और एकजुटता के प्रति संवेदनशील है। जयंत चौधरी ने कहा, वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर प्रतीत होती है। निश्चित रूप से हमें उद्योग जगत से पूर्ण समर्थन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह एक प्रकार की बातचीत है, आप इसे एक प्रकार की लड़ाई कह सकते हैं, जिसमें भारत सरकार वर्तमान में लगी हुई है, लेकिन हमने निर्णय लिया है कि व्यापार कूटनीति नीतिगत संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकती। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ़्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ़ लगाने का ऐलान किया था, जो 7 अगस्त से प्रभावी हो गया। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद पर भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया। भारत पर लगाया गया ये टैरिफ़ दुनिया में किसी भी देश पर अमेरिका द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा टैरिफ़ में से एक है।

जोमैटो ने शाहरुख खान को बनाया ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। ऑनलाइन खाद्य वितरण कंपनी जोमैटो ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह घोषणा जोमैटो के नए मार्केटिंग अभियान 'फ्यूल योर हसल' के तहत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य उन लोगों से जुड़ना है जो मेहनत, निरंतरता और सफलता में विश्वास रखते हैं। जोमैटो के विपणन प्रमुख ने कहा कि शाहरुख खान अपने समर्पण और प्रेरणादायक सफर के कारण लाखों लोगों के आदर्श हैं। वहीं, शाहरुख ने जोमैटो को मेहनत, नवाचार और स्वादिष्ट भोजन से जुड़ी एक दिलचस्प यात्रा बताया। इस साझेदारी के जरिए जोमैटो भारत के हर कोने तक अपनी पहुंच और ब्रांड की साख को और मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत की...

फॉर्मेट की कोई रणनीति बना सकें जिससे ट्रंप के दबाव का माकूल जवाब दिया जा सके।

भारत अपनी विदेश नीति में स्वायत्तता पर जोर देता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत के रूस और अन्य देशों के साथ रिश्ते स्वतंत्र हैं और इन्हें किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। ट्रंप के टैरिफ के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीद जारी रखने और अपनी आर्थिक नीतियों को मजबूत करने का फैसला किया है।

भारत-चीन...

ग्लोबल टाइम्स ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर भी चीन के भारत के प्रति समर्थन के पोस्ट डाले हैं, जो लगातार वायरल हो रहे हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ग्लोबल टाइम्स ने हिंदू कहावत का जिक्र करते हुए हिंदी-चीनी को भाई-भाई बताया। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है, जैसा कि हिंदू कहावत है कि अगर आप अपने बंधु की सहायता करेंगे तो आपकी मदद अपने आप हो जाएगी। एक अच्छे भारतीय-चीन संबंध क्षेत्र में और विश्व में सकारात्मक प्रभाव लाएंगे।

ग्लोबल टाइम्स ने यह भी लिखा है, हम शुभेच्छा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन में स्वागत करते हैं ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हो और एक नया अध्याय शुरू हो जहां भारतीय और चीनी भाई-भाई बनकर साथ-साथ रहें। इस पोस्ट के साथ ग्लोबल टाइम्स ने एक संपादकीय शेयर किया है। जिसका शीर्षक है, आखिर क्यों पीएम मोदी की चीन आने की खबर ने खींचा वैश्विक ध्यान? इस लेख में भारत और चीन की प्राचीन सभ्यता, बढ़ती जनसंख्या, उभरती अर्थव्यवस्था की बात है। साथ ही इसमें ये भी कहा गया है कि दोनों ही देश इस समय उस पड़ाव पर हैं कि वे वैश्विक ध्यान अपनी ओर खींच सकते हैं।

संपादकीय में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर के चीन दौरे की चर्चा है। साथ ही यह भी लिखा है कि अगर मोदी इस बार चीन आते हैं तो चीन-भारत के सकारात्मक संबंधों को धार मिलेगी। दिलचस्प बात यह है कि चीनी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स जो पिछले कुछ वर्षों से लगातार सिर्फ भारत विरोधी बात करने के लिए कुख्यात रहा है, उसने अपने इस आर्टिकल में पश्चिमी मीडिया को भी घेरा है जो टैरिफ विरोध को अमेरिका के विरुद्ध दिखा रहे हैं। लेख में कहा गया है कि चीन और भारत के बीच सुधरते हालात अमेरिका अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत भारत को चीन के विरुद्ध करना चाहता है।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार डील को लेकर हो रहे विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कर दिया है कि वो अपने देश के किसानों के हित के विरुद्ध नहीं जाएंगे। उनके लिए देश के किसानों का हित ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी कीमत पर भारत अपने देश के किसानों, मछुआरों और डेयर कृषकों के साथ समझौता नहीं करेगा। पीएम मोदी ने यह भी कहा है कि वो अच्छे से जानते हैं कि इसकी उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन वो इसके लिए तैयार हैं और कोई भी दबाव पड़ने पर पीछे नहीं हटेंगे।

एनसीईआरटी सिलेबस...

ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान कार्रवाई में बलिदान हुए भारतीय सेना के सर्वोच्च रैंकिंग अधिकारी थे। एक मुस्लिम के रूप में उस्मान भारत की समावेशी धर्मनिर-पेक्षता का प्रतीक बन गए। भारत के विभाजन के समय उन्होंने कई अन्य मुस्लिम अधिकारियों के साथ पाकिस्तान सेना में जाने से इंकार कर दिया और भारतीय सेना के साथ सेवा जारी रखी। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी सैनिकों से लड़ते हुए 3 जुलाई, 1948 में वह बलिदान हो गए थे। उन्हें दुश्मन के सामने बहादुरी के लिए भारत के दूसरे सबसे बड़े सैन्य पदक महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

मेजर सोमनाथ शर्मा ने 1947 में भारत-पाक युद्ध लड़ा और 03 नवम्बर, 1947 को श्रीनगर विमान क्षेत्र से पाकिस्तानी घुसपैठियों को बेदखल करते समय वीरगति को प्राप्त हो गये। राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले मेजर शर्मा को परमवीर चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया था।यह पहली बार था जब इस पुरस्कार की स्थापना के बाद किसी बलिदानी को सम्मानित किया गया था। मेजर शर्मा के भाई की पत्नी सावित्री बाई खानोलकर परमवीर चक्र की डिजाइनर थी ।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक को प्रमुख राष्ट्रीय स्थल के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के तहत रक्षा मंत्रालय ने स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ साझेदारी की है। इस स्मारक की स्थापना सभी नागरिकों में देशभक्ति, उच्च नैतिक मूल्यों, त्याग, राष्ट्रीय भावना और अपनत्व की भावना जगाने के साथ-साथ राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे वीर सैनिकों को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए की गई थी। बलिदानियों की कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल करने से छात्रों को न केवल भारत के सैन्य इतिहास की जानकारी मिलेगी, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर महत्व-पूर्ण जीवन के सबक भी सीखेंगे।

घुसपैठियों को...

मैंने तो मोदीजी की ओर से अपने पाई-पाई का हिसाब दे दिया है। अगर उन दोनों ने कुछ किया हो तो यहीं मैदान में आकर जवाब दीजिए। यहां आने के बाद मां जानकी का आशीर्वाद भी ले लीजिएगा, आपका उद्धार होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार के सीतामढ़ी में पुनौरा धाम मंदिर के भूमिपूजन-शिलान्यास के बाद कहा कि मिथिलांचल-सीतामढ़ी ही नहीं, बिहार, देश और दुनिया के लिए यह शुभ दिन है। उन्होंने कहा माता सीता का जन्म जहां हुआ, उस पुनौराधाम मंदिर में यह काम हो रहा है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार का अभिनंदन करते हुए कहा कि बिहार सरकार ने इस धाम के विकास का बड़ा काम किया है। उन्होंने कहा, आज मैं यहां आया हूं तो एक बात बताना चाहता हूं कि यह जो हमारा मिथिलांचल है, यह मिथिला की ही संस्कृति नहीं है। यह भारतीय संस्कृति का अनन्य गहना है। यहां अकाल के दौर में राजा जनक ने हल चलाया तो मां जानकी प्रकट हुईं। उस दिन बारिश के लिए राजा जनक ने हल चलाया था और आज भूमि पूजन पर भी बारिश हो रही है। उन्होंने कहा कि 890 करोड़ रुपए की लागत से यहां मां जानकी का भव्य स्मारक और मंदिर बन रहा है। 137 करोड़ रुपए मौजूदा मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए खर्च होगा। शाह ने मंदिर में किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की भी चर्चा की। उन्होंने कहा, भारत की सुरक्षा के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कटिबद्ध हैं। एक जमाने में कांग्रेस का शासन था तो देश भर में बम धमाके होते थे। बम धमाके करके पाकिस्तान भाग जाते थे आतंकवादी। कोई पूछने वाला नहीं होता था। मोदीजी की सरकार तो उड़ी हमले के जवाब में हमने सर्जिकल स्ट्राइक किया। पुलवामा में हमला किया तो हमने एयर स्ट्राइक किया। पहलगाम में हमला किया तो ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों का सफाया किया। और यह कांग्रेस पार्टी और लालू लालू एंड कंपनी पार्लियामेंट में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रही है। मैं पूछने आया हूं मिथिलांचल वालों से कि मोदी जी को आतंकवादी को जवाब देना चाहिए या नहीं चाहिए? ऑपरेशन सिंदूर करना चाहिए या नहीं चाहिए? लालू एंड कंपनी को मालूम नहीं है कि नरेंद्र मोदी की सरकार है, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सरकार है। यहां पर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं है।

शाह ने कहा, बिहार में चुनाव आने वाला है। मैं यहां आया, उसके पहले अखबार भरे पड़े हैं कि एसआईआर होना चाहिए या नहीं? मैं जनता से पूछना चाहता हूं कि घुसपैठियों को मतदाता सूची से निकालना चाहिए या नहीं निकालना चाहिए? चुनाव आयोग को एसआईआर करना चाहिए या नहीं करना चाहिए? मुझे बताएं लालू प्रसाद किसे बचाना चाहते हैं? आज तक चुनाव आयोग को उनकी पार्टी ने एक भी ऑब्जेक्शन नहीं दिया। कांग्रेस पार्टी ने एक भी ऑब्जेक्शन नहीं दिया। और आप बचाना किसको चाहते हो? जो बांग्लादेश से आकर मेरे बिहार के युवाओं की नौकरी खा जाते हैं, उन्हें बचाना चाहते हो? मुझे बताओ मिथिलांचल वालो, एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से घुसपैठियों को निकालना चाहिए या नहीं निकालना चाहिए?

अमित शाह ने कहा, राहुल जी, बंद कीजिए वोट बैंकों की राजनीति। मतदाता पुनरीक्षण पहली बार नहीं हो रहा। आपके परनाना नेहरु जी ने पहली बार किया था। 2003 अंतिम बार हुआ था। पहले से ही बिहार चुनाव हारने का बहाना तैयार कर रहे हैं। मेरे आने की सूचना थी तो सवाल पूछ रहे थे। मैं बनिया का बेटा हूं। आने-आने का हिसाब रखता हूं। मोदीजी ने पिछले छह दौरों में 83 हजार करोड़ रुपए बिहार के विकास के लिए दिया गया है। मिथिलांचल की बात.. सीतामढ़ी का नेशनल हाइवे 527 पूरा कंक्रीट का बन रहा है। ऐसा रोड कि विमान भी उतर सके। 2400 करोड़ से सीतामढ़ी-सुरसंड-जयनगर-निर्मली रेलखंड बन रहा है। 474 करोड़ से सीतामढ़ी-जयनगर-नरैया रोड का दोहरीकरण हो रहा है। 201 करोड़ से बहारगांव-सुरसंड रोड का काम हो रहा। 1600 करोड़ से एनएच 31 पर 140 किलोमीटर लंबे खगड़िया-पूर्णिया खंड का निर्माण हो रहा है। 1740 करोड़ से कई सारी रेल योजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने पूरी सूची पढ़ते हुए कहा कि अभी समाप्त नहीं हुआ है, सुनते जाइए। सूची पढ़ने के बाद उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा काम, आज सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का शिलान्यास भी कर दिया है। आप मेरा हिसाब मांग रहे थे? अमित शाह ने कहा कि इस परियोजना में वाल्मीकिनगर में 52 करोड़ से, 31 करोड़ से मधुबनी फुलहर स्थान, 24 करोड़ से सीतामढ़ी के पंथपाकर, 23 करोड़ से अहिल्यास्थान, 13 करोड़ से रामरेखा घाट और 7 करोड़ से मुंगेर-गया के सीताकुंड के विकास का भी काम यह सरकार करने वाली है। राम-सीता की जहां भेंट हुई थी, वहां से लेकर उनसे जुड़े हर स्थान का पुनर्जीवन किया जाएगा। आदर्श बेटी, आदर्श पत्नी, आदर्श मां और आदर्श राजमाता का उदाहरण हैं माता सीता।

बिहार के रेल के विकास के लिए हर साल 1132 करोड़ रुपए खर्च करते थे तब के रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव। हर साल। हमारे मोदी जी की सरकार में सिर्फ 25-26 में 10 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट सिर्फ बिहार में रेल के विकास के लिए दिया है। सीतामढ़ी-नई दिल्ली अमृत भारत के लिए उन्होंने पीएम मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी का भी अभिनंदन किया। आज मां जानकी की जन्मभूमि पर मंदिर बनने जा रहा है। यह मिथिलांचल और बिहार के भाग्योदय की शुरुआत हुआ। राजा जनक से मुनि अष्टावक्र की चर्चा करते हुए शाह ने कहा कि यहां से विद्या के नए युग की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि स्व. शारदा सिन्हा को मिले पद्म पुरस्कारों की चर्चा की। मैथिली को अष्टम सूची में शामिल करने के लिए भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सभी लोगों को हाथ उठाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई देना चाहिए कि वह इस नई योजना का शिलान्यास कर रहे हैं। अयोध्या से सीतामढ़ी जाने का रास्ता बनवाने के लिए हाथ जोड़कर बधाई देना चाहिए। सीएम नीतीश ने कहा कि 2005 से हम लगातार विकास कर रहे हैं। उसके पहले कहीं कुछ नहीं था। शाम के बाद कोई घर के बाहर नहीं जाते थे। जाने-आने का रास्ता नहीं था। हमलोगों को मौका मिला तो लगातार हर तरह से विकास किया। मुख्यमंत्री ने फ्री बिजली के साथ सामाजिक पेंशन योजना के पैसे बढ़ाए जाने और मानदेय बढ़ाए जाने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि बिजली पहले सब्सिडी में दे रहे थे। अब राज्य सरकार मुफ्त बिजली देने जा रही है। अपनी यात्रा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा- यात्रा के दौरान यहां भी आए थे। जहां भी कोई दिक्कत-परेशानी है, उसका काम कराएंगे। अब 430 नई योजनाओं पर काम कर रहे हैं। 50 हजार करोड़ खर्च हो रहा है, ताकि सारे काम हो सकें। केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार के लिए बहुत कुछ हो रहा है। बिहार के विकास में केंद्र सरकार द्वारा पूरा सहयोग किया गया। इन्होंने जुलाई 24 के बजट में बिहार को विशेष आर्थिक सहायता के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि की घोषणा की। फिर सरकार बनने के बाद फरवरी 25 में जो बजट पेश हुआ तो मखाना बोर्ड से लेकर बाढ़ के नजरिए से कई काम कराने की घोषणा की गई। खेलो इंडिया गेम्स बिहार को भी दिया गया। हम तो केंद्र सरकार का नमन करते हैं, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का नमन करते हैं। हम इस कार्यक्रम में पधारे आदरणीय गृह मंत्री अमित शाह जी का अभिनंदन करते हैं।

उज्ज्वला योजना...

सब्सिडी को मंजूरी दी है, जिस पर 12,000 करोड़ रुपए का व्यय होगा। भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है।

कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य जनता के जीवन में बदलाव लाना है। अब तक 10.33 करोड़ उज्ज्वला कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पीएम उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए 12,060 करोड़ रुपए की सहायता को मंजूरी दी है।

लाखों करोड़ खर्च...

आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। अमेरिका ने यह टैरिफ दो किस्तों में लगाए हैं। अमेरिका का कहना है कि रूस से तेल खरीद के चलते भारत पर यह टैरिफ लगाए गए हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह आने वाले समय में टैरिफ की दरें और बढ़ाएंगे। अमेरिका का भारत पर टैरिफ लगाने का फैसला व्यापार समझौते की बातचीत टूटने के बाद सामने आया। बीते लगभग 3-4 महीनों से यह बातचीत चल रही थी। इसलिए लिए भारतीय और अमेरिकी अधिकारी पांच बार मिल चुके थे। समझौते की अधिकांश बातों पर दोनों पक्ष सहमत भी थे। यहां तक कि यह उम्मीद भी जताई गई थी कि अमेरिका के 15 प्रतिशत टैरिफ पर भारत के साथ समझौता हो जाएगा। यह समझौता 1 अगस्त के पहले होना था। हालांकि, भारत इसमें कुछ चीजों पर अड़ गया और उसने इनके बिना समझौता करने से इनकार कर दिया। इसके चलते अंतिम मौके पर ट्रेड डील टूट गई। सामने आई जानकारी के अनुसार, अंतिम मौके तक सारी बातें तो तय हो गईं थी लेकिन पूरा मामला डेयरी और कृषि सेक्टर पर फंसा हुआ था। मोदी सरकार ने अमेरिका से साफ़ कर दिया कि वह डेयरी और कृषि क्षेत्र में कोई भी रियायतें नहीं देगी।

अमेरिका लगातार यह चाहता था कि उसके यहां उत्पादित दूध और कृषि उत्पाद भारत में बेचे जाए। डइख की एक रिपोर्ट बताती है कि यदि अमेरिकी कम्पनियों को भारत में डेयरी क्षेत्र में खुला एक्सेस दे दिया जाता तो इससे देश में दूध की कीमतें 15 प्रतिशत तक गिर सकती थीं। इसके चलते भारतीय दूध उत्पादकों को 1 लाख करोड़ तक का नुकसान होता। इससे दूध का आयात 250 लाख टन/वर्ष बढ़ जाता। भारतीय डेयरी उत्पादकों को लागत निकालने में भी समस्या आती और पहले से स्थापित डेयरी चलाने में मुश्किल होती।

इससे भारत में 8 करोड़ डेयरी उत्पादकों के रोजगार पर खतरा मंडराने लगता और बड़ी समस्याएं खड़ी होतीं। यही नहीं दूध की कीमतों में गिरावट सीधे तौर पर भारतीय गायों की नस्लों को तक प्रभावित करती। भारत ने अमेरिका की डेयरी पर जिद मानने से इसलिए भी इनकार कर दिया क्योंकि वह अपने यहां इस सेक्टर को 30 बिलियन डॉलर (लगभग 2.5 लाख करोड़) तक की सब्सिडी देता है। इसमें से 85 हजार करोड़ तो सीधे तौर पर दूध उत्पादकों को दी जाती हैं। इस फायदे को लेकर अमेरिकी डेयरी उत्पादक भारत आते और भारतीय उत्पादकों से सस्ता दूध बेच कर उन्हें धंधे से बाहर करते। यह मोदी सरकार को नहीं मंजूर हुआ, उसने इसके चलते यहां समझौते से इनकार का दिया और मेज पर रखी ट्रेड डील को ठुकराने में भी हिचक नहीं दिखाई। उसने ट्रंप सरकार को स्पष्ट कर दिया कि वह भारतीय पशुपालकों के हितों को सबसे ऊपर रखेगी ना कि अमेरिकी कारोबारी घरानों को।

मोदी सरकार ने डेयरी के साथ ही किसानों के हितों को भी सबसे ऊपर रखा। ट्रेड डील के लिए अमेरिका भारत के खाद्य बाजार में भी एंट्री चाहता था। अमेरिका भारत में सेब, बादाम और जीएम फसलें बेचना चाहता था। भारत ने लगातार जीएम फसलों का विरोध किया है। अमेरिका के भारत में इन उत्पादों को आयात करने से छोटे किसान प्रभावित होते। भारत में सेब जैसे फल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के छोटे किसान उगाते हैं। अमेरिका में यही काम बहुराष्ट्रीय कम्पनियां करती हैं।ऐसे में इनकी भारतीय बाजार में एंट्री न सिर्फ छोटे किसानों के लिए हानिकारक होती बल्कि इससे देश में रोजगार का संकट भी पैदा हो सकता था। भारत में अब भी लगभग 70 करोड़ लोग कृषि पर ही निर्भर हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का लगभग 20 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से आता है। इसके अलावा अमेरिका यहां के बाजार में जीएम फसलें भी बेचना चाहता है। भारत ने वर्षों से जीएम फसलों को स्वास्थ्य और पर्यावरण चिंताओं के चलते रोक रखा है। भारत कई विदेशी खाद्य उत्पादों पर 150 प्रतिशत तक की इम्पोर्ट ड्यूटी लगाता है। इससे वह अपने यहां किसानों के हितों को प्रभावित होने से रोकता है। यही कदम उसने अमेरिका से डील के मामले में उठाया। भारत ने स्पष्ट किया कि वह बड़े टैरिफ और लाखों करोड़ के व्यापार घाटे को लेकर तो चीजें झेल सकता है लेकिन किसानों और डेयरी उत्पादकों के हितों को प्रभावित नहीं होने देना चाहता है, क्योंकि इससे जुड़े लोग ही भारत की आत्मा हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां तक स्पष्ट किया कि वह इसके लिए बड़ी कीमत चुकाने को तैयार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ केचलते किसानों के हितों की बात की हो, ऐसा कुछ नहीं है। मोदी सरकार जबसे सत्ता में आई है, उसने किसानों के भले के लिए कई कदम उठाए हैं। मोदी सरकार ने फसलों की एमएसपी को लेकर अभूतपूर्व बढ़ोतरी की है। उदाहरण के लिए धान की एमएसपी 2013-14 में 1310 थी जो 2024-25 में बढ़ कर 2300 से अधिक हो गई। इस प्रकार इन दामों में लगभग 80 प्रतिशत की बढ़त की गई। 2014 तक देश में लगभग 4 लाख करोड़ की ही फसलें सरकार खरीद रही थी। मोदी सरकार में यह 4 गुना हो कर 16 लाख करोड़ पहुंच चुकी है। इसके अलावा मोदी सरकार ने किसानों को सीधा नकद लाभ भी दिया है। मोदी सरकार ने 2019 से 2025 के बीच किसानों को 3.69 लाख करोड़ सम्मान निधि के रूप में दिए हैं। यह पैसे किसानों को खाद-बीज खरीदने में काम आते हैं। देश में लगभग 10 करोड़ किसान इसका लाभ ले रहे हैं। इसके अलावा मोदी सरकार ने किसानों के क्रेडिट कार्ड की सीमा भी बढ़ाई है। नैनो यूरिया जैसी कई सुविधाएं दी हैं। ऐसे में चाहे सामने अमेरिका हो या कोई और ताकत, भारत किसानों के हित में हमेशा खड़ा मिलेगा।

कल से 7 सितंबर तक रहेगा भाद्रपद महीना

हिन्दी पंचांग का भाद्रपद महीना 10 अगस्त से शुरू होगा। 9 अगस्त को रक्षा बंधन है और यही सावन के महीने का आखिरी दिन भी है। भाद्रपद महीना 7 सितम्बर को समाप्त होगा। इसी दिन भाद्रपद पूर्णिमा है और इस दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत हो जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू कैलेंडर का छठा महीना भाद्रपद है। इसे आम बोलचाल की भाषा में भादो कहते है। भाद्रपद माह में भगवान श्रीकृष्ण, भगवान विष्णु, भगवान गणेश, भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा अवश्य करनी चाहिए। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को जन्माष्टमी मनाते हैं, उस दिन भगवान विष्णु ने कृष्णावतार लिया था, वहीं भाद्रपद शुक्ल तृतीया को अखंड सौभाग्य की हरतालिका तीज मनाते हैं, उस दिन माता पार्वती और शिव जी की पूजा करते हैं। गणपति बप्पा के लिए 10 दिनों का उत्सव गणेश चतुर्थी भी भाद्रपद माह में ही होता है। इसके अलावा राधा अष्टमी, हल षष्ठी, ऋषि पंचमी जैसे व्रत और पर्व भी इस माह में पड़ते हैं। भाद्रपद पूर्णिमा को पितृ पक्ष का प्रारंभ होता है, उस दिन पितरों के लिए पूर्णिमा का श्राद्ध किया जाता है।

इस महीने में धर्म-कर्म के साथ ही सेहत पर भी खास ध्यान देना चाहिए। क्योंकि इस हिंदी महीने में ऋतु परिवर्तन भी होता है। भाद्रपद महीने में कजरी तीज, बहुला चौथ, हलछठ, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, अजा एकादशी और अमावस्या, वराह जयंती, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, ऋषि पंचमी, ललिता सप्तमी, दूर्वाष्टमी, परिवर्तिनी एकादशी, वामन जयंती, बुध प्रदोष, अनंत चतुर्दशी और भाद्रपद पूर्णिमा रहेगी। इस महीने में ही दस दिनों का गणेश उत्सव रहेगा।

कब से शुरू हो रहा है भाद्रपद महीना

इस वर्ष भाद्रपद महीना 10 अगस्त से शुरू होगा। 9 अगस्त को रक्षा बंधन है और यही सावन के महीने का आखिरी दिन भी है। भादो का महीना 7 सितम्बर को समाप्त होगा। इसी दिन भाद्रपद पूर्णिमा है और इस दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत हो जाएगी। वैदिक ज्योतिष में भादो में सूर्य का सिंह राशि में प्रवेश होता है। धार्मिक दृष्टिकोण से इस महीने को महत्वपूर्ण माना जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार भाद्रपद अगस्त और सितंबर के महीने में पड़ता है। भाद्रपद मास पूजा-

पाठ और व्रत के लिए खास माना जाता है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि भाद्रपद के महीने में पवित्र नदियों में स्नान करने, गरीबों को दान करने और व्रत रखने से बहुत लाभ होता है। इस पूरे महीने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

भाद्रपद मास में कई बड़े त्योहार

इस महीने को इतना शुभ इसलिए माना जाता है क्योंकि इस महीने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के साथ राधा जन्मोत्सव, कजरी तीज, श्री गणेश चतुर्थी, अनंत चतुर्दशी, कुश की अमावस्या, विश्वकर्मा पूजा जैसे महत्वपूर्ण त्योहार भी पड़ते हैं। भाद्रपद में घर पर लड्डू गोपाल की स्थापना करने, शंख की स्थापना करने और श्रीमद्भागवत गीता का पाठ करने से धन, यश और वैभव की प्राप्ति होती है। साथ ही भाद्रपद में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर संतान गोपाल मंत्र का जाप करने और हरिवंश पुराण का पाठ करने या सुनने से संतान सुख की प्राप्ति होती है।

भगवान गणेश, श्रीकृष्ण और विष्णु जी की पूजा का महीना

इस महीने में गणेश चतुर्थी पर दस दिनों का गणेश-ोत्सव शुरू होगा। जो कि 10 दिन बाद अनंत चतुर्दशी पर खत्म होगा। इन दिनों में भगवान गणेश की विशेष

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

आराधना करने की परंपरा है। भाद्रपद में श्रीकृष्ण की पूजा से पाप खत्म होते हैं और परेशानियां दूर होती हैं। इन दिनों शंख में दूध और जल भरकर श्रीकृष्ण का अभिषेक करना चाहिए। फिर भगवान को नैवेद्य लगाएं। भगवान विष्णु की भी पूजाा करनी चाहिए। इस पवित्र महीने में भगवान विष्णु और उनके अवतारों की विशेष पूजा करने की बात ग्रंथों में बताई गई है। इस महीन रोज सुबह जल्दी उठकर उगते हुए सूरज को जल चढ़ाने का विधान ग्रंथों में बताया है। सूर्य को जल चढ़ाने में तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें। आयुर्वेद के जानकारों का कहना है कि भाद्रपद, चातुर्मास के चार महीनों में दूसरा है। इस महीने में ऋतु परिवर्तन होता है। जिससे शरीर में बदलाव भी होते हैं और डायजेशन गड़बड़ा जाता है। इस महीने में ज्यादा तला हुआ और मसालेदार खाना खाने से बचना चाहिए। ऐसे चीजे न खाएं जिनको पचने में ज्यादा समय लगता हो। सेहतमंद चीजों को खाने में शामिल करें। भाद्रपद में जानकार योग, प्राणायाम और कसरत करने की सलाह भी देते हैं।

भाद्रपद का महत्व

शास्त्र में भाद्रपद महीने का बहुत महत्व बताया गया है। ये पूजा-पाठ के लिए उत्तम होता है। इस महीने में श्री कृष्ण की भक्ति कटने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। जो भी साधक इस महीने में श्री कृष्ण की सच्चे मन से भक्ति करता है उसकी सारी मनोकामना पूरी होती है। इस महीने में पवित्र नदियों में स्नान या गंगा नदी में स्नान का अत्यधिक महत्व है। इस महीने में दान पुण्य करने से भी साधक को शुभ फल प्राप्त होता है। भाद्रपद महीने में भगवान कृष्ण को हर रोज तुलसी दल और माखन का भोग लगाएं। ऐसा करना बेहद ही शुभ माना जाता है।

क्या करें

शास्त्र के अनुसार भाद्रपद महीने में भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस महीने में गंगा स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। अगर गंगा स्नान ना कर सकते हो तो इस महीने में किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं. जिसका बहुत ही ज्यादा फल मिलता है। भाद्रपद महीने में मनुष्य को सात्विक भोजन ही करना चाहिए। भाद्रपद माह शुरू होते भगवान श्री कृष्ण को तुलसी अर्पित करनी चाहिए और साथ ही साधक को खुद भी तुलसी के जल का सेवन करना चाहिए।

ना करें ये काम

शास्त्रों में बताया गया है कि भाद्रपद के महीने में कुछ काम करने की मनाही होती है। भाद्रपद में कच्ची चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। इस महीने में मनुष्य को भूलकर भी दही और गुड़ का सेवन नहीं करना चाहिए। सावन महीने की तरह भाद्रपद महीने में भी मांस, मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि जो भी मनुष्य इस महीने में मांस और मदिरा का सेवन करता है। उसे सभी देवता रुष्ट हो जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि भाद्रपद के महीने में रविवार के दिन बाल नहीं कटवाने चाहिए, ना ही रविवार के दिन इस महीने में नमक का प्रयोग करना चाहिए।

भाद्रपद मास में पड़ने वाले व्रत-त्योहार

भाद्रपद माह में कई विशेष तीज-त्योहार, व्रत, दिन, शुभ तिथियां आती हैं। विशेष त्योहारों में हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी, जैन पयुर्षण त्योहार और अनंत चतुर्दशी शामिल हैं। इसी माह अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र और वृषभ लग्न में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। इसलिए इस महीने का महत्व और भी बढ़ गया है। इसके साथ ही हरतालिका तीज, जैन पयुर्षण पर्व, अजा एकादशी, श्री गणेश चतुर्थी आदि भी इसी महीने मनाया जाएगा।

12 अगस्त- संकष्टी चतुर्थी, बहुला चतुर्थी और कजरी तीज
14 अगस्त- बलराम जयंती
15 अगस्त- कृष्ण जन्माष्टमी (मासिक), शीतला सातम, स्वतंत्रता दिवस और आद्याकाली जयन्ती
16 अगस्त- दही हांडी, कार्तिगाई और कालाष्टमी (मासिक)
17 अगस्त- सिंह संक्रांति, मलयालम नव वर्ष
19 अगस्त- अजा एकादशी
20 अगस्त- प्रदोष व्रत (बुध)
21 अगस्त- शिवरात्रि (मासिक)
22 अगस्त- पिठोरी अमावस्या और दर्श अमावस्या
23 अगस्त- भाद्रपद अमावस्या
25 अगस्त- वराह जयंती
26 अगस्त- हरतालिका तीज और गौरी हब्बा
27 अगस्त- गणेश चतुर्थी और विनायक चतुर्थी
28 अगस्त- स्कन्द षष्ठी और ऋषि पंचमी
30 अगस्त- ललिता सप्तमी
31 अगस्त- राधा अष्टमी, दुर्गाष्टमी (मासिक) और महालक्ष्मी व्रत का आरंभ
01 सितंबर- ज्येष्ठ गौरी पूजा
01 सितंबर- ज्येष्ठ गौरी विसर्जन
03 सितंबर- परिवर्तिनी एकादशी
04 सितंबर- वामन जयंती, भुवनेश्वरी जयन्ती और कल्की द्वादशी
05 सितंबर- ओणम, प्रदोष व्रत (शुक्र), शिक्षक दिवस
06 सितंबर- गणेश विसर्जन और अनंत चतुर्दशी
07 सितंबर- भाद्रपद पूर्णिमा व्रत और चंद्र ग्रहण

रक्षाबंधन की थाली में जरूर रखें ये सामग्री, अधूरी रह जाएगी इन पांच वस्तुओं के बिना आपकी पूजा की थाली

हर साल सावन मास की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है। इस बार यह खास अवसर 09 अगस्त, शनिवार के दिन पड़ रहा है। रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं और मंगल की कामना करती हैं। इसके लिए सबसे पहले देवताओं को राखी बांधी जाती है और पूजा की थाली तैयार करती है। रक्षाबंधन पर पूजा की थाली में राखी, रोली, मिठाई आदि के अलावा भी कुछ खास चीजों को रखना महत्वपूर्ण होता है। इन सामग्रियों के बिना रक्षाबंधन की पूजा की थाली अधूरी रहती है।

रक्षाबंधन पूजा थाली सामग्री लिस्ट

कुमकुम – रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने से पहले कुमकुम लगाने का विधान होता है। ऐसा में पूजा की थाली में रोली या कुमकुम जरूर शामिल करनी चाहिए और पहले देवताओं को कुमकुम लगाना चाहिए।

अक्षत – देवताओं और भाई के माथे पर कुमकुम से तिलक लगाने के बाद अक्षत लगाए जाते हैं। ऐसे में थाली में अक्षत भी जरूर शामिल होना चाहिए। मान्यता है कि माथे पर कुमकुम और अक्षत का तिलक लगाना शुभता का प्रतीक होता है।

राखी –रक्षाबंधन पर पूजा की थाली में जो सबसे जरूरी चीज होनी चाहिए वो राखी होती है, जिसे बहनें देवताओं और भाई को रक्षा सूत्र की तरह बांधती हैं और मंगल की कामना करती हैं।

अक्षत – देवताओं और भाई के माथे पर कुमकुम से तिलक लगाने के बाद अक्षत लगाए जाते हैं। ऐसे में थाली में अक्षत भी जरूर शामिल होना चाहिए। मान्यता है कि माथे पर कुमकुम और अक्षत का तिलक लगाना शुभता का प्रतीक होता है।

राखी – रक्षाबंधन पर पूजा की थाली में जो सबसे जरूरी चीज होनी चाहिए वो राखी होती है, जिसे बहनें देवताओं और भाई को रक्षा सूत्र की तरह बांधती हैं और मंगल की कामना करती हैं।

मिठाई– सबसे पहले देवताओं को तिलक लगाने और राखी बांधने के बाद उन्हें मिठाई खिलाई जाती है। ऐसे में पूजा की थाली में मिठाई जरूर रखनी चाहिए और भाई को राखी बांधने के बाद खिलानी चाहिए।

ताजे पुष्प– रक्षाबंधन पर देवताओं की पूजा के समय उन्हें ताजे फूल जरूर अर्पित करने चाहिए। ऐसा करने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

काजल –मान्यता है कि रक्षाबंधन के दिन काजल आंखों में और कान के पीछे लगाना चाहिए। ऐसा करना बेहद शुभ माना जाता है। इससे बुरी नजर से बचाव होता है सुरक्षा मिलती है।

नारियल –मान्यता है कि रक्षाबंधन के दिन पूजा की थाली में नारियल भी अवश्य रखना चाहिए। इसे रक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है और शुभ कार्यों में नारियल शामिल करना बहुत फलदायी होता है।

पानी से भरा कलश – पूजा की थाली में जल से भरा एक छोटा सा कलश जरूर रखना चाहिए। भाइयों को मिठाई खिलाने के बाद उन्हें जल पिलाने के लिए पानी से भरा पात्र रखा जाता है।

प्रसाद– रक्षाबंधन के समय भगवान को जो प्रसाद चढ़ाया जाता है। उसे भी राखी की थाली में जरूर शामिल करना चाहिए और भाई को राखी बांधने के बाद खिलाना चाहिए।

दूर्वा – पूजा की थाली में दूर्वा को भी जरूर शामिल करना चाहिए। दूर्वा में अमृत का वास माना गया है। ऐसे में दूर्वा को अक्षत के साथ सिर पर रखना चाहिए। ऐसा करने से दीर्घायु की प्राप्ति होती है और अकाल मृत्यु का भय भी दूर होता है।

रक्षाबंधन पर सबसे पहले देवताओं को बांधे राखी

रक्षाबंधन पर पहली राखी ईश्वर को ही बांधनी चाहिए। इससे ईश्वर हर संकट से रक्षा करते हैं। ईश्वर को राखी घर का पुरुष और महिला दोनों बांध सकते हैं। बहुत सारे परिवार में सावन पूर्णिमा पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डूगोपाल को राखी बांधी जाती है। रक्षाबंधन पर पहली राखी ईश्वर को ही बांधनी चाहिए। इससे ईश्वर हर संकट से रक्षा करते हैं। ईश्वर को राखी घर का पुरुष और महिला दोनों बांध सकते हैं। बहुत सारे परिवार में सावन पूर्णिमा पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डूगोपाल को राखी बांधी जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिन बहनों के भाई नहीं होते, वो भी देवों को भाई मान कर राखी बांध सकती हैं। अलग-अलग लोग अलग-अलग देवताओं को राखी बांधते हैं। सबसे पहले देवी-देवताओं को राखी अर्पित करने से भाई-बहन को आशीर्वाद प्राप्त होता है। हिंदू धर्म में रक्षाबंधन के त्योहार का विशेष महत्व है। इस साल रक्षाबंधन का त्योहार 9 अगस्त को मनाया जाने वाला है। यह पवित्र त्यौहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक माना जाता है।

गणेश जी – गणेश जी देवताओं में प्रथम पूजनीय माने जाते हैं। इस कारण रक्षाबंधन के दौरान सबसे पहले गणपति जी को राखी अर्पित करें। ऐसा करने से सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं।

हनुमान जी– हनुमान जी इस शुभ अवसर पर राखी बांधना बहुत फलदायी माना जाता है। साथ ही जिन बहनों को अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने का मौका नहीं मिलता है, वे हनुमान जी को राखी बांध सकती हैं।

शिव जी– रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर कई लोग महादेव को राखी चढ़ाते हैं। कहा जाता है कि ऐसा करने से शिव जी प्रसन्न होते हैं। भक्त को सभी समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

श्री कृष्ण –रक्षाबंधन के दिन कई बहनें भगवान श्री कृष्ण को अपना भाई मानकर राखी बांधती हैं। कहा जाता है कि पूरी श्रद्धा से ऐसा करने पर श्री कृष्ण भक्तों की रक्षा करते हैं।

गुरु और शिक्षक – व्यक्ति के जीवन में गुरु और शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान होता है। ईश्वर जन्म देता है तो गुरु मार्गदर्शन करता है और जीवन का बोध कराता है। अच्छे बुरे का भेद बताता है। शिक्षक के बिना हमें न सत्कर्म का ज्ञान हो सकता है और न ही ईश्वर का। संसार में केवल अधर्म, अराजकता और भय का वातावरण रहेगा। इसलिए समाज के प्रति उनके योगदान को देखते हुए राखी बांधकर उनका आभार प्रकट करना चाहिए। इसलिए इस दिन अपने गुरुजनों को रक्षा सूत्र बांधना चाहिए।

सैनिक– सैनिक को हम केवल वीरगति प्राप्त होने या स्वतंत्रता दिवस इत्यादि अवसरों पर ही याद करते हैं। लेकिन वह हमारी रक्षा के लिए परिवारवालों, समाज, मित्रों और सुख-सुविधाओं का त्याग कर जान हथेली पर रखकर घर से दूर खड़ा रहता है। इसलिए उनको राखी बांधकर अपनेपन का एहसास कराना चाहिए। रक्षाबंधन के विशेष अवसर पर यदि महिलाएं सीमा पर या छावनी में जाकर सैनिकों को राखी बांधें तो उन्हें बहुत अच्छा लगेगा।

पेड़-पौधे–पेड़ पौधों में भी प्राण होते है। हमारे देश के वैज्ञानिक जेसी बसु ने सिद्ध किकया था कि पेड़ पौधे संवेद-नशील होते हैं और वो महसूस कर सकते हैं। आपने देखा होगा कि सकारात्मक वातावरण में पेड़ अच्छे से फलता-फूलता है जबकि एक नकारात्मक वातावरण में वह मुरझा जाता है। इसलिए उसे प्रेम और आत्मीयता की आवश्यकता होती है। वहीं उससे मिली आक्सीजन पृथ्वी पर जीवन के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए हिंदू धर्म में सभी प्रकार के पेड़-पौधों की पूजा का विधान है। ऐसे में रक्षाबंधन पर पेड़ पौधों को राखी बांधकर उनका आभार जताना चाहिए।

यजमान को जरूर बांधे रक्षासूत्र

यजमान और पुरोहित का गहरा पारस्परिक संबंध होता है। यजमान अपनी दक्षिणा के रूप में पुरोहित के जीवन निर्वाह में मददगार होता है तो पुरोहित अपने मार्गदर्शन से यजमान को भटकने से बचाता है और उनके कल्याण, निष्कंटक जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं। सबसे प्राचीन परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन पर पुरोहित अपने यजमान को राखी जरूर बांधते थे और उनके मंगल की कामना करते थे। इसलिए इस परंपरा को जरूर आगे बढ़ाना चाहिए।

रक्षाबंधन पर इन बातों का रखें ध्यान

इस दिन बहनों को सुबह स्नान करने के बाद भगवान को एक थाली में सुंदर सजी हुई राखियां चढ़ानी चाहिए। फिर उनके माथे पर कुमकुम और चावल लगाएं। इसके बाद उन्हें राखी बांधें और उनकी आरती उतारें। भगवान को लड्डुओं का भोग लगाएं। इस दौरान उनसे जीवन भर रक्षा करने की प्रार्थना करनी चाहिए।

ग्रहों का योग

इस बार रक्षाबंधन पर 297 साल बाद दुर्लभ योग बन रहा है। इस दिन ग्रहों की स्थिति विशेष रहेगी। सूर्य कर्क राशि में रहेगा। चंद्रमा मकर में, मंगल कन्या में, बुध कर्क में, गुरु और शुक्र मिथुन में, राहु कुंभ में और केतु सिंह राशि में रहेगा। ऐसा संयोग 1728 में बना था। तब भी भद्रा भूलोक पर नहीं थी और ग्रहों की स्थिति ऐसी ही थी। इस बार भी वैसा ही योग बन रहा है। यह समय शुभकार्यों के लिए उत्तम रहेगा।

रक्षाबंधन पर बहनें जरूर करें इस मंत्र का जप

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल: तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:।

शास्त्रों के अनुसार, इस मंत्र का अर्थ है कि दानवीर राजा बलि जिससे बांधे गए थे। उसी

के तुम्हें बांधती हूं। दे रक्षे यानी रक्षासूत्र तुन चलायमान मत होना।

राखी बांधने की विधि

बहनें रक्षाबंधन के दिन सबसे पहले सुबह उठकर स्नान के बाद भगवान गणेश और भगवान कृष्ण को राखी बांधे। इसके बाद भाई को राखी बांधे

राखी बांधने से पहले दोनों भाई बहन अपने सिर पर ढक लें। बहनें सिर पर चुन्नी रखें और भाई रुमाल से अपना सिर ढक लें।

इसके बाद बहन भाई को इलायची और अक्षत रखें और मुट्टी बंद करें।

इसके बाह बहन भाई की दाई कलाई पर राखी बांधे और अक्षत और इलायची भाई के हाथ से लेकर अपने घर की तिजोरी में लाल कपड़े में बांध कर रखें।

राखी बांधकर भाई को मिठाई खिलाएं और फिर आरती उतारें।

राखी बांधते समय बहनें मंत्र का जप जरुर करें।

भाई अपने हाथ से राखी को जन्माष्टमी तक कलाई से न उतारें। ऐसी मान्यता है कि भाईयों को कम से कम 21 दिन या जन्माष्टमी तक तो राखी अपनी कलाई पर बांधे रखनी चाहिए।

क्यों खास है रक्षाबंधन 2025 का पर्व

इस बार रक्षाबंधन पर 24 साल बाद कई शुभ योग बन रहे हैं। रक्षाबंधन पर इस बार बुधादित्य राजयोग के साथ गजलक्ष्मी राजयोग, सर्वार्थ सिद्धि योग और सौभाग्य योग का संयोग बन रहा है। इससे पहले वर्ष 2001 में रक्षाबंधन पर ग्रहों का ऐसा संयोग बना था।

सोमी अली ने संजय दत्त के साथ फिल्म आंदोलन की शूटिंग के अनुभव को किया याद

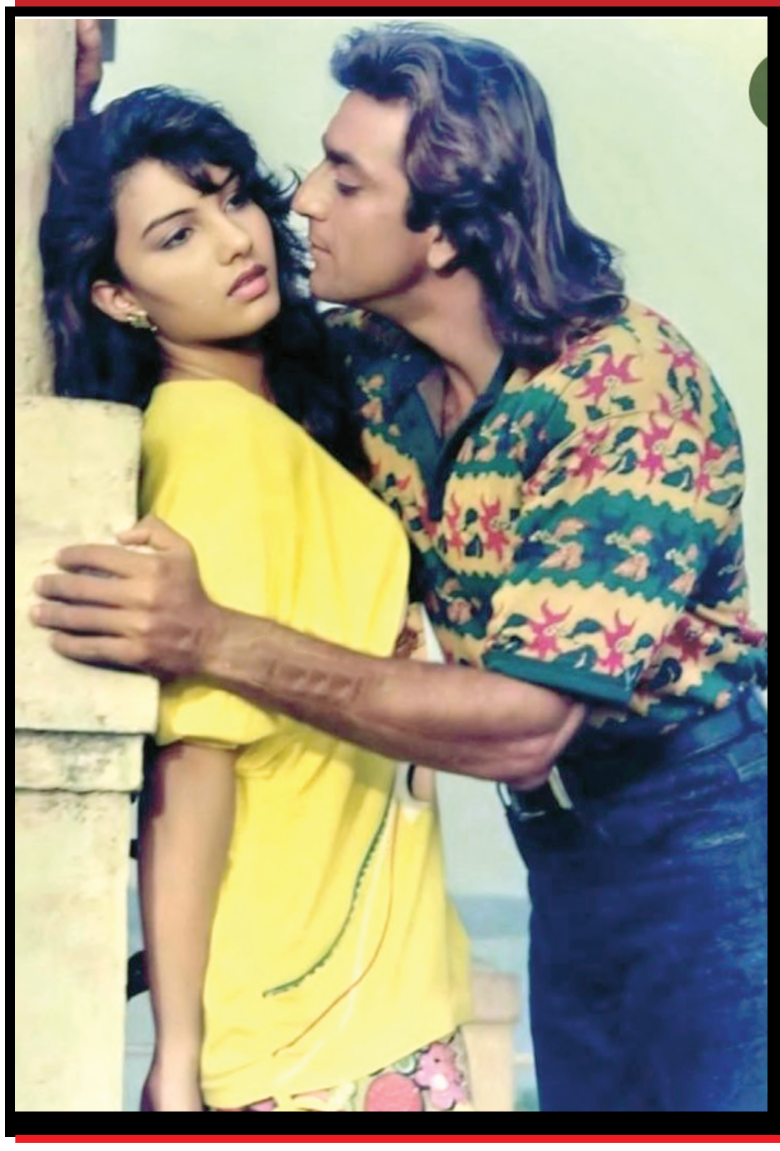

अभिनेत्री सोमी अली ने 1995 में रिलीज हुई अपनी फिल्म आंदोलन में संजय दत्त के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि 90 के दशक में फिल्मों में गाने और डांस का बोलबाला था, लेकिन उनके लिए यह एक चुनौती थी क्योंकि उन्हें डांस की कोई औपचारिक ट्रेनिंग नहीं मिली थी।

उन्होंने कहा, भारत में कई एक्टर्स को बचपन से ही डांस सिखाया जाता है, क्योंकि यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने मजाक में बताया कि केवल मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान ही उनसे डांस करवा सकती थीं, क्योंकि वह उनसे डरती थीं।

हालांकि, सोमी के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि उनके को-स्टार संजय दत्त थे। उन्होंने फिल्म के गाने दिल तो खोया है यहीं पे कहीं पे की शूटिंग के दौरान अपनी घबराहट को याद किया। सोमी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, संजू (संजय दत्त) सबसे सच्चे, ईमानदार, नेक और जमीन से जुड़े स्टार हैं। जैकी श्रॉफ (जग्गू दादा) की तरह ही वो भी आम लोगों के एक्टर हैं। संजू के अंदर जरा भी घमंड या बुराई नहीं है। सोमी ने बताया कि गाने की शूटिंग के दौरान वह बहुत घबराई हुई थीं। लेकिन संजय ने उनकी घबराहट को देखकर उनके पास आकर बात शुरू की और माहौल को हल्का किया। संजय ने कहा, चिंता मत करो, मैं भी डांस नहीं कर पाता। बस रिलैक्स करो और मजा लो, क्योंकि हम दोनों इसमें खराब हैं। उनकी इस बात ने सोमी को हंसा दिया और उनकी घबराहट तुरंत छू मंतर हो गई। सोमी ने आगे कहा, संजय ने मुझसे अमेरिका और वहां बिताए अपने समय के बारे में बात की, जिससे मैं कुछ ही मिनटों में शांत हो गई।

उन्होंने संजय को एक शानदार को-स्टार और बेहद दयालु व्यक्ति बताया। सोमी ने यह भी साझा किया कि उनके पिता के दोस्त के जरिए उन्हें संजय के पिता सुनील दत्त से मिलने का मौका मिला था। उन्होंने कहा, ये यादें आज भी मेरे लिए ताजा हैं। संजय एक बेहतरीन इंसान और सह-कलाकार हैं। उनकी यह पोस्ट प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' रिलीज, अकांक्षा पुरी बोलीं- शानदार रहा अनुभव

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी का नया म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' गुरुवार को रिलीज हो चुका है। पुरी के मुताबिक इसका रफ वर्जन सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। म्यूजिक वीडियो में अकांक्षा के साथ को-स्टार सनम जौहर हैं। वीडियो में थीम को शानदार अंदाज में पेश किया गया है। अकांक्षा ने कहा, शुरुआत में मुझे थोड़ा डर था, क्योंकि मैं सनम से पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन, वह इतने सहज एक्टर हैं कि हमारी केमिस्ट्री तुरंत बन गई। लोग शायद यकीन न करें कि हम पहली बार शूटिंग के दौरान मिले!

सनम अपनी डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस वीडियो में डांस से ज्यादा भावनात्मक तालमेल की जरूरत थी। अकांक्षा ने बताया, यह गाना कोरियोग्राफी के बारे में नहीं, बल्कि भावनाओं को जोड़ने का था। हमारी केमिस्ट्री स्वाभाविक रूप से बन गई।

अकांक्षा पहले भी इस प्रोडक्शन टीम के साथ 'बरसातें अच्छी लगती हैं' गाने में काम कर चुकी हैं। उनका अनुभव शानदार रहा। जब टीम ने उन्हें इस गाने के लिए संपर्क किया, तो वह तुरंत इससे जुड़ गईं।

उन्होंने कहा, म्यूजिक वीडियो आपको अपनी स्टाइल और अभिनय की सीमाओं को आजमाने का मौका देते हैं। शूटिंग तेज और एनर्जेटिक होती है, जो दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाती है। मुझे गाने के ऑफर हमेशा उत्साहित करते हैं। यह लंबे फॉर्मेट के अभिनय या फिल्म में एक्टिंग से अलग अनुभव देता है। अकांक्षा ने 2013 में तमिल फिल्म 'एलेक्स पांडियन' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से बॉलीवुड में कदम रखा। साल 2017 में वह टीवी सीरियल 'विघ्नहर्ता गणेश' में माता आदि पराशक्ति के किरदार में दिखीं। वह रियलिटी शो 'स्वयंवर : मीका दी वोटी' की विनर भी रह चुकी हैं।

परम सुंदरी का नया गाना भीगी साड़ी रिलीज, दिखी सिद्धार्थ-जाह्नवी की शानदार केमिस्ट्री

अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' के मेकर्स ने शुक्रवार को फिल्म का नया गाना 'भीगी साड़ी' रिलीज कर दिया है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर बारिश में रोमांस करते नजर आ रहे हैं।

गाने को बारिश के माहौल में फिल्माया गया है, जिसमें दोनों कलाकारों की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। मेकर्स ने इस गाने को इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, अदनान सामी की आवाज में पुराने दिनों की यादें फिर से ताजा हो जाएंगी, और 'छैला पिया' के साथ रोमांस भी जोरों पर होगा! प्यार और जज्बातों से भरा गाना 'भीगी साड़ी' अब अदनान सामी की आवाज में पेश है।इस गाने में जाह्नवी कपूर साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं और वह रोमांटिक डांस करती नजर आती हैं। बारिश के माहौल ने गाने को और भी रोमांटिक बना दिया है। जाह्नवी ने गाने की शूटिंग के अनुभव को साझा करते हुए बताया, बारिश वाले गाने हमारी फिल्मों में हमेशा से खास रहे हैं। इनमें एक अलग ही जादू होता है। मैं बचपन से बारिश में फिल्माए गए आइकॉनिक सीन देखती आई हूं, और अब 'भीगी साड़ी' के साथ उस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए सपने जैसा है। इस गाने की शूटिंग के दौरान बारिश में डांस करना और हर बीट और भावना को महसूस करना, यह सब मेरे लिए बेहद खुशी का पल था।

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने गाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, भीगी साड़ी' में भरपूर एनर्जी, रोमांस और वो क्लासिक मॉनसून वाइब है, जिसे हम सभी पसंद करते हैं। जाह्नवी के साथ इस गाने की शूटिंग में बहुत मजा आया और हम चाहते हैं कि दर्शक भी इस स्पार्क को महसूस करें। श्रेया और अदनान की आवाज ने इसे और खास बना दिया है। गाने के बारे में बात करते हुए गायक अदनान सामी ने कहा, यह एक खूबसूरत गाना है जिसमें पुरानी यादें और नया अंदाज दोनों का मेल है, सचिन-जिगर की जोड़ी ने इसे बेहतरीन तरीके से कम्पोज किया है। जैसे ही मैंने इसकी धुन सुनी, मैं इसके जादू में खो गया। श्रेया घोषाल की मधुर आवाज ने इस गाने की खूबसूरती को और भी निखार दिया है।

5 हो या 10 मिनट, खुद के लिए जरूर निकालें समय : जैकलीन फर्नांडीज

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने आज की तेज-रफ्तार दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य और खुद के देखभाल के महत्व पर बात की। भोपाल में आयोजित एक इवेंट में पहुंचीं एक्ट्रेस ने बताया कि छोटी-छोटी आदतें जैसे मेडिटेशन और माइंडफुलनेस जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकती हैं।

जैकलीन ने कहा, आज की लाइफस्टाइल बहुत तनाव से भरी बन चुकी है। ऐसे में माइंडफुलनेस और ध्यान बहुत जरूरी है। चाहे आपको 5 मिनट, 10 मिनट या आधा घंटा मिले अपने लिए समय निकालें। यह आपके दिमाग को शांत और शरीर को स्वस्थ रखता है।

उन्होंने यह भी बताया कि वह अपने शरीर और आत्मा के बीच गहरा जुड़ाव महसूस करती हैं। उन्होंने बताया, मेरा शरीर और आत्मा दोनों स्वस्थ और ताकत से भरपूर हैं। मैं आध्यात्मिक इंसान हूं।जैकलीन की गिनती उन हस्तियों में की जाती है जो मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करती हैं। इसके साथ ही, वह अपने फैंस को खुश रहने और तनाव दूर करने का उपाय भी देती हैं।

एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया था कि वह डिप्रेशन के दौर से गुजर चुकी हैं। अभिनेत्री ने बताया था कि इनसे निकलने में योग और ध्यान बेहद फायदेमंद रहे हैं।वह सोशल मीडिया पर अक्सर फैंस के लिए स्वास्थ्य से जुड़े पोस्ट शेयर करती रहती हैं।

एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि कैसे घर पर खुद को फिट और हेल्दी रखा जा सकता है। तस्वीर में वह प्राणायाम करती नजर आईं। उन्होंने इस फोटो के साथ बताया कि प्राणायाम हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। सभी को इसे अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना चाहिए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन हालिया रिलीज कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। साजिद नाडियाडवाला के बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

इंटरनेशनल कैट डे स्पेशल : बॉलीवुड की प्यारी कैट मॉम्स

बॉलीवुड अपने ग्लैमर और रेड कार्पेट के लिए जाना जाता है, लेकिन इन चकाचौंध भरी लाइट्स के पीछे कई सितारों को सुकून मिलता है उनकी पालतू बिल्लियों की शांत संगत में। इंटरनेशनल कैट डे पर हम उन अभिनेत्रियों का जश्न मना रहे हैं जो गर्व से खुद को कैट मॉम कहती हैं – और यह दिखाती हैं कि प्यार, अपनापन और सुकून अक्सर नर्म पंजों और एक बेपरवाह अंदाज़ के साथ आता है।

आलिया भट्ट: आलिया की कैट मॉम बनने की यात्रा बेहद प्यारी रही है। पहले शीबा और पिका के साथ और अब उनके फुर-बेबी एडवर्ड (प्यारे नाम से एडी)। एडी उनके जीवन में उनके 24वें जन्मदिन पर आया था और तब से वह आलिया की दुनिया का अहम हिस्सा बन गया है। वह अक्सर उनके इंस्टाग्राम पर दिखता है – धूप में आराम करता हुआ, आलिया को शूट्स के लिए तैयार होते हुए देखता हुआ, या अपनी खास 'डोंट केयर' एक्सप्रेशन के साथ पोज़ देता हुआ। आलिया के लिए एडी सिर्फ एक पालतू नहीं है, बल्कि एक सुकून देने वाला साथी है।

नुशरत भरुचा: नुशरत की पर्सियन बिल्ली नोआ एक बेहद प्यारी और स्टाइलिश कैट है, जो अक्सर उनकी सोशल मीडिया पोस्ट्स में नजर आती है। कभी उनकी गोद में सोती है, तो कभी स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त उनके बालों से खेलती है। नुशरत कहती हैं, शूटिंग के लंबे दिन के बाद नोआ से मिलना जैसे खुशियों का दरवाज़ा खुलना होता है। उनका रिश्ता शांति और मस्ती का खूबसूरत मेल है।

जैकलिन फर्नांडिस: जैकलिन का घर एक असली कैट किंगडम है – जहां मियू मियू, योडा, लोकी और ज़ायज़ा राज करते हैं। हर बिल्ली की अपनी अलग पर्सनैलिटी है: मियू मियू रॉयल क्वीन जैसी, योडा समझदार लेकिन थोड़ा दूर, लोकी शरारती और ज़ायज़ा सबसे प्यारी। जैकलिन बताती हैं कि लॉकडाउन जैसे कठिन समय में उनकी बिल्लियों ने उन्हें मानसिक तौर पर संभालने में मदद की। उनके इंस्टाग्राम पर ढेरों तस्वीरें हैं, जहां वह अपने प्यारे पालतुओं के साथ समय बिताते हुए नजर आती हैं।

दिशा पटानी: अपनी फिटनेस और एक्शन रोल्स के लिए मशहूर दिशा पटानी अपनी बिल्लियों जैस्मिन और कीटी के साथ एक नरम और प्यारभरा रूप दिखाती हैं। जैस्मिन एक सुंदर सफेद बिल्ली है, और कीटी की तीखी नजरें हर किसी का ध्यान खींचती हैं। दिशा अक्सर कहती हैं कि उनकी बिल्लियां उनके लिए धड़कते दिल वाले तकिए हैं, जो उन्हें हर दिन की भागदौड़ में ठहरने की याद दिलाती हैं।

ऋचा चड्ढा: स्क्रीन पर दमदार और असल ज़िंदगी में संवेदनशील ऋचा एक रेस्क्यू बिल्ली कमली के साथ रहती हैं। कमली अक्सर उनके साथ लिखते समय, रिहर्सल के दौरान या चाय के प्याले के साथ आराम करती नजर आती है। ऋचा जानवरों की देखभाल और अपनाने की जोरदार समर्थक हैं और कई बार सोशल मीडिया पर इसके लिए आवाज़ भी उठाती हैं। उनके लिए कमली सिर्फ एक बिल्ली नहीं, बल्कि एक नया मौका और बेशर्त प्यार की मिसाल है।

कुब्रा सैत: अगर किसी एक्ट्रेस और उनकी बिल्लियों की कहानी को एक खूबसूरत लव स्टोरी कहा जा सकता है, तो वो हैं कुब्रा सैत। उनके पास हैं शिफू और सेक्सी सैत। शिफू, जिसे उन्होंने कुंग फू पांडा के मास्टर शिफू के नाम पर रखा, एक गहरा और स्नेही साथी है।

वहीं सेक्सी सैत, जो उन्होंने शमिता शेट्टी की बिल्ली के लिटर से गोद ली थी, उनके घर की मस्ती की जान है। कुब्रा बताती हैं कि शिफू की बीमारी के दौरान उसकी देखभाल ने उन्हें खुद को समझने और संवारने का मौका दिया। आज शिफू और सेक्सी – दोनों उनके जीवन के दो पहलू हैं: गहराई और पागलपन भरी मस्ती।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पडेगी तभी सारे काम पूरे होंगे । विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आमदनी बढ़ेगी। काम के सिलसिले में अपने चतुराई का प्रयोग करना सराहनीय कदम होगा । व्यवसायिक की दिक्कतों से आप कुछ चिंतित हो सकते हैं।वैवाहिक जीवन के लिए समय अच्छा रहेगा। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटेंगे। आर्थिक हालात ठीक रहेगी। संतान पक्ष को सफलता मिलेगी। नई योजना बनेगी। दाम्पत्य जीवन ठीक रहेगा। आज निवेश करने से लाभ जरूर बनेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन दिक्कतें जरूर बन सकती हैं । आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। धीरज के साथ सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करें।। तनाव पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी की सलाह नजरअंदाज ना करें। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें। किसी से अनबन हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। कारोबार में लाभ होने की संभावना है।। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। सेहत ठीक रहेगी। किसी काम को पूरा करने में अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए लाभकारी होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। धन लाभ का अवसर मिलेंगे। आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बगैर पूछे किसी को मशवरा नही देना। कुछ नए काम को शुरू कर सकते हैं। शासकीय कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों का आज पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।बिना सोचे समझे कोई काम न करें। निवेश की स्थिति ठीक नहीं है। कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। रिश्तेदारों से आपको सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्य में हिस्सा लेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दूसरों की सहायता मिलेगी। विर–ोधियों के चलते आपके कुछ काम प्रभावित होंगा । पारिवारिक जिम्मेदारी पूरे करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप शादी उम्र के योग्य है तो रिश्ता हो सकता हैं । नया काम शुरू कर सकते हैं।मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तेदारों से कोई अच्छी खबर आ सकती है। नए प्रोजेक्ट से लाभ होगा। मित्रों के साथ पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। छात्रों की दिक्कतें दूर होगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात का मौका मिलेगा। जीवनसाथी को घुमाने ले जा सकते हैं। आज का दिन बेहद सुखद रहेगा। आज अपने खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। आज आप नौकरी बदले का मन कर रहे हैं तो बढीया समय है कोशिश सफल होगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज लक्ष्मी जी को रक्त पुष्प अर्पित करें कर्ज मुक्त होंगे । धन लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार के सिलसिले में ज्यादातर किए गए प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आज आप खुश रहेंगे। किसी से मुलाकात होगी। मित्रों साथ इंजाय कर सकते हैं। जोखिम से जुड़े कार्यों को टालें। खानपान को नियंत्रित रखना होगा। तनाव दूर होने की संभावना है। भोजन सुपाच्य करें सेहत ठीक रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज ईष्टदेव का मंत्र स्मरण जप करें किस्मत का साथ मिलेगा।। कारोबार को लेकर नई योजना बनाने के लिए आज का दिन अच्छा है। दिनभर कार्य की व्यस्तता के चलते तनाव हो सकता है। युवाओं के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। शादीशुदा लोगों को घूमने जाने का अवसर मिलेगा। गैरजरूरी खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। खर्च में कमी आएगी। लव कपल के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सकारात्मक रहेगा। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर नए मौके मिलेंगे। छात्र नये कोर्स पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन का निवेश करें कारोबार में प्रगति होगी। दोस्तो और रिश्तेदारों से मुल–ाकात होगी। ऑफिस में आपका काम की सराहना होगी। छात्रों को फायदा होगा। आज धन लाभ होने की संभावना है। आपके शत्रु शांत रहेंगे। परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आज आप अपनी मेहनत से अपनी हर दिक्कत को आसान कर लेगे। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दाम्पत्य जीवन मे सामंजस्य के कारण सुख–समृद्धि में बढोतरी होगी ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप को सकारात्मक रहने की जरुरत है आप सरकारी नौकरी मे है तो दिक्कतें आएगी फिर भी आप में जोश देखने को मिलेगा । आपकी कार्यक्षेत्र में सराहना होगी। दिन की शुरुआत सामान्य होगी। व्यवसाय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। संतान पक्ष को लेकर कुछ दिक्कत हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। कई लोगों से मुलाकात होगी। रिश्तेदारों एवं मित्रों पर धन खर्च होगा। आज किसी की बातों मे आकर नया काम शुरू न करें। छात्रों के लिए दिन सफल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन मे उत्साह और उल्लास रहेगा आप बेहद खुश रहेंगे। आपका भाग्य प्रबल रहेगा। कार्य क्षेत्र में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आज आप खूब आनंद उठाएंगे, लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। आप गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। तनाव न लें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा हैं। परीक्षा में कामयाबी मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की मदद करेंगे। धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। अपने को शान्त रखें क्रोध पर नियंत्रण रखना आप की तरक्की के रास्ते खोलेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ तनाव रहेगा परिस्थियां आपके अनुकूल नही होगी इसलिए परेशानियों का सामना करना पड सकता हैं। सेहत को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा । किस्मत का साथ मिलेगा। माता–पिता की सेवा करना शुभ फल देगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। मित्रों की मदद से आपके कई काम पूरे होंगे। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रह सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। मन में नकारात्मक विचार न आने दे। ईश्वर की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज स्वभाव मे तेजी होगी क्रोध हावी रहेगा चिड़चिड़ापन बनेगा जिसके कारण किसी से आपका विवाद हो सकता है। काफी दिनों के बाद किसी परिचित व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। आज का दिन आपकी सेहत के लिहाज से काफी अच्छा है। कार–ोबार के सिलसिले में आज यात्रा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से सुखद सूचना मिल सकती है। धन लाभ होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। परिवार को पूरा समय दें सब कुछ अनुकूल होगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज व्यापार मे लेनदेन मे निवेश के हिसाब से दिन बहतर हैं व्यवसाय में आज उम्मीद से अधिक लाभ होगा। बातचीत करने के दौरान सावधान रहें। आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आलस्य ज्यादा रहेगा। आज शासकीय कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को नए मौके मिलेंगे। ऋण से मुक्ति मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आशाजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। आप दूसरों की देखभाल में आपका समय बीतेगा। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी मिलेगी। रिश्ते की सूचना मिलेगी। दफ्तर में किसी सहयोगी से अनबन की आशंका है। कन्या को खीर का भोग रखे।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 अगस्त 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 01:16 तक
नक्षत्र : श्रवण दोपहर 02:24 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 02:15 तक
करण : बव दोपहर 01:16 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 02:12 तक
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 ,सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रावणी उपाकर्म ,
रक्षाबंधन, श्रावण पूर्णिमा, पंचक आरंभ रात्रि 02:11 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

समावेशी तथा संवेदनशील समाज में विशेष योग्यजन की भागीदारी अहम

अंत्योदय के सपने को साकार करने में जुटी हमारी सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विशेष योग्यजन समाज का अभिन्न अंग है। एक समावेशी तथा संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए विशेष योग्यजन की समान भागीदारी अति आवश्यक है। इसके लिए राज्य सरकार दिव्यांगजनों को केन्द्र में रखकर निरंतर कार्य कर रही है तथा उन्हें सशक्त बनाने के लिए कृत्संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की परिकल्पना अंत्योदय को साकार करने में जुटी हुई है। शर्मा ने प्रदेशवासियों से एकात्म मानववाद तथा नागरिक कर्तव्यों को निभाते हुए प्रत्येक जरूरतमंद की मदद करने की अपील की।

शर्मा शुक्रवार को जामडोली के सामाजिक न्याय संकुल परिसर में आयोजित 'विशेष योग्यजन बहन सम्मान दिवस समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, जो आपसी स्नेह, विश्वास और संरक्षण की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि आपका ये भाई आप सभी बहनों की सुरक्षा, सम्मान के साथ ही सभी को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कई योजनाएं एवं नवाचारों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में दिव्यांगजनों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए 'समान अवसर नीति 2025' लाई गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रथम संतान के जन्म के समय दी जाने वाली राशि 5 हजार से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये की है। इस योजना में दिव्यांग गर्भवती महिला को 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा विधवाओं, एकल नारियों तथा दिव्यांग व्यक्तियों को दी जा रही पेंशन को बढ़ाकर 1 हजार 250 रुपये प्रति माह किया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंत्योदय के लक्ष्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जामडोली में 200 करोड़ रुपये की लागत से स्वयंसिद्धा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का चरणबद्ध रूप से निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में ना किसी भी तरह की औपचारिकता थी और ना ही मंचीय दूरी। पूरे वातावरण में केवल आत्मीयता और अपनापन का अहसास हो रहा था। जब कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को विशेष योग्यजन बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा तो उनके स्नेह से सभी भावुक हो गए। कार्यक्रम में लक्ष्मी ने मुख्यमंत्री के समक्ष 'आ चल के तुझे मैं ले के चलूं एक ऐसे गगन के तले........' गीत गाया। इस सरल और अपनेपन से गाए हुए गीत ने सभी के दिल को छू लिया। इस दौरान दिव्यांगजनों ने बैंड वादन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

10 श्रमिकों तक के नियोजन पर संस्थानों को पंजीयन से मिलेगी छूट:भजनलाल

जयपुर, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
प्रदेश में ईज ऑफ डूईंग बिजनस को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम–1958 की धारा–4 के अंतर्गत शिथिलता प्रदान की है।मुख्यमंत्री श्री शर्मा के इस निर्णय से 0 से 10 की संख्या तक श्रमिकों का नियोजन करने वाले संस्थानों को उक्त अधिनियम के अंतर्गत पंजीयन के प्रावधानों से छूट मिलेगी। इससे छोटी दुकानों एवं वाणिज्यिक संस्थानों को व्यापार करने में सहूलियत मिल सकेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम–1958 को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित करने के क्रम में प्रस्तावित राजस्थान शॉप्स एण्ड इस्टेबलिशमेंट (रेगुलेशन ऑफ इम्प्लॉयमेंट एण्ड कंडीशन ऑफ सर्विस) एक्ट, 2025 के प्रारूप को प्रशासनिक मंजूरी भी दी है।

1200 से अधिक मतदाताओं वाले समस्त मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन करना सुनिश्चित करें: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

जयपुर, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने शुक्रवार को मतदान केन्द्र पुनर्गठन को लेकर राज्य के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने शासन सचिवालय से वीसी के जरिए सभी संभागीय आयुक्त, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1200 से अधिक मतदाताओं वाले समस्त मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन करना सुनिश्चित करें।

महाजन के अनुसार पुनर्गठन की प्रक्रिया में यथा संभव अन्य समीपस्थ मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं का समायोजन किया जाए। समायोजन संभव न होने की स्थिति में ही मतदान केन्द्र का विभाजन किया जाए। अनुभाग विभाजन की स्थिति में एक परिवार के सभी मतदाताओं को आवश्यक रूप से एक साथ रखा जाएं।

पुनर्गठन प्रस्तावों के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ब्यावर एवं भरतपुर द्वारा 5 अगस्त को, अजमेर, बालोतरा, चूरू, डीडवाना–कुचामन, डीग, धौलपुर, जैसलमेर, करौली, नागौर, प्रतापगढ़, सलूंबर, टोंक, सीकर में 6 अगस्त को तथा अलवर, बांसवाड़ा, बारां बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, जालौर, झालावाड़, झुंझुनू, जोधपुर, खैरथल– तिजारा, कोटा, कोटपूतली–बहरोड, पाली, फलोदी, राजसमंद, सवाई–माधोपुर, सिरोही, उदयपुर में 7 अगस्त को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इस संबंध में चर्चा की गयी।

महाजन ने बताया कि अब तक 30 जिलों से पुनर्गठन के प्रस्ताव प्राप्त किए जा चुके हैं। जिनकी राज्य स्तर पर समीक्षा की जा रही है। समस्त जिलों से प्रस्ताव प्राप्त होने के उपरांत राज्य स्तर पर समीक्षा कर भारत निर्वाचन आयोग को अनुमोदन के लिए भेजे जाएंगे।

स्वाध्याय एकाग्रता, विनय, विवेक पूर्वक पुरुषार्थ करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है : आचार्य वर्धमान सागर

टोंक, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
प्रदेश भर से प्रतिदिन पधार रहे हैं गुरु भक्त वाणी कब, कैसे ,कितनी ,कहा बोलना चाहिए इस पर आर्यिका माताजी का उपदेश अभी आप सभी ने श्रवण किया।एक भी गुण से जीवन में अपनाने से उन्नति हो सकती है ।जीवन में सर्वसंपन्नता विवेक और विनय गुण से प्राप्त होती है। टोंक नगर के संदर्भ में कहा कि गुरु शिक्षक माता, पिता ,परिजन का टोकना गलत लगता हैं किंतु वह जीवन की भलाई के लिए कहते है। विवेक द्वारा आप उनके कहने का गुण दोष समझ सकते हैं। विवेक से पुण्य का अर्जन होता है यह धर्म देशना वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने टोक नगर में आयोजित धर्म सभा में प्रकट की। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि विवेक से हम अतीत और भविष्य को समझ सकते हैं वर्तमान ठीक करेंगे तो भविष्य भी हमारा ठीक होगा विवेक से ज्ञान मिलता है विवेक और ज्ञान एक दूसरे के पूरक है और ज्ञान हमें स्वाध्याय से मिलता है स्वाध्याय स्वयं निज आत्मा का अध्ययन होता है स्वाध्याय से हम वर्तमान भविष्य की तैयारी कर सकते हैं जन्म मरण से गति पर्याय जो मिलती है वह किए गए कार्यों के अनुसार पुण्य या पाप अनुसार प्राप्त होती है।

भगवान आदिनाथ से लेकर महावीर स्वामी तक का जीवन हमारे समक्ष है कि वह कैसे महापुरुष भगवान बने हैं आचार्य श्री ने बताया कि भगवान महावीर सिंह की पर्याय में होने के बावजूद पुण्य से महावीर स्वामी बने हैं।आचार्य श्री ने बतलाया यदि आपका खान–पान अशुद्ध है विवेक हीनता से आप कार्य कर रहे हैं उससे स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा आप बीमार होंगे , स्वस्थ रहने पर ही बुद्धि विवेक और ज्ञान होता है जीवन का कोई भरोसा नहीं होता विगत दिनों आप सभी ने श्री विशाल सागर जी की मुनि दीक्षा देखी और कुछ ही समय बाद उनकी समाधि भी हो गई आचार्य श्री ने स्वाध्याय के महत्व को बतलाया कि पंडित रतनलाल और पंडित जवाहरलाल जी ने स्वाध्याय से ज्ञान प्राप्त कर अनेक शास्त्रों को लिपिबद्ध कर सभी को लाभान्वित किया। आचार्य श्री ने स्वाध्याय के भेदों की विवेचना में बताया कि शास्त्र को उच्च स्थान पर विराजित कर स्वाध्याय एकाग्रता,विनय ,उद्यम ओर विवेक के पुरुषार्थ से ज्ञान प्राप्त होता हैं।

आयुष्मान भारत योजना में हरियाणा की स्थिति बहुत ही चिंताजनक : सैलजा

सिरसा, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में हरियाणा की स्थिति चिंताजनक है, इस योजना के तहत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों को जहां 15 दिन में बिलो का भुगतान मिल जाना चाहिए था वहां इन्हें अब पांच माह से भुगतान ही नहीं मिला है, भुगतान न होने पर निजी अस्पताल आयुष्मान कार्ड पर गरीब रोगियों का इलाज बंद कर चुके है और वीरवार से प्रदेश में ईलाज फिर से बंद कर दिया गया है। उनके द्वारा लोकसभा में रखे गए प्रश्न के जवाब से साफ हो गया है कि प्रदेश सरकार लोगों को गुमराह कर रही है।

बदहाल गुरुग्राम की विदेशों तक नाक कटी, सरकार पर नहीं पड़ कोई फर्क : बुवानीवाला

गुरुग्राम, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक बुवानीवाला ने कहा कि कांग्रेस के रोहतक से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा देश की संसद में गुरुग्राम की बदहाली को उठाना इस बात का प्रतीक है कि शहर कितना बदहाल हो चुका है। इसके बावजूद भी भाजपा सरकार के मंत्री सब कुछ ठीक होने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। इस बयान से सिर्फ गुरुग्राम ही नहीं बल्कि देश शर्मिंदा है। क्योंकि विदेशी लोगों ने भी गुरुग्राम की गंदगी और अव्यवस्था को पुरजोर तरीके से उठाया है। अशोक बुवानीवाला ने कहा कि सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने देश की संसद में गुरुग्राम में जलभराव, गंदगी, सीवरेज, ट्रैफिक जाम जैसी बुनियादी समस्याओं को पटल पर रखा। केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्री द्वारा जवाब में ये कहना कि गुरुग्राम में किसी भी प्रमुख नागरिक बुनियादी ढांचे से संबंधित समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उनका यह जवाब शर्मिंदा करने वाला है। पिछले 11 साल से भाजपा सरकार है और शहर में जलभराव और गंदगी भी भाजपा के साथ ही चल रही है। शहर को साफ करने में भाजपा कामयाब नहीं रही।

रक्षाबंधन पर हरियाणा सरकार का तोहफा

महिलाओं और बच्चों के लिए फ्री बस सेवा शुरू, 168 बसें तैनात

चंडीगढ़, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
रक्षाबंधन के पर्व पर हरियाणा सरकार ने महिलाओं और उनके साथ 15 साल तक के बच्चों को खास तोहफा दिया है। आज से हरियाणा रोडवेज की बसों में फ्री यात्रा की सुविधा शुरू हो गई है, जो 9 अगस्त रात 12 बजे तक जारी रहेगी। यह सेवा हरियाणा के साथ दिल्ली, राजस्थान और चंडीगढ़ तक लागू है। सुबह से ही बस स्टैंड्स पर महिलाओं की भीड़ दिखी, जो अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए उत्साहित नजर आईं। करनाल रोडवेज के जीएम कुलदीप सिंह ने बताया कि 168 बसें, जिसमें एसी बसों को छोड़कर बाकी सभी शामिल हैं, इस सेवा के लिए तैनात की गई हैं।

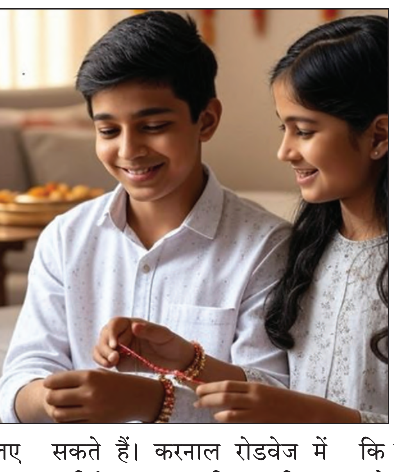

उन्होंने बताया कि सुबह 12 बजे से शुरू हुई यह योजना भाई–बहन के रिश्ते को मजबूत करने के लिए शुरू की गई है। महिलाओं के साथ 15 साल तक के बच्चे भी इसमें मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। करनाल रोडवेज में अतिरिक्त स्टाफ नियुक्त किया गया है, ताकि यात्रियों को कोई परेशानी न हो। कुलदीप सिंह ने कहा, हमने स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और चेकिंग स्टाफ को काउंटर पर लगाया गया है। साफ–सफाई और व्यवस्था के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे आराम से यात्रा करें और किसी भी समस्या के लिए स्टाफ से संपर्क करें। रक्षाबंधन के इस मौके पर महिलाओं के चेहरे खुशी से खिले हुए हैं। एक महिला यात्री ने कहा, सरकार की फ्री बस सेवा से हमें अपने भाई के पास तक आसानी से पहुंचने में मदद मिली। 15 साल तक का बच्चा साथ ले जा सकते हैं, जो बहुत राहत भरा है। यह पर्व भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, जिसका साल भर इंतजार रहता है।

दूसरी महिला ने बताया कि वे अपने गृह नगर जा रही हैं और इस सुविधा से उन्हें आर्थिक बोझ से छुटकारा मिला है। वहीं, कुलदीप सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि फ्री सेवा आज दोपहर 12 बजे से 9 अगस्त रात 12 बजे तक चलेगी। उन्होंने कहा, दिल्ली और चंडीगढ़ जाने वाली रोडवेज बसें भी इस योजना में शामिल हैं।

समाधान शिविरों में आने वाले

शिकायतकर्ताओं को बार-बार दफ्तर न आना पड़े, सुनिश्चित करें अधिकारी : सैनी

चंडीगढ़, 08 अगस्त (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे समाधान शिविरों में आने वाली हर जन शिकायत को पूरी गंभीरता से लें और उनका तुरंत समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को लंबित शिकायतों, खासकर पुराने मामलों पर विशेष ध्यान देने को कहा है ताकि लोगों को प्रशासन पर भरोसा हो सके। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपायुक्तों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने जन शिकायतों के निवारण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कुछ जिलों में लंबित शिकायतों की संख्या पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को इसे शून्य करने का निर्देश दिया।

शिकायतों के दोहराव पर होगी जवाबदेहीः सैनी ने साफ किया कि 'समाधान शिविर' का उद्देश्य एक ही मंच पर लोगों की समस्याओं को हल करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी नागरिक को एक ही मुद्दे को लेकर बार–बार शिविर में आना पड़ता है, तो संबंधित अधिकारी इसके लिए जवाबदेह होगा। उन्होंने उपायुक्तों से सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि लोग बार–बार कार्यालयों के चक्कर न लगाएं।

पुलिस शिकायतों का भी हो समयबद्ध समाधानः मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों पर भी जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक समाधान करें, ताकि आम जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास बढ़े।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि समाधान शिविरों के दौरान सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी अनिवार्य रूप से मौजूद रहें, जिससे शिकायतों का मौके पर ही प्रभावी ढंग से निपटारा किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

गंगा में बढ़ा जलस्तर, बाढ़ के पानी में पटना की छह ग्राम पंचायतें डूबीं

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले में गंगा और सोन नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण दानापुर दियारा के निचले हिस्से में बाढ़ का पानी तेजी से फैल गया है। इस बाढ़ ने छह पंचायतों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया है। निचले इलाकों के घरों में पानी घुसने से लोग घर छोड़कर शहर की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। इन पंचायतों का शहर मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट चुका है और नाव ही अब लोगों की एकमात्र जीवन रेखा बन गई है।

जानकारी के अनुसार, दानापुर दियारा के पानापुर, मानस, पुरानी पानापुर, हेतनपुर, पतलापुर समेत कई गांव बुरी तरह प्रभावित हैं। खेतों में लगी पूरी फसल डूब चुकी है। बाढ़ के पानी के कारण सबसे बड़ी समस्या पीने के शुद्ध पानी, भोजन और मवेशियों के चारे की हो गई है। ग्रामीण डरे-सहमे हालात का सामना कर रहे हैं और सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। कई परिवार दानापुर शहर में बने बाढ़ राहत कैंपों में भी पहुंचने लगे हैं ताकि अपनी और अपने बच्चों की जान बचा सकें।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बाढ़ की इस भयावह स्थिति में भी प्रशासन की ओर से नाव, स्वास्थ्य सुविधा या पशुओं के लिए चारे का कोई ठोस इंतजाम नहीं किया गया है। लोग नाव के सहारे किसी तरह दानापुर पहुंच रहे हैं, लेकिन नाव संचालक एक पशु लाने के लिए 1000 रुपये तक वसूल रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया है।

मनेर के पश्चिमी दियारा में रामघाट पुल और तिवारी टोला पुल के पास सड़कें बाढ़ के पानी में डूब गई हैं, जिससे छह पंचायतों का मनेर शहरी क्षेत्र से संपर्क टूट गया है। रामपुर दियारा, भवानी टोला, हुलासी टोला, सुअरमरवा, रामबाद, पतीला, चौरासी, हाथी टोला, मुंजी टोला, हल्दी छपरा, इस्लामगंज, महावीर टोला, छिहत्तर और रतन टोला समेत डेढ़ दर्जन से अधिक गांव बाढ़ से जूझ रहे हैं।

दानापुर अनुमंडल अधिकारी दिव्य शक्ति ने बताया कि गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, लेकिन सरकार राहत कार्य में पूरी तरह मुस्तैद है। बाढ़ पीड़ितों के लिए 42 नाव चलाई जा रही हैं और दानापुर में बलदेव स्कूल समेत दो राहत कैंप संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही मवेशियों के लिए चारे की व्यवस्था भी की जा रही है और आगे भी हरसंभव मदद दी जाएगी।

वर्षों से फरार कुख्यात नक्सली रामानंद बिंद गिरफ्तार

2019 में मांगी थी लाखों की रंगदारी

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत खीरीमोर थाना क्षेत्र के 2019 के एक पुराने नक्सली मामले में फरार चल रहे कुख्यात नक्सली रामानंद बिंद को आखिरकार पुलिस ने दबोच लिया। पटना एसटीएफ और खीरीमोर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गया जिले से रामानंद बिंद को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी रोड कंस्ट्रक्शन कंपनी से रंगदारी मांगने और मशीनरी को कब्जे में लेने के मामले से जुड़ी है।

पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह के मुताबिक, वर्ष 2019 में खीरीमोर थाना क्षेत्र के आपको बिहार गांव में सड़क निर्माण कार्य के दौरान नक्सली संगठन के सदस्यों ने कंपनी की जेसीबी मशीन को कब्जे में ले लिया था। इसके साथ ही कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक विवेक सिंह से पर्चा चिपका कर लाखों रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। घटना के बाद मालिक ने थाने में नक्सली संगठन के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

इस मामले में पुलिस पहले ही तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर चुकी थी, जबकि चौथा आरोपी रामानंद बिंद लंबे समय से फरार चल रहा था। खीरीमोर थाना में उसके खिलाफ दो मामले दर्ज हैं और वह सभी में वांछित था।

पुलिस अब गिरफ्तार नक्सली के आपराधिक इतिहास की गहन छानबीन कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि उसकी गतिविधियों और नक्सली संगठन में उसकी भूमिका को लेकर विस्तृत पूछताछ की जाएगी, ताकि संगठन के नेटवर्क को कमजोर किया जा सके।

कटिहार में दिल दहला देने वाली वारदात

आधी रात को पिता-पुत्र पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

कटिहार (एजेंसियां)।

बिहार के कटिहार में पिता-पुत्र पर पेट्रोल डालकर आधी रात को अग लगा दी। दोनों अपने घर के बाहर बरामद में चौकी पर सो रहे थे। कदवा थाना क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात की घटना सामने आई है। अपराधियों ने सो रहे पिता-पुत्र पर कथित तौर पर पहले पेट्रोल डाला और फिर आग लगा दी। इस घटना में पुत्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, पिता अभी भी जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है।

पुलिस इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, ये घटना कदवा थाना क्षेत्र के कचौरी गांव की है। बताया जाता है कि गुरुवार की रात दोनों राम कल्याण मंडल (45) अपने पुत्र सुनील कुमार (12) के साथ अपने घर के बरामदे पर सोए हुए थे, जबकि घर के अंदर परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे। इसी दौरान अपराधी आए और घटना को अंजाम दे दिया।

ग्रामीणों के मुताबिक, जब आग की लपटें उठने लगीं तो शोर सुनकर घर के लोग बाहर आए। आस-पास के लोग भी पहुंचे। इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद, ग्रामीणों की मदद से राम कल्याण मंडल और सुनील कुमार को गंभीर अवस्था में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से झुलसे पिता-पुत्र को पहले दुर्गागंज पीएचसी, फिर कटिहार सदर अस्पताल और फिर भागलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां सुनील ने दम तोड़ दिया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार की देर रात को कदवा थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि ग्राम कचौरी में एक घर में चौकी पर सोए हुए पिता राम कल्याण मंडल (45) एवं उनके पुत्र सुनील कुमार मंडल (12 वर्ष) को आग के हवाले कर दिया गया। उन्हें इलाज के लिए भागलपुर अस्पताल भेजा गया। इलाज के क्रम में सुनील कुमार मंडल की मृत्यु हो गई और जख्मी पिता राम कल्याण मंडल का इलाज चल रहा है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है।

बिहार में वोटों की चोरी नहीं डकैती हो रही

चुनाव आयोग देश को जवाब दे: योगेंद्र यादव

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कर रहा है। इसके लिए आयोग की ओर से जारी की गई मसौदा मतदाता सूची में 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि, 'महाराष्ट्र और अन्य जगहों पर चोरी चुपके से हो रही थी। लेकिन बिहार में यह खु-लेआम हो रही है। यह चोरी नहीं, डकैती है। चुनाव आयोग को देश को जवाब देना चाहिए। यह एक महान संस्था है। इसे इस तरह बर्बाद नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग और सत्ता पक्ष पर 'वोट चोरी' करने का आरोप लगाया है। इस पर सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने कहा है कि वे पहले चुनाव आयोग का बचाव करते थे, लेकिन अब राहुल गांधी के आरोपों के बाद उनकी राय बदल गई है।

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी किए जाने की बात कही है। उन्होंने 'एक करोड़ रहस्यमय मतदाता' का जिक्र करते हुए पोलिंग के सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने और वोटरों का डेटा साझा न करने जैसे आरोप चुनाव आयोग पर लगाए हैं। योगेंद्र यादव ने कहा कि इस पर चुनाव आयोग का जवाब धमकी भरा था, इससे उस पर शक और बढ़ गया है।

बीजेपी ने राहुल गांधी की आलोचना की है। अन्य लोग इस मामले की जांच की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 2024 के आम चुनावों के दौरान एक लाख से ज़्यादा फर्जी वोटर थे। उन्होंने दावा किया कि इससे बीजेपी को स्थानीय विधानसभा सीट और बैंगलोर सेंट्रल लोकसभा सीट जीतने में मदद मिली।

योगेंद्र यादव ने कहा कि वे हमेशा से भारतीय चुनाव प्रक्रिया का बचाव करते रहे हैं। वे दुनिया को यहां के चुनाव आयोग से सीखने के लिए कहते थे। लेकिन राहुल गांधी के सबूतों ने तस्वीर बदल दी है। योगेंद्र यादव ने एक्स (द) पर एक पोस्ट में कहा कि कर्नाटक की एक विधानसभा में एक लाख फर्जी वोट हैं। वोटर लिस्ट में 15 से 20 प्रतिशत गलतियां हैं।

उन्होंने कहा कि वे सन 1977 से चुनाव देख रहे हैं। वे पिछले 35 सालों से भारत में चुनावों पर रिसर्च कर रहे हैं, लिख रहे हैं और उन्हें देख रहे हैं। उन्होंने दुनिया भर में लेक्चर दिए हैं और चुनाव आयोग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने भारतीय चुनाव प्रणाली की खूब तारीफ की है। मैंने अमेरिका और यूके में कहा है कि आपको भारत के चुनाव आयोग से सीखना चाहिए। मैंने हर तरह की शिकायतें सुनी हैं। मैंने हमेशा कहा है कि कुछ भी कहने से पहले ठोस सबूत दें।'

योगेंद्र यादव ने कहा कि , 'मध्य प्रदेश चुनाव, हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद मुझे भी लग रहा था कि कुछ गड़बड़ है। लेकिन मेरे पास सबूत नहीं थे। और मैंने कहा कि बिना सबूत के कुछ नहीं कहना चाहिए।

अब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के सामने विस्फोटक सबूत पेश किए हैं। कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में, उन्होंने एक लाख से ज़्यादा फ़र्ज़ी वोटों के सबूत दिए हैं। 15 से 20 प्रतिशत वोट फ़र्ज़ी हैं।'

योगेंद्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग का 'धमकी भरा' जवाब उनके शक को और बढ़ा रहा है। आयोग को जांच करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, 'अगर यह सच है, तो चुनाव आयोग को क्या करना चाहिए? चुनाव आयोग को कहना चाहिए कि हम आपके सबूतों की जांच करेंगे। अगर कुछ गलत हुआ, तो हम उसे सुधारेंगे। हम दोषियों को सज़ा देंगे। चुनाव आयोग क्या कर रहा है? चुनाव आयोग विपक्ष के नेता को धमकी दे रहा है। हमसे हलफनामा मांग रहा है। कह रहा है कि आप जेल जा सकते हैं। इससे मेरा शक और बढ़ गया है।'

यादव ने कहा, 'महाराष्ट्र और अन्य जगहों पर चोरी चुपके से हो रही थी।

लेकिन बिहार में यह खुलेआम हो रही है। यह चोरी नहीं, डकैती है। चुनाव आयोग को देश को जवाब देना चाहिए। यह एक महान संस्था है। इसे इस तरह बर्बाद नहीं किया जा सकता। याद रखें, इतिहास आपके सभी गलत कामों को दर्ज करेगा।'

गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कुछ लोगों के नाम बताए। उन्होंने कहा कि ये लोग उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे अलग-अलग राज्यों में कई निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता के रूप में दिख रहे हैं। उन्होंने डेटा में हेरफेर का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा मार्च 2025 में प्रकाशित मतदाता डेटा का हवाला दिया।

राहुल गांधी के जवाब में कम से कम तीन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने उनसे उन मतदाताओं के नाम साझा करने के लिए कहा है जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल किया गया है या बाहर रखा गया है। उन्होंने उनसे एक हस्ताक्षरित घोषणा या शपथ पत्र भी मांगा है ताकि चुनाव अधिकारी मामले में आवश्यक कार्यवाही शुरू कर सकें।

बिहार विधानसभा चुनाव: इलेक्शन कमीशन ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को लेकर जारी विवाद के बीच दी सफाई

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को सफाई दी है। चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदाता सूची में जो 65 लाख का अंतर दिख रहा है, उसके कई कारण हैं। कुछ लोग दूसरे राज्यों में चले गए, कुछ की मौत हो गई और कुछ ने समय पर फॉर्म जमा नहीं किए। आयोग बिहार की वोटर लिस्ट को सुधार रहा है।

बिहार की वोटर लिस्ट के रिवीजन को लेकर विवाद चल रहा है। इस पर चुनाव आयोग ने शुक्रवार को एक प्रेस नोट में विस्तार से सफाई दी। आयोग ने बताया है कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) के दौरान लगभग 8 करोड़ फॉर्म वितरित किए गए थे। इनमें से 7.24 करोड़ मतदाताओं के फॉर्म जमा हुए।

चुनाव आयोग ने फॉर्म वितरण और उनके संग्रह के बीच अंतर के कारण भी स्पष्ट किए हैं। आयोग के अनुसार, 'बीएलओ को ये मतदाता नहीं मिले या उन्हें उनके प्रगणन फॉर्म वापस नहीं मिले क्योंकि वे: अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता बन गए, या उनका अस्तित्व नहीं पाया गया, या उन्होंने 25 जुलाई तक फॉर्म जमा नहीं किया, या किसी अन्य कारण से मतदाता के रूप में पंजीकरण करने के इच्छुक नहीं थे।'

आयोग ने फॉर्म वितरण, डाउनलोड, संग्रह और डिजिटलीकरण के आंकड़े भी जारी किए हैं। उसने दैनिक रूप से वितरित, एकत्र और डिजिटाइज्ड प्रगणन फॉर्म का ग्राफिकल डेटा भी शेयर किया है। आयोग के ग्राफ के अनुसार, 65 लाख मतदाताओं का अंतर कई कारणों से है। इनमें 22 लाख मृत व्यक्ति शामिल हैं, 36 लाख लोग या तो बिहार से स्थायी रूप से चले गए हैं या वे मिले ही नहीं। बाकी 7 लाख लोग ऐसे हैं जिनके नाम एक से ज्यादा स्थानों पर दर्ज हैं।

चुनाव आयोग के प्रेस नोट के अनुसार, सर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अयोग्य मतदाता शामिल न हो। आयोग ने कहा है कि यदि कोई योग्य व्यक्ति छूट गया है, तो उसे एक सितंबर 2025 तक मतदाता सूची में वापस जोड़ा जा सकता है।

आयोग ने यह भी कहा है कि बिहार में मसौदा मतदाता सूची को लेकर किसी भी राजनीतिक दल ने कोई दावा या आपत्ति पेश नहीं की है।

उसने राजनीतिक दलों से भी इस प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की है। आयोग ने 1 अगस्त को बिहार की मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की थी। इसके बाद आयोग ने लोगों से कहा था कि अगर उन्हें कोई गलती दिखती है तो वे अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आयोग ने बताया कि मसौदा मतदाता सूची के संबंध में शुक्रवार तक मतदाताओं से सीधे 6,257 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं।

रक्षाबंधन पर बिहार सरकार की सौगात

माताओं और बहनों को दो दिन मिलेगी मुफ्त बस यात्रा की सुविधा

पटना (एजेंसियां)।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बिहार सरकार ने माताओं और बहनों को एक बड़ी सौगात देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की सभी बसों में महिलाओं और छात्राओं को नौ और 10 अगस्त को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य त्योहार के मौके पर महिलाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और निःशुल्क यात्रा का अवसर प्रदान करना है।

जानकारी के मुताबिक, यह निःशुल्क यात्रा सुविधा नौ अगस्त (शनिवार) की सुबह छह बजे से शुरू होकर 10 अगस्त (रविवार) देर शाम तक जारी रहेगी। इन दो दिनों के दौरान महिलाओं और छात्राओं को बस में सफर करने के लिए किसी भी प्रकार का किराया नहीं देना होगा। निगम की सभी श्रेणियों की बसें (पिंक, साधारण और डीलक्स) इस योजना के अंतर्गत शामिल होंगी।

इस योजना का लाभ न सिर्फ छात्राओं को बल्कि सभी आयुवर्ग की महिलाओं को मिलेगा, चाहे वे पढ़ाई कर रही हों या नौकरी-पेशा हों। बीएसआरटीसी की ओर से बताया गया है कि यह सुविधा पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और पूर्णिया स्थित छह क्षेत्रीय कार्यालयों से संचालित सभी मार्गों पर चलने वाली बसों में लागू होगी। रक्षाबंधन के दौरान अक्सर बसों में भारी भीड़ देखी जाती है। ऐसे में बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं के सफर को न केवल आसान बल्कि आर्थिक रूप से भी राहत देने वाली साबित होगी। परिवहन निगम का कहना है कि इस योजना से बहनों को अपने भाइयों के पास पहुंचने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी और वे सुरक्षित एवं निःशुल्क यात्रा का लाभ उठा सकेंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com